गृहमंत्री बोले- राजद के जंगलराज की वापसी रोकने के लिए कमल का बटन दबाएं - 12

देश में सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति तीन साल में 62 प्रतिशत बढ़ी -12

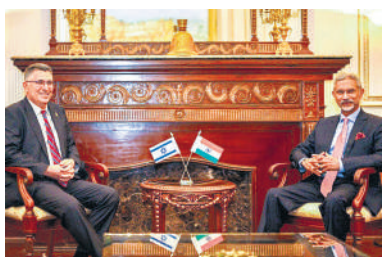

विदेश मंत्री जयशंकर बोले- आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर करें काम - 13

रणजी ट्रॉफी: अर्पित-सनत के शतक लेकिन पुडुचेरी को मिले 3 अंक - 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

17.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.27

सूर्यास्त 05.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 06:49 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

बुधवार, 5 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 346, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में पहले चरण का प्रचार थमा केंद्रीय मंत्री ललन पर प्राथमिकी दर्ज

पटना, एजेंसी

- 121 सीट पर कल होगा मतदान, ललन सिंह का विवादित बयान वाला वीडियो वायरल

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार अभियान मंगलवार की शाम छह बजे थम गया। इस चरण में राज्य के 18 जिलों की 121 विधानसभा सीट पर छह नवंबर को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए कुल 45,341 बूथ बनाए गए हैं, पहले चरण में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, लोकगायिका मैथिली ठाकुर व अन्य शामिल हैं। वहीं, प्रचार के दौरान विपक्षी नेताओं के खिलाफ विवादित बयान देने को लेकर केंद्रीय मंत्री एवं जदयू नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के खिलाफ मंगलवार को एक प्राथमिकी दर्ज की गई। सिंह तब एक नए विवाद में फंस गए जब एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह राजग समर्थकों से कथित तौर पर कह रहे कि मतदान के दिन विपक्षियों को घर से बाहर नहीं निकलने देना है।

बूथ के लिए रवाना होते पोलिंग पार्टी के सदस्य।

जंगलराज वालों की होगी बुरी हार

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री बोले- राजग रिकॉर्ड जीत करेगा हासिल, रैली में लोगों की भागीदारी रिकार्ड तोड़ रही, महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हो रहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि बिहार की जनता ने मन बना लिया है कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पिछले 20 वर्षों के जीत के रिकॉर्ड को तोड़ेगी, जबकि राज्य में जंगल राज के समर्थक लोगों को सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ेगा। मोदी ने कहा कि वह बिहार में रैलियों को संबोधित कर रहे हैं और हर रैली लोगों की भागीदारी के लिहाज से पिछली रैली का रिकार्ड तोड़ रही है, जिसमें महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हो रही हैं।

मोदी ने नमो ऐप के जरिये बिहार में भाजपा-राजग की महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, बिहार भाजपा की महिला कार्यकर्ता 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के संकल्प के साथ शानदार काम कर रही हैं। मैं चुनावों पर करीबी नजर रख रहा हूं और यह स्पष्ट है कि राजग जीत रहा है और वह भारी जीत हासिल करने जा रहा है। इसलिए मुझे जीत पर कोई संदेह नहीं है, लेकिन (मैं चाहता हूं कि) अधिक से अधिक मतदान होना चाहिए।" बिहार में राजग के प्रति जबरदस्त उत्साह होने का दावा करने वाली एक भाजपा कार्यकर्ता से बात करते हुए मोदी ने कहा कि उसके शब्द गरीबों, दलितों, महादलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों में व्याप्त भावना को प्रतिध्वनित करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार महिलाओं के जीवन को आसान बनाने और उनका सशक्तीकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने बिहार चुनाव में राजद नेता और लालू के बेटे तेजस्वी यादव को अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है।

बिहार में अब लालटेन का अंधेरा नहीं, एलईडी की रोशनी है : योगी

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार अभियान में मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी ने एनडीए के समर्थन में रोड शो और जबरदस्त जनसभाएं करके इंडी गठबंधन के नेताओं जमकर निशाना साधा। योगी ने कहा कि एनडीए सुशासन और विकास की पहचान है, जबकि आरएलडी और कांग्रेस जंगलराज और गुंडाराज की पहचान हैं। बिहार में अब लालटेन का अंधेरा नहीं, एलईडी की रोशनी है।

योगी ने दरभंगा में रोड शो करने के साथ लखीसराय, बैकुंठपुर और मोहिउद्दीननगर विधान सभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किए। लखीसराय में एनडीए प्रत्याशी एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के समर्थन में योगी ने कहा कि 1990 से 2005 तक का दौर बिहार के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। वंशवाद और परिवारवाद ने बिहार की पहचान को धूमिल किया। जो खानदानी लुटेरे हैं, वे अब खानदानी माफियाओं को शागिर्द बनाकर फिर से जंगलराज लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है।

बैकुंठपुर विधान सभा क्षेत्र में सीएम योगी।

ब्रीफ न्यूज

हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद का निधन

नई दिल्ली। जाने-माने उद्योगपति और हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद पी हिंदुजा का लंदन में निधन हो गया है। उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 85 वर्ष के थे। उद्योग जगत में 'जीपी' के नाम से मशहूर गोपीचंद पी हिंदुजा पिछले कुछ सप्ताह से अस्वस्थ थे। हिंदुजा परिवार की दूसरी पीढ़ी के गोपीचंद ने मई 2023 में अपने बड़े भाई श्रीचंद के निधन के बाद समूह के चेयरमैन का पद संभाला था। उनके परिवार में पत्नी सुनीता, पुत्र संजय और धीरज और पुत्री रीता हैं।

टीसी पर प्रतिहस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं

नई दिल्ली। सीबीएसई ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) पर प्रतिहस्ताक्षर के लिए कोई भी अनुरोध मुख्यालय या क्षेत्रीय कार्यालय को नहीं भेजें। बोर्ड पहले ही सीबीएसई-संबद्ध किसी स्कूल से दूसरे स्कूल में स्थानांतरण प्रमाणपत्रों पर प्रतिहस्ताक्षर की प्रक्रिया को बंद कर चुका है। मुख्यालय को अब भी स्थानांतरण प्रमाणपत्रों पर प्रतिहस्ताक्षर के लिए अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में रेल हादसा, मालगाड़ी से टकराई पैसेंजर ट्रेन, 8 लोगों की मौत

बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब हुआ हादसा, 14 गंभीर घायल

बिलासपुर (छत्तीसगढ़), एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब एक लोकल यात्री ट्रेन के मंगलवार को एक मालगाड़ी से टकरा जाने से आठ लोगों की मृत्यु हो गई जबकि 14 अन्य घायल हो गए। बिलासपुर जिले के कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि एक लोकल यात्री ट्रेन आज कोरबा जिले के गेवरा रेलवे स्टेशन से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी।

अग्रवाल ने बताया कि जब ट्रेन मंगलवार शाम लगभग चार बजे गतौरा और बिलासपुर रेलवे स्टेशन के मध्य में थी तभी लोकल यात्री ट्रेन ने एक मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में आठ लोगों की मृत्यु हुई है तथा 14 अन्य यात्री घायल हुए हैं। घायलों को बिलासपुर शहर के अपोलो, छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान और अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आपोलो अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। अग्रवाल ने बताया कि घटना के दौरान लोकल ट्रेन की पहली बोगी, मालगाड़ी की अंतिम बोगी के ऊपर चढ़ गई और छतिग्रस्त हो गई। लोकल ट्रेन की बोगी में चार अन्य यात्रियों के फंसे होने की जानकारी मिली है, जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी घटनास्थल पहुंचे तथा राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पांच लाख रुपये और सामान्य घायलों को एक लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

रेलवे बोर्ड ने कहा- यात्री ट्रेन का लाल सिग्नल पार करना दुर्घटना का संभावित कारण

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर स्टेशन के निकट एक सवारी गाड़ी और मालगाड़ी के बीच हुई टक्कर में सात लोगों की मौत के कुछ घंटों बाद रेलवे बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यात्री ट्रेन के लाल सिग्नल पार कर जाने के कारण यह दुर्घटना हुई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि टक्कर शाम करीब चार बजे हुई जब डीईएमयू (डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन पड़ोसी कोरबा जिले के गेवरा से बिलासपुर जा रही थी। गतोरा और बिलासपुर स्टेशनों के बीच यह मालगाड़ी से पीछे से टकरा गया। घटना की विस्तृत जांच रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) के स्तर पर की जाएगी ताकि सटीक कारण का पता लगाया जा सके और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की सिफारिश की जा सके।

दिल्ली छठा सबसे प्रदूषित शहर, टॉप 10 में यूपी के 4

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने पेश की अक्टूबर माह की रिपोर्ट
- हरियाणा का धारूहेड़ा सबसे प्रदूषित शहर, शिलांग सबसे स्वच्छ शहर

अक्टूबर माह में दिल्ली देश का छठा सबसे प्रदूषित शहर रहा, जो पड़ोसी गाजियाबाद और नोएडा से पीछे है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' की ओर से मंगलवार को जारी मासिक वायु गुणवत्ता आंकड़ों के अनुसार हरियाणा का धारूहेड़ा अक्टूबर में सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां मासिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता 123 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी।

कहा गया है कि देश भर में वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट आई है। सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों (आईजीपी) में विशेषकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्थिति खराब है। दिल्ली 107 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की औसत सांद्रता के साथ छठे स्थान पर रही, जो सितंबर के औसत 36 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से तीन गुना अधिक है। अक्टूबर में दिल्ली के पीएम 2.5 के स्तर में पराली जलाने का योगदान छह प्रतिशत से भी कम रहा। अक्टूबर में धारूहेड़ा को सबसे प्रदूषित शहर का दर्जा दिया गया, जहां मासिक औसत पीएम 2.5 की सांद्रता 123 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी, जो 77 प्रतिशत दिनों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) सीमा को पार कर गई। महीने के दौरान दो दिन 'गंभीर' और नौ दिन 'बेहद खराब' दर्ज किए गए। धारूहेड़ा के बाद, रोहतक, गाजियाबाद, नोएडा, बल्लभगढ़, दिल्ली, भिवाड़ी, ग्रेटर नोएडा, हापुड़ और गुरुग्राम सबसे प्रदूषित शहर रहे। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश और हरियाणा के चार-चार शहर शीर्ष 10 की सूची में शामिल हैं, जो सभी एनसीआर में स्थित हैं। मेघालय का शिलांग भारत का सबसे स्वच्छ शहर रहा, जहां औसत पीएम 2.5 सांद्रता 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी। शीर्ष 10 सबसे स्वच्छ शहरों में कर्नाटक के चार, तमिलनाडु के तीन और मेघालय, सिक्किम और छत्तीसगढ़ का एक-एक शहर शामिल था।

प्रेमी से फोन पर बात करते देख पिता ने नाबालिग बेटी को मार डाला

- गांव के युवक से था प्रेम-प्रसंग, पिता को नहीं था रिश्ता मंजूर, डंडा छोड़कर भागा
- एसपी राजेश द्विवेदी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण फोरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत

रोजा के सुतनेरा गांव में घटनास्थल की जांच करते एसपी राजेश द्विवेदी व फोरेंसिक टीम।

संवाददाता, शाहजहांपुर/रोजा

अमृत विचार : प्रेमी से फोन पर बात करते देख पिता ने आपा खोते हुए बेटी पर डंडे से वार किया, सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी वहीं पर डंडा छोड़कर भाग निकला। सूचना पर एसपी राजेश द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया।

रोजा के सुतनेरा गांव निवासी नूर मोहम्मद अपने बेटे कुर्बान और 17 वर्षीय बेटी रूबी के साथ रहता था। मंगलवार सुबह उसका बेटा ऑटो लेकर कमाने के लिए निकल गया। इस दौरान रूबी घर में अकेली थी, वह प्रेमी से मोबाइल पर बात कर रही थी। नूर मोहम्मद घर लौट आया। उसने बेटी को फोन पर बात करते देखा और रोकने की कोशिश की, लेकिन रूबी ने बात बंद नहीं की। इससे गुस्से में आकर उसने घर में रखा डंडा उठाया और बेटी पर ताबड़तोड़ प्रहार करने लगा। हमले के बाद रूबी लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गई, तभी आरोपी ने उसका गला दबाने की भी कोशिश की। रूबी की चीखें सुनकर उसकी भाभी बचाने पहुंची और ससुर को रोकने का प्रयास किया। लेकिन नूर मोहम्मद ने कहा, जो किया, सही किया। कुछ ही देर में रूबी की मौत हो गई। इसके बाद वह डंडा वहीं छोड़कर भाग निकला। सूचना पर थाना प्रभारी राजीव कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थोड़ी देर में एसपी राजेश द्विवेदी और सीओ सदर प्रयांक जैन भी घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि रूबी का गांव के ही एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था और वह अक्सर फोन पर बात करती थी। पिता ने कई बार मना किया, लेकिन उसने बात नहीं मानी, जिससे नाराज होकर यह कदम उठा लिया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि परिजनों से तहरीर मिलने पर आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

> रोजा क्षेत्र में एक व्यक्ति ने नाबालिग बेटी की हत्या कर दी है। उसने डंडे से प्रहार किया था। घटना के पीछे प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। आरोपी पिता की तलाश में एसओजी और दो थानों की टीमें लगाई गई हैं। - राजेश द्विवेदी, एसपी

गुरु नानक जयंती पर 2,100 सिख पहुंचे पाकिस्तान

लाहौर, एजेंसी

- वाघा सीमा के रास्ते किया प्रवेश, 556वीं जयंती से जुड़े कार्यक्रमों में होंगे शामिल

भारत के करीब 2,100 सिख तीर्थयात्री मंगलवार को वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुए। ये तीर्थयात्री गुरु नानक देव की 556वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने आए हैं, जो मई में चार दिन चले संघर्ष के बाद दोनों देशों के लोगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क का पहला मौका था।

पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एवं पंजाब अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) के प्रमुख साजिद महमूद चौहान और अतिरिक्त सचिव (धार्मिक स्थल) नासिर मुश्ताक ने वाघा चेक पोस्ट पर भारतीय तीर्थयात्रियों का स्वागत किया। पाकिस्तान पहुंचने वालों में अकाल तख्त के नेता ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बीबी गुरिंदर कौर और दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के रविंदर सिंह स्वीटा शामिल हैं।

ईटीपीबी के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने बताया कि जयंती का मुख्य समारोह बुधवार को गुरुद्वारा जन्मस्थान में आयोजित किया जाएगा, जो लाहौर से 80 किमी दूर है।

13 को अपने वतन के लिए रवाना होगा जत्था

सिख तीर्थयात्री 13 नवंबर को अपने वतन के लिए रवाना होंगे। मई में पहलगाम आतंकी हमले के कारण हुए चार-दिवसीय संघर्ष के बाद दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच तनाव अब भी कायम है। दोनों देशों ने मई से वस्तुतः सभी संपर्क काट दिए हैं, और उन्होंने एक-दूसरे के लिए अपने हवाई क्षेत्र के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

प्रदेश में चार दिन तक बंद रहेगी ऑनलाइन रजिस्ट्री

तकनीकी सुधार के चलते 8 से 11 नवंबर तक रहेगी बंद

लखनऊ। प्रदेश में भूमि और भवन की ऑनलाइन रजिस्ट्री चार दिनों के लिए बंद रहेगी। इस संबंध में स्टांप एवं पंजीकरण विभाग ने मंगलवार को शासनादेश जारी किया है। इसके अनुसार, आठ नवंबर से 11 नवंबर तक ई-रजिस्ट्री पोर्टल पर किसी भी प्रकार की पंजीकरण प्रक्रिया, प्रविष्टि या स्वीकृति नहीं की जा सकेगी।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि विभाग के सर्वर और सॉफ्टवेयर में तकनीकी उन्नयन, सुरक्षा सुधार और डेटा एकीकरण कार्य किए जा रहे हैं। महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा के अनुसार, यह अस्थायी बंदी नागरिक सुविधा के दृष्टिगत है। कार्य पूरा होने के बाद पोर्टल और अधिक पारदर्शी व उपयोगकर्ता-हितैषी बनाया जाएगा।

कवायद | उत्तर प्रदेश में हुई वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरूआत, फील्ड में निकलने से पहले बीएलओ को अफसरों ने सौंपे बस्ते

एसआईआर के पहले ही दिन दिखा देशप्रेम जैसा जज्बा

- घर-घर जाकर गणना प्रपत्र बांटने लगे बीएलओ, नई फोटो लगाने के विकल्प से गदगद दिखे मतदाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दो दशक बाद मंगलवार से शुरू हुआ वोटर लिस्ट शुद्धिकरण अभियान के दौरान उत्सव सा जोश नजर आया। चुनाव आयोग के कर्मी हों या आमजन दोनों में देशप्रेम जैसा जज्बा दिखा।

मंगलवार की सुबह प्रदेशभर में फील्ड में उतरने से पहले बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के बीच उनके कार्यालयों से बस्ते सौंपे गए। इसी के साथ लखनऊ, बरेली, कानपुर, अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर समेत सभी जिलों में वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हो गया। बीएलओ ने जिस भी दरवाजे पर दस्तक दी, बड़े उत्साह के साथ मतदाता ने उनका स्वागत कर गणना प्रपत्र प्राप्त किया और उसे भरने की प्रक्रिया गौर से समझी। हालांकि बीएलओ ने भी इस दौरान पूरी सावधानी बरतते हुए प्रपत्र की दो प्रतियां उन्हीं को सौंपी जो सामने आए। इससे संदेश गया कि केवल नाम गिनाकर प्रपत्र प्राप्त नहीं किए जा सकते। खास सावधानी यह बरती जा रही है कि जिस भी परिवार में वर्ष 2003 में वोटर लिस्ट के शामिल वोटर्स हैं, उनकी संख्या में बढ़ोत्तरी या कमी तो नहीं हुई। दरअसल, हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूरे करने वाले और ब्याह के बाद नयी बहू के घर आने की सूचना फार्म में इंगित करनी होगी। वहीं, अगर किसी मतदाता की मृत्यु हो गई हो तो भी इसकी सूचना दर्ज करानी होगी। वहीं, घर से सुदूर जाकर बस जाने अथवा नौकरी करने वाले सदस्य को भी स्थान विशेष यानि किसी एक स्थान से ही फार्म की औपचारिकताएं भरनी होगी। इसमें आमजन को विशेष सतर्कतता बरतनी होगी कि वह दो स्थानों पर अपने बाबत सूचनाएं न दर्ज कराए। ताजा कवायद में नई फोटो चस्पा करने का भी विकल्प है, जिसको लेकर मतदाता गदगद हैं।

वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरूआत के पहले दिन दिखा उत्साह।

> शुद्ध निर्वाचक नामावली-मज़बूत लोकतन्त्र, सूत्रवाक्य के साथ मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान शुरु हो गया है। इस दौरान चार दिसम्बर तक बीएलओ घर-घर जाएंगे और मतदाताओं को प्री-प्रिंटेड गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) उपलब्ध कराएंगे। मतदाता, गणना प्रपत्र की दोनों प्रतियों को भरें व हस्ताक्षर करें, अपनी नवीनतम फोटो लगाएं। फिर मतदाता, फॉर्म बीएलओ को वापस दें और प्राप्ति रसीद अवश्य लें।
> -नवदीप रिणवा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मंदिर की भूमि की नाप को लेकर विवाद

सिंधौली, अमृत विचार : मनुआवारी मंदिर पर मंगलवार दोपहर भूमि नाप के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। भूमि नाप के लिए पहुंचे लेखपाल से हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष दीपक त्रिपाठी ने नाप न किए जाने को लेकर बातचीत की, इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। मंदिर परिसर की भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है, जिसके समाधान के लिए प्रशासन स्तर पर नाप की प्रक्रिया शुरू की गई थी। विवाद की सूचना पर पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

बहगुल नदी में जहरीली दवा से मरीं मछलियां

जैतीपुर, अमृत विचार : बहगुल नदी में सोमवार देर रात किसी ने जहरीला पदार्थ डाल दिया, जिससे हजारों मछलियां और अन्य जलीय जीव-जंतु मर गए। 15 दिनों में नदी में जहरीली दवा डालने की यह दूसरी घटना है, जिससे क्षेत्र के वन्यजीव प्रेमियों में रोष है। उनका कहना है कि लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद वन विभाग आरोपियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस संबंध में जब थाना प्रभारी गौरव त्यागी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जहरीला पदार्थ संभवत : फतेहगंज पूर्वी की ओर से डाला गया है, जिसकी वजह से मछलियां बहकर इस ओर आ गईं हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच कराई जा रही है।

कार की टक्कर से दंपती घायल

तिलहर, अमृत विचार : थाना रोजा क्षेत्र के गांव रामपुर बरकतपुर निवासी धीरज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया 24 अक्टूबर को पत्नी मोनी और चार वर्षीय पुत्र विराट के साथ बाइक से घर जा रहा था। जैसे ही वे काच्यानी खेड़ा के पास पहुंचे, तभी बरेली की ओर से आ रही एक कार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में धीरज और उसकी पत्नी घायल हो गए, जबकि पुत्र विराट को हल्की चोटें आईं। राहगीरों की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने मामले में एक कार और अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

117 बच्चों ने सीट अलाट होने के बाद भी नहीं लिया प्रवेश

आरटीई से मिली 950 बच्चों के सपनों को उड़ान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत शैक्षिक सत्र 2025-26 में जिले के 950 गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश मिला है। यह योजना उन परिवारों के लिए उम्मीद का द्वार बनी है जो बच्चों को महंगे स्कूलों में पढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। सरकार द्वारा दिए गए इस अवसर से इन बच्चों को अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है।

इस सत्र 950 बच्चों के सपनों को उड़ान मिली है। हालांकि गरीबी और पसंद का स्कूल न मिलने की वजह से 117 बच्चों ने सीट अलाट होने के बाद भी प्रवेश नहीं लिया। इनमें से अधिकांश ने मनपसंद स्कूल न मिलने के कारण प्रवेश नहीं लिया, जबकि कुछ को दस्तावेज पूरे न होने के चलते वंचित रहना पड़ा। वह आवेदन ही नहीं कर पाए। चौक निवासी अनिकेत ने बताया कि उनका आय प्रमाण पत्र समय पर तैयार नहीं हो सका, जिसके कारण वे आवेदन नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि अब अगले वर्ष वे पुनः प्रयास करेंगे। आरटीई योजना के अंतर्गत चयनित बच्चों को ड्रेस, जूते-मोजे और स्टेशनरी के लिए राशि सत्र समाप्त होने के बाद सरकार द्वारा अभिभावकों के बैंक खाते में भेजी जाती है। लेकिन, इस बार कई अभिभावकों ने यह मांग उठाई है कि यह पैसा सत्र की शुरुआत में ही दिया जाए, ताकि

> आवेदन के बाद चयनित हुआ कुछ बच्चों ने मनपसंद स्कूल न मिलने की वजह से प्रवेश नहीं लिया है। हालांकि विभाग की ओर से पूरा प्रयास किया था। हो सकता है कि आरटीई के तहत प्रवेश छोड़ने वाले बच्चों ने निजी तौर पर प्रवेश लिया हो।
>
> -**दिव्या गुप्ता**, बीएसए।

बच्चों की यूनिफॉर्म और किताबों का खर्च समय से उठाया जा सके। इस योजना से गरीब तबके के बच्चों को जहां शिक्षा की मुख्यधारा में जुड़ने का मौका मिला है, वहीं आवेदन प्रक्रिया में आने वाली तकनीकी अड़चनें अब भी सुधार की मांग कर रही हैं।

कागज पूरे न होने से छूटा अवसर

आरटीई के लिए आवेदन प्रक्रिया में इस वर्ष कई अभिभावकों के दस्तावेज अधूरे रह गए। आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और आधार सत्यापन में देरी के चलते आवेदन समय से नहीं हो सके। आरटीई के तहत सरकार बच्चों की ड्रेस, स्टेशनरी और जूते-मोजे के लिए अभिभावकों को डीबीटी के माध्यम से राशि भेजती है, लेकिन यह पैसा सत्र समाप्त होने के बाद मिलता है। अभिभावकों का कहना है कि यदि यह धनराशि सत्र की शुरुआत में मिले तो बच्चों की जरूरतें समय पर पूरी हो सकेंगी और पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी।

पुरुष व महिला टीमों ने दिखाया दमखम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जीएफ कॉलेज, शाहजहांपुर में मंगलवार को अंतरमहाविद्यालय पुरुष एवं महिला फुटबॉल टूर्नामेंट 2025-26 का आयोजन हुआ।

पुरुष वर्ग के ट्रायल मैचों में जीएफ कॉलेज, शाहजहांपुर, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय कैंपस बरेली, बरेली कॉलेज, बरेली, एसएस कॉलेज, शाहजहांपुर और राजेंद्र प्रसाद पीजी कॉलेज, मीरगंज (बरेली) की टीमें शामिल हुईं। वहीं महिला फुटबॉल ट्रायल में जीएफ कॉलेज, शाहजहांपुर, बरेली कॉलेज, बरेली और रानी अवंतीबाई कॉलेज, बरेली की खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंसूर अहमद ने किया। ट्रायल के दौरान

जीएफ कॉलेज में अंतरमहाविद्यालय टूर्नामेंट के दौरान परिचय प्राप्त करते खेल अधिकारी।

- **पुरुष टीम ग्वालियर व महिला टीम चंडीगढ़ में करेगी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व**

विश्वविद्यालय की ओर से नामित खेल विशेषज्ञ पंकज सक्सेना और पर्यवेक्षक ॠतु शर्मा मौजूद रहीं।

रेफरी के रूप में दिलीप शर्मा, कौशल किशोर, प्रेमजीत सिंह, प्रवीण कुमार, मोहम्मद लबी और खुर्शीद आलम ने भूमिका निभाई। क्रीड़ा सचिव प्रो. फैयाज अहमद ने बताया कि रुहेलखंड विवि की चयनित पुरुष फुटबॉल टीम आगामी 5 से 11 जनवरी 2026 तक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, ग्वालियर में और महिला टीम 9 से 13 फरवरी 2026 तक पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में आयोजित नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट 2026 में टीम मैनेजर डॉ. शहज़ाद अहमद के नेतृत्व में प्रतिभाग करेगी।

एसएस कॉलेज के खिलाड़ियों का रहा जलवा

शतरंज प्रतियोगिता में रूबल सक्सेना ने सीनियर बालक वर्ग में पहला स्थान हासिल किया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः स्वामी शुकदेवानंद खेल महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को खेल मैदान में जोश और प्रतिस्पर्धा का माहौल चरम पर रहा। मुमुक्षु शिक्षा संकुल के अंतर्गत विभिन्न शिक्षण संस्थानों के खिलाड़ियों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान एसएस कॉलेज और एसएस लॉ कॉलेज के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला।

शतरंज प्रतियोगिता में रूबल सक्सेना ने सीनियर बालक वर्ग में पहला स्थान हासिल किया, जबकि निशिता गुप्ता ने सीनियर बालिका वर्ग में विजेता बनकर कॉलेज को गौरवान्वित किया। जूनियर बालक वर्ग में आयुष कन्नौजिया (एसएसएमवी) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। टेबल टेनिस में मनन सिक्का (एसएस लॉ कॉलेज) ने सीनियर बालक वर्ग में जीत दर्ज की, वहीं

चेस प्रतियोगिता में हिस्सा लेते छात्र। • अमृत विचार

सीनियर बालिका वर्ग में वृंदा शर्मा (एसएस कॉलेज) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में एसएस कॉलेज की शिप्रा और विनायक ने क्रमशः बालिका एवं बालक वर्ग में जीत दर्ज की। जूनियर वर्ग में आराध्या (एसएसएमवी) और वंश सक्सेना (स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज) ने विजय प्राप्त की। गोला फेंक और चक्का फेंक प्रतियोगिताओं में एसएस लॉ कॉलेज के ईशांत सिंह और वैष्णवी ने सीनियर वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर बालिका वर्ग में रिचा शुक्ला (एसएस कॉलेज) विजेता रहीं। जूनियर वर्ग में रजत (स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज) और पल्लवी (एसएसएम वी) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।खो-खो प्रतियोगिता में सीनियर बालक और बालिका दोनों वर्गों में एसएस कॉलेज की टीम ने जीत दर्ज की। जूनियर बालक वर्ग में स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज और जूनियर बालिका वर्ग में एसएसएमवी विजेता रहे। वालीबॉल प्रतियोगिता में भी सीनियर बालक और बालिका वर्ग में एसएस कॉलेज की टीमों ने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि जूनियर वर्ग में स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज और एसएसएमवी ने जीत दर्ज की। ऊंची कूद प्रतियोगिता में

- **वालीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम**

एसएस लॉ कॉलेज के शिवम दुबे और वैष्णवी वर्मा ने सीनियर वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनभर चली प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों के जोश ने खेल मैदानों का माहौल जीवंत बनाए रखा।

एस एस कॉलेज के सचिव डॉ अवनीश मिश्र ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। निर्णायक मंडल में डॉ. संदीप अवस्थी, डॉ. प्रमोद यादव, मेजर अनिल मालवीय, डॉ. दीपक सिंह, अक्षत दीक्षित, डॉ. अमित यादव,अंकित अवस्थी, दुर्गविजय समेत अन्य मौजूद रहे।

शराब पीकर न चलाएं वाहन मोबाइल के प्रयोग से भी बचें

सीओ ट्रैफिक छात्राओं को ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी देते हुए • अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः यातायात माह के तहत ट्रैफिक पुलिस ने हर कुमार कन्या इंटर कॉलेज में जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

सीओ ट्रैफिक संजय कुमार ने छात्रों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया ट्रैफिक नियमों का पालन करें, शराब पीकर और वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, दो पहिया चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें, कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपये का नगद और प्रशिस्त पत्र दिया जाएगा। टीएसआई विनय पांडेय ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल आपके लिए नहीं, बल्कि सड़क पर चल रहे प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा के लिए जरूरी है। सुरक्षित यातायात आदतें ही जीवन सुरक्षा का आधार है। इस दौरान पक्का पुल तिराहा, जीआईसी तिराहे, अशफाक नगर चौराहे पर वाहनों की चेकिंग की और 300 वाहनों के चालान काटे गए। इस अवसर पर कालेज की प्राचार्य, रामचंद्र मिशन प्रभारी निरीक्षक, छात्राएं मौजूद रही।

न्यूज ब्रीफ

जमीन के विवाद में दो पक्षों में मारपीट

तिलहर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव सुनरा में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव सुनरा निवासी हीरा काली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 31 अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे गांव के राकेश और उनकी पत्नी जगवती दरवाजे पर आए और गालियां देने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से पिटाई कर दी, जिससे उसे व उसके पति सत्यपाल को चोटें आईं। इसी मामले में राकेश ने भी पुलिस को तहरीर देकर हीरा काली और उनके पति सत्यपाल पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि विवाद के दौरान दंपति ने उसके साथ अभद्रता कर हमला किया।प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सांड़ के हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

तिलहर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला हिंदू पट्टी में मंगलवार सुबह एक सांड के हमले में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को परिजन तत्काल सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला हिंदू पट्टी निवासी राजाराम (उम्र लगभग 70 वर्ष) सुबह करीब साढ़े नौ बजे घर के बाहर टहल रहे थे। तभी अचानक एक आवारा सांड ने उन पर हमला कर दिया। सांड के जोरदार प्रहार से राजाराम जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।बहीं परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को नाजुक बताते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

ट्रक से कुचलकर महिला की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद-अल्हागंज रोड पर चौरसिया मंदिर के निकट सड़क पार करते समय ट्रक से दबकर महिला की मौत हो गयी। अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव दहेना निवासी 42 वर्षीय बिटाना देवी मंगलवार की दोपहर बाज जनसेवा केंद्र से रुपए निकालकर पैदल घर आ रही थी। सड़क पार करते समय ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी ट्रक से दबकर मौत हो गयी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शादी करुंगी तो प्रेमी से, चाहें मुझे मार डालो

बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने पीटकर ली जान

संवाददाता शाहजहांपुर/रोजा

घटना के बारे में परिवार वालों से पूछताछ करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रूबी का गांव में एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। रुबी चाहती थी कि उसकी शादी उसके प्रेमी से हो, लेकिन उसके पिता नूर मोहम्मद शादी नहीं करना चाहते थे। वह बार-बार कहती थी कि शादी करुंगी तो उसी से वरना किसी से नहीं। शादी करने से कोई रोक नहीं पाएगा।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव सुतनेरा निवासी रूबी का गांव के युवक से प्रेम-प्रंसग चल रहा था। दोनों लोग फोन पर बात करने के साथ चोरी छिपे मिला करते थे। उसके प्रेमी ने उसे फोन खरीदकर दिया था। नूर मोहम्मद अपनी बेटी को उससे फोन पर बात करने के लिए मना करता था, लेकिन वह नहीं मानती थी। वह अपने पिता से कहती थी कि मेरा जो दिल करेगा, वहीं करुंगी और शादी अरमान से करुंगी। चाहे मुझे मार डालो। इस शादी को कोई नहीं रोक पाएगा। रुबी के भाई ने उसके प्रेमी के परिवार वालों से बहन की शादी की बातचीत की, लेकिन नूर मोहम्मद ने कहा कि उससे शादी नहीं होगी। वह अपनी बेटी को समझाता था कि अच्छे घर में शादी कर देंगे, लेकिन उसकी बेटी प्रेमी से शादी करने पर अड़ी थी। वह अपने पिता को अनान-शनाप कहती थी। उसका प्रेमी दिल्ली में काम करता है। मंगलवार को उसने बेटी को प्रेमी से फोन पर बात करते पकड़ लिया और बेटी से नोकझोंक हुई। उसने गुस्से में आकर बेटी को डंडे से पीटकर मार डाला।

कई युवकों से फोन पर बात करती थी: पुलिस की जांच में सामने आया कि रूबी कई लोगों से फोन पर बात करती थी। उसके पास दो मोबाइल थे। उसका भाई अरमान के परिवार वालों से शादी के सिलसिले में बात कर रहा था। नूर मोहम्मद ने अपने बेटे कुर्बान से कहा था कि यह शादी मुझे पसंद नहीं है। उसकी शादी करनी है तो दूसरी जगह तय कर दो। वह कहता था कि प्रेमी से शादी नहीं होगी। बताते हैं कि उसने मेहंदी से अपने एक हाथ पर दिल बना रखा था और प्रेमी का नाम लिख रखा था।

ससुर के खिलाफ दर्ज कराया हत्या का मुकदमा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रुबी की हत्या में मृतका की भाभी ने ससुर के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रोजा थाना क्षेत्र के गांव सुतनेरा निवासी सलमा पत्नी कुर्बान ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि वह उसका पति ऑटो लेकर कमाने के लिए गया था। वह घर के बाहर नल पर कपड़े धो रही थी। वह ननद के चिल्लाने की आवाज सुनकर मकान में गई तो उसके ससुर नूर मोहम्मद बेटी रुबी को डंडे से पीटकर मार रहे थे। ससुर कह रहे थे कि इसे मार डालेंगे और दूसरों से फोन पर बात करती है। उसकी ननद की मौके पर मौत हो गई। उसके ससुर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी पिता की तलाश की जा रही है।

डीआरएम ने वंदे भारत ट्रेन के स्टापेज को लेकर देखीं तैयारियां

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● प्लेटफार्म दो पर स्टाल हटाने के निर्देश, सफाई व्यवस्था चौकस ● 8 को मौजूद रहेंगे जनप्रतिनिधि

अमृत विचार: डीआरएम संग्रह मौर्य ने लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत ट्रेन के स्टापेज को लेकर होने वाले कार्यक्रम को लेकर प्लेटफार्म दो और तीन पर स्थान को चिंहिंत किया है। कार्यक्रम स्थल पर स्टाल और बेंच कुछ समय के लिए हटा दी जाए। प्लेटफार्म एक पर मुख्य द्वार और मालगोदाम रोड पर सेकेंड इंट्री पर सफाई व्यवस्था और पुताई ठीक-ठाक होनी चाहिए।

डीआरएम मंगलवार की शाम 6 बजे निरीक्षण यान से टीम के साथ यहां पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि जनप्रतिनिधियों के बैठने के लिए प्लेटफार्म दो और तीन पर स्थान कहां चयन किया है। अधिकारियों ने चयन किए गए स्थान को दिखाया। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के बैठने के लिए प्लेटफार्म दो और तीन पर पावर केबिन के सामने टीन शैड से आरपीएफ थाना के सामने टीन शेड में व्यवस्था की जाए। दोनों टीन शेड से स्टाल और बेंचें हटाई दी जाए, जिससे आने वाले जनप्रतिनिधियों को असुविधा न हो। उन्होंने कहा पार्किंग स्थल के लिए माल गोदाम रोड पर सर्कुलेटिंग एरिया में देखा। दोनों स्थानों पर ई-रिक्शा, ठेले आदि नहीं खड़े होने चाहिए। वाटर प्रुफ टेंट लगाया जाए। उन्होंने मुख्य द्वार शहीदों की प्रतिमाओं को देखा और निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया और मालगोदाम रोड पर दीवारों की पुताई कराई जाए। किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बता दे कि लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का यहां ठहराव दिया गया है। 8 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक कार्यक्रम होगा। जिले के मंत्री और जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे और ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। डीआरएम 20 मिनट रुकने के बाद मुरादाबाद वापस चले गए। इस अवसर पर मंडल और स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे।

सर्कुलेटिंग एरिया में भरे जाए गड्ढे

सर्कुलेटिंग एरिया में साइकिल स्टैंड के सामने जगह-जगह गड्ढे है। बारिश के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाता है। साथ ही ठोकर खाकर लोग गिरकर चुटैल हो जाते है। डीआरएम ने संबंधित अधिकारी को निर्देश कि कार्यक्रम से पहले साइकिल स्टैंड के सामने गड्ढों को भर दिया जाए, जिससे लोगों को असुविधा न हो।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत, एक घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में लघुशंका करके पैदल घर आ रहे व्यक्ति को बाइक ने टक्कर मार दी, जिसकी मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई, वहीं कांट थाना क्षेत्र में दो बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां एक युवक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया और दूसरे का इलाज चल रहा है। पीलीभीत जिले के सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के गांव सेहरामऊ उत्तरी निवासी मोहनलाल (59) सोमवार दोपहर खेत पर लघुशंका करने के लिए गए थे। लौटते समय रास्ते में बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। भाजपा नेता अमित शुक्ला ने घायल को सीएचसी पर लेकर गए। डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के छह बच्चे है, जो हरियाणा में नौकरी करते है।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर कांट थाना क्षेत्र के गांव विक्रमपुर निवासी परतेश (18) ममेरे भाई मनीष के साथ सोमवार शाम 8 बजे बाइक से बाजार में सामान लेने के लिए गया था। दोनों लोग बाइक से बाजार से गांव वापस आ रहे थे। कांट और मिलकिया गांव के बीच पेट्रोल पंप के सामने दूसरी बाइक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे परतेश और मनीष घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को सीएचसी इलाज के लिए भेजा।

डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान परतेश की मौत हो गई। घायल मनीष का इलाज चल रहा है। पूर्व मंत्री व सपा नेता अवधेश वर्मा पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे और परिवार वालों से जानकारी करने के बाद शोक व्यक्त किया।

धान खरीद केंद्रों पर भंडारण संकट

शाहजहांपुर, अमृत विचार: अब तक 190 धान क्रय केंद्रों से 4293 किसानों से 31,421.013 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। मंडियों में धान अधिक आने से भंडारण की कमी हो गई है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी धान क्रय केंद्र के प्रभारी या मंडी सचिव से संपर्क कर धान विक्रय की तिथि तय कराएं, ताकि बिना प्रतीक्षा तौल संभव हो सके।

किसान की पिटाई कर 20 हजार रुपये व मोबाइल छीना

संवाददाता, खुटार

● गांव पुनौती खुर्द निवासी खुशविंदर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: गांव पुनौती खुर्द निवासी खुशविंदर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया मंगलवार सुबह 6:30 बजे गांव कजरा निवासी उसका मित्र गुरप्रीत सिंह रास्ते में मिला और 20 हजार रुपये देकर चला गया। इसके बाद वह खेत से बंदरों को भगाने गया।

सुबह 7 बजे वापस घर आ रहा था। तभी जंगल में सुखविंदर सिंह अपने साथी गांव हिटौटा निवासी मंजीत सिंह, आकाशदीप सिंह उर्फ चेरी, वाहिद अली उर्फ कल्लू के साथ धारदार हथियार, लाठी-डंडों से हमला कर दिया और पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी देकर मोबाइल और 20 हजार रुपये छीन लिए। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। पीड़ित खुशविंदर सिंह अपने परिजनों के साथ पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने घायल का उपचार कराया। मंगलवार देर शाम पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सर्प दंश से महिला की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सिधौली थाना क्षेत्र के बड़ावन गांव निवासी रामश्री पत्नी रामादीन शाम करीब 5 बजे तालाब के पास लगे ढेर से भूसा निकालने गई थीं। भूसा उठाते समय झाड़ियों में छिपे सांप ने उसे डस लिया। परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजन पहले एक स्थानीय वैद्य के पास भी गए थे, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। प्रधान प्रतिनिधि रूपेश पांडे ने लेखपाल और पुलिस को दी। लेखपाल ने बताया कि यदि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण सांप के डसने की पुष्टि होती है तो परिजनों को सरकारी अनुदान नियमानुसार प्रदान किया जाएगा।

छज्जा गिरने से चार साल के बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● बंदरों के कूदने से हुआ हादसा मलबे में दबा कार्तिक

अमृत विचार: रोजा थाना क्षेत्र के देवरास गांव में मंगलवार सुबह बंदरों के उछल कूद से छज्जा गिर गया मलबे में दबने से चार वर्षीय कार्तिक की मौत हो गई।

मलबे में कार्तिक के दबते ही परिवार के लोग दौड़कर पहुंचे और बमुश्किल उसे मलबे से बाहर निकाला। घायल अवस्था में उसे तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कार्तिक के पिता जिलेदार सिंह दिल्ली में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके चार बच्चे हैं। बेटे की मौत की खबर सुनते ही जिलेदार सिंह दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गए। सूचना पर रोजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि पिता के आने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ है।

दो महिलाओं समेत 10 पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, खुटार

● कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने की कार्रवाई

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव कढ़ैया निवासी जगपाल की पत्नी श्रीदेवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह और अंगूरा देवी पत्नी उमेश, अंकिता देवी पत्नी सत्येंद्र के हक में स्व. रामवती पत्नी रूपन ने अपनी सभी चल व अचल संपत्ति की रजिस्ट्री की वसीयत अपने पूर्ण होश हवास व स्वस्थ चित की अवस्था में की थी। जिनकी रजिस्ट्री 16 नवंबर वर्ष 24 को उपनिवंधक कार्यालय पुवायां में की गई थी। विपक्षी रेशमा देवी, सतीश, बुधपाल ने रामवती से 18 मार्च, वर्ष 24 को कृषि भूमि स्थित गांव हीरपुर कराई थी। जो पहले की है। जबकि वह और अंगूरा देवी, अंकिता देवी के हक में रामवती की ओर से रजिस्टर्ड वसीयत 16 नवंबर, वर्ष 2024 की है। जो बाद की है। वह और अंगूरा देवी, अंकिता देवी की वसीयत अवैध रूप से फर्जी दर्शाने की नीयत से विपक्षियों ने वसीयत को रामवती पत्नी रूपन का मृत्यु प्रमाण पत्र 15 नवंबर, वर्ष 24 को मृत्यु दर्शाकर व कूट रचित दस्तावेज लगाकर लोगों के सहयोग से जनपद लखीमपुर खीरी के कस्बा मोहम्मदी के गांव हिम्मतपुर से बनवा लिया। जबकि रामवती कभी भी ग्राम पंचायत हिम्मतपुर में नहीं रही और न ही उनकी मृत्यु ग्राम हिम्मतपुर में हुई है। मृत्यु प्रमाण पत्र पूरी तरह से फर्जी है।

इसके अलावा रामवती की मृत्यु 17 नवंबर, वर्ष 2024 को गांव कढ़ैया में हुई। जिसका अंतिम संस्कार गांव में ही अंकिता देवी के ससुर शंकर सिंह के द्वारा किया गया। जिसके फोटो भी हैं और उसी दिन का प्रमाण पत्र भी जारी किया गया। लेकिन विपक्षियों ने वसीयत को निरस्त कराने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र को नायब तहसीलदार के यहां उपयोग किया गया। पीड़ित को तीन सितंबर, वर्ष 2025 को जानकारी हो पाई। इस मामले में खुटार थाने और एसपी से शिकायत की गई। फिर भी कार्यवाई नहीं की गई है। कोर्ट के आदेश पर खुटार पुलिस ने सोमवार देर रात को गांव कढ़ैया निवासी बुधपाल, कस्बा निगोही के गांव भटिउरा बुजुर्ग निवासी रामबरन और जनपद लखीमपुर खीरी के कस्बा मोहम्मदी के गांव हिम्मतपुर निवासी सतीश, रेशमा पत्नी सतीश, महिपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, अरविंद, शिवम, विनीत कुमार, सिया देवी पत्नी विनीत कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

फूड पॉइजनिंग से एक ही परिवार के पांच लोग बीमार

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार: मानपुर पिपरिया में सोमवार रात फूड पॉइजनिंग से एक ही परिवार के पांच लोग बीमार हो गए। सभी को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, एक युवती की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया है, जबकि चार का इलाज बंडा में जारी है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम शिवकुमार के घर उसकी पत्नी कटकोरा देवी ने दाल और चावल बनाए थे। रात में परिवार के सभी सदस्यों ने वही भोजन किया। खाना खाने के कुछ देर बाद सभी को नींद आने लगी और करीब दो घंटे बाद उल्टियां शुरू हो गईं, लेकिन परिवार के लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और सो गए। मंगलवार सुबह शिवकुमार (33), उसकी पत्नी कटकोरा देवी (25), बहन रीतू (20, निवासी लहिया, थाना पूरनपुर, पीलीभीत), पिता रामप्रताप (55) और भांजा राजकमल (7) की हालत अचानक बिगड़ गई। सभी को तत्काल बंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से रीतू की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

चिकित्सा अधिकारी अभिनव गौतम ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया फूड पॉइजनिंग का प्रतीत होता है। घर में बनी दाल और चावल के नमूने जांच के लिए सुरक्षित रखे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

शैक्षिक भ्रमण के लिए बच्चे रवाना

शाहजहांपुर, अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत मंगलवार को दिव्यांग बच्चों की एक्सपोजर विजिट का शुभारंभ जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जिला मुख्यालय से किया। डीएम ने खिरनीबाग से बसों को हरी झंडी दिखाकर बच्चों के दल को रवाना किया। इस कार्यक्रम में 150 दिव्यांग विद्यार्थियों ने भाग लिया, जो नगर के प्रमुख ऐतिहासिक, सामाजिक और प्रशासनिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने कहा कि इस विजिट का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को सामाजिक समावेशन, धरोहरों और प्रशासनिक तंत्र की समझ से जोड़ना है।बीएसए दिव्या गुप्ता ने कहा कि यह पहल बच्चों में आत्मविश्वास, सीखने की क्षमता और जीवन कौशल को सुदृढ़ करने का प्रयास है।

दीपज्योतिः परब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते।।

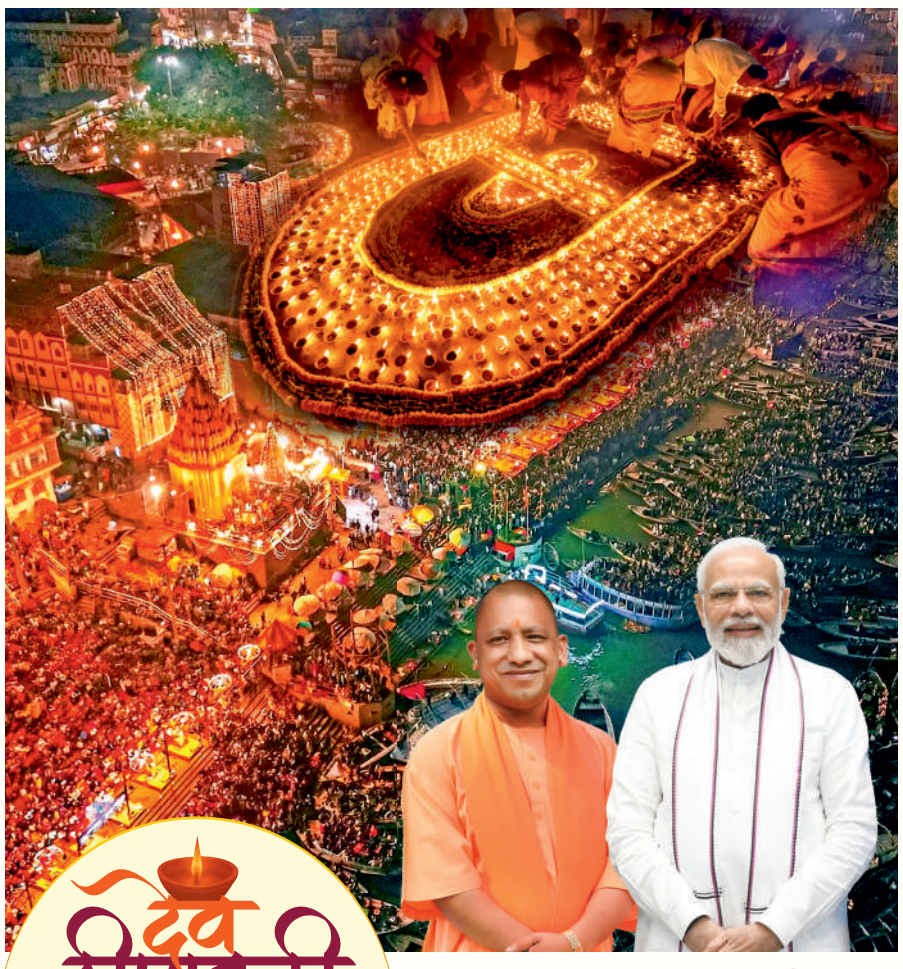

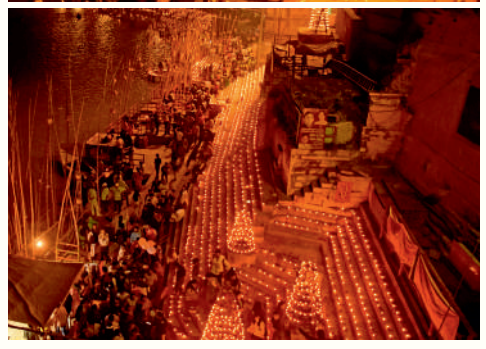

देव दीपावली
5 नवंबर, 2025

प्रमुख आयोजन

नमो घाट व दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा जी की आरती

चेत सिंह घाट पर 'काशी कथा' की 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो

पंचगंगा घाट के सामने सैंड आर्ट इंस्टॉलेशन

श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार व ललिता घाट के सामने ग्रीन फायरक्रैकर शो

गंगा घाटों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक : 05 नवंबर, 2025 | समय : सायं 05:30 बजे
स्थान : नमो घाट, वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ के पवित्र धाम वाराणसी में
मां गंगा के पावन तट व 84 गंगा घाटों पर
आस्था, संस्कृति एवं परम्परा के महापर्व देव दीपावली पर
15 लाख+ दीपों का प्रज्वलन

मुख्य अतिथि
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
जयवीर सिंह
मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश
रवीन्द्र जायसवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन, उत्तर प्रदेश
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

वाराणसी में विकास की गंगा
• श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का 5 हेक्टेयर में विकास • ₹186 करोड़ की लागत से 0.97 हेक्टेयर में रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र का निर्माण • ₹331 करोड़ की लागत से 30,000 दर्शक क्षमता वाला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम निर्माणाधीन • श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय • दशाश्वमेध घाट पर टूरिस्ट प्लाजा • संत रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धन का पर्यटन विकास • लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तारीकरण, नवीन टर्मिनल भवन का निर्माण

लाइव प्रसारण DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS Youtube.com/dduttarpradesh
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
काम दमदार डबल इंजन सरकार

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 5 नवंबर 2025
शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

प्रतुल गुप्ता ने पास की सीए की परीक्षा

तिलहर, अमृत विचार : मोहल्ला मौजमपुर निवासी प्रतिष्ठित व्यापारी संजीव कुमार गुप्ता के पुत्र प्रतुल गुप्ता ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा पहली बार में पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि पर नगरवासियों और परिचितों ने बधाई दी। पिता ने बताया कि प्रतुल ने शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ, शाहजहांपुर से इंटर की पढ़ाई करने के बाद दिल्ली में सीए की तैयारी की। कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने परीक्षा में सफलता प्राप्त की। प्रतुल ने सफलता का श्रेय अपने गुरु स्व. मूर्खनंद, माता नीरज गुप्ता और पिता संजीव कुमार गुप्ता को दिया है।

300 वाहनों के चालान और 3 बाइक सीज कीं

शाहजहांपुर, अमृत विचार : थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के हर कुमार पाठक कन्या इंटर कॉलेज में मंगलवार को यातायात माह नवंबर के अंतर्गत पुलिस विभाग द्वारा जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी यातायात विनय कुमार पांडेय ने सीओ ट्रैफिक संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में किया। छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए दोपहिया पर हेलमेट, चारपहिया में सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग व नशे में वाहन न चलाने की सलाह दी गई। सीओ ट्रैफिक ने कहा कि मातृशक्ति ही समाज में सुरक्षित यातायात की प्रेरणा बन सकती है। यातायात पुलिस ने पक्का पुल, जीआईसी तिराहा और अशफाक नगर तिराहे पर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया और नियम उल्लंघन पर लगभग 300 वाहनों के चालान व तीन मोटरसाइकिल सीज कीं।

हवाएं चलने से बढ़ने लगी ठंडक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मंगलवार को मौसम ने करवट ली और पूरे दिन आसमान बादलों से घिरा रहा। हल्की ठंड के साथ लोगों ने मौसम में बदलाव का असर महसूस किया। नवंबर की शुरुआत के साथ ही अब सर्द हवाएं दस्तक देने लगी हैं। सुबह से सूरज बादलों में छिपा रहा, जिससे दिनभर वातावरण में ठंडक रही। दोपहर में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे तापमान और नीचे चला गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी। अगले हफ्ते से ठंड का असर तेज होने की संभावना जताई गई है।

पुवायां एसडीएम फिर विवाद में फंसीं

विधवा ने लगाया एक लाख रुपये मांगने का आरोप, वीडियो वायरल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

एसडीएम चित्रा निर्वाल। ● अमृत विचार

- वकीलों से विवाद के बाद डीएम ने हटाया था पुवायां से
- आईएएस राही के ट्रांसफर के बाद दोबारा मिला था पुवायां का चार्ज

अमृत विचारः पुवायां की एसडीएम चित्रा निर्वाल एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। इस बार उन पर एक विधवा से एक लाख रुपये की मांग करने का आरोप लगा है। महिला का आरोप लगाते हुए वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोप लगाने वाली महिला ने मुख्यमंत्री को भी पत्र भेजकर शिकायत की है, जबकि एसडीएम ने इन आरोपों को निराधार और दबाव बनाने की साजिश बताया है।

पुवायां निवासी नूरजहां ने आरोप लगाया है कि वह सोमवार को एसडीएम कार्यालय पहुंची थीं। उनका जमीन संबंधी केस तहसील में चल रहा है। उन्होंने अपनी समस्या बताई तो एसडीएम चित्रा निर्वाल ने उनसे कहा कि "एक लाख रुपये दोगी तो काम बनेगा, नहीं तो नहीं होगा।" महिला का कहना है कि इस तरह उनसे एक लाख रुपये की मांग की गई। इस संबंध में नूरजहां ने शिकायती पत्र भेजकर मुख्यमंत्री कार्यालय से कार्रवाई की मांग की है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला और तूल पकड़ गया है। वीडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है कि एसडीएम चित्रा निर्वाल बार-बार विवादों में आने के बावजूद फिर कैसे तहसील का चार्ज पा लेती हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी चित्रा निर्वाल वकीलों के साथ विवाद को लेकर चर्चा में आई थीं, जिसके बाद जिलाधिकारी ने उन्हें पुवायां से हटा दिया था। इसके बाद उनका कलान तहसील में तबादला किया गया था, लेकिन कुछ ही समय में उन्हें पुवायां तहसील का चार्ज दोबारा मिल गया था। कलान तहसील में भी वह कुछ माह ही रह पाई थीं। इस बार के विवाद पर एसडीएम चित्रा निर्वाल ने कहा कि "मुझ पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं। यह मेरे खिलाफ दबाव बनाने की योजना है। जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी।" घटना के बाद जिले के प्रशासनिक गलियारों में इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हैं, वहीं महिला की शिकायत पर अब कार्रवाई की दिशा में सभी की नजरें प्रशासन पर टिकी हैं।

वकीलों से टकराव के बाद हटाई गई थीं चित्रा

इसी साल जुलाई में पुवायां तहसील में वकीलों से टकराव के बाद एसडीएम चित्रा निर्वाल को डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने हटा दिया था। जबकि उस समय उन्हें तहसील में पहुंचे कुछ माह ही हुआ था। उस दौरान उन पर राजस्व संहिता के आधार पर काम न करने का आरोप लगा था। वकीलों ने कहा था कि एसडीएम काम करने की जगह पर टालने को ज्यादा तरजीह देती हैं। लोक सेवकों को जनता का काम करने को तरजीह देनी चाहिए, लेकिन एसडीएम बहाना बनाकर काम को टाल देती हैं। जिससे जनता भटकती रहती है और सरकार की छवि धूमिल होती है। जिसके बाद डीएम ने चित्रा को पुवायां से हटा दिया था। उनकी जगह पर आईएएस रिंकू सिंह राही को पुवायां तहसील बनाया गया था, लेकिन वह वकीलों के सामने उठक-बैठक लगाने में हट गए थे। ऐसे में चित्रा को दोबारा पुवायां तहसील भेजा गया था। अब वह रिश्वत मांगने के आरोपों से घिर गई हैं।

पोस्टर स्पर्धा में रोहिणी ने पाया प्रथम स्थान

पोस्टर प्रतियोगिता के पुरस्कृत प्रतिभागियों के साथ अतिथि और शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण पर हुई प्रतियोगिता

अमृत विचारः क्षेत्र के सीताराम मनवर पब्लिक इंटर कॉलेज में कोरैया पर्यावरण संरक्षण सेवा समिति के द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता कराकर उच्च स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता के सहयोगी पंकज साहू, काजल वर्मा की देखरेख में कॉलेज के छात्र, छात्राओं सहित 35 बच्चों ने प्रतिभाग किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य श्रीराम मनवर द्वारा निर्णायक चुने गए चौधरी बेचेलाल महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक शिवसागर सिंह ने पारदर्शिता के साथ मूल्यांकन करते हुए रोहिणी निषाद को प्रथम, राधा कटियार को द्वितीय और राधा को तृतीय स्थान दिया।

प्रतियोगिता के व्यवस्थापक संदीप वर्मा, उमाकांत शुक्ला, शिवकुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संचालन करते हुए रज्जन रस्तोगी ने पर्यावरण संरक्षण में बच्चों की भूमिका पर प्रकाश डाला। समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा ने एक पेड़ के महत्व के बारे में समझाया। समापन पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। छात्रा लक्ष्मी देवी ने मंडल स्तर पर हुई ऊंची कूद में गोल्ड मेडल प्राप्त किया, समिति के द्वारा उन्हें प्रतीक चिन्ह एवं मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। अनुज मिश्रा, शिवकुमार पांडे, रामू, रामलखन, अनिल, निर्मला यादव, सुमन, शैवी ,शिवानी, अंजलि सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

डीएम ने किया मतदाता गणना प्रपत्र वितरण अभियान का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू हुआ पुनरीक्षण कार्य

अमृत विचारः भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य की औपचारिक शुरुआत मंगलवार को जनपद में कर दी गई। जिले के सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 2492 मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करने का कार्य आरंभ हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने 135-शाहजहांपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदेय स्थल संख्या 10, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पैना बुजुर्ग कक्ष संख्या 1 पर पहुंचकर स्वयं गणना प्रपत्र वितरण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। इसी क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम प्रशासन ने 136-ददरौल विधानसभा क्षेत्र के मतदेय स्थल संख्या 44, प्रा. विद्यालय अजीजगंज पर उपस्थित रहकर बीएलओ के माध्यम से मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कराए। वहीं, एडीएम वित्त एवं राजस्व ने शाहजहांपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदेय स्थल संख्या 40, प्रा. विद्यालय तिउलक पर जाकर पुनरीक्षण कार्य की निगरानी की। विधानसभा स्तर पर सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी एक-एक मतदेय स्थल पर उपस्थित रहकर बीएलओ की कार्यवाही का पर्यवेक्षण कर रहे हैं। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, एसडीएम सदर संजय कुमार पांडेय सहित निर्वाचन विभाग के अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

भूमि पूजन समारोह में यजमानों ने यज्ञ में दी पूर्णाहुति, भंडारा आज

संवाददाता, खुटार

ग्राम रुजहा कलां में हुआ खाटू श्याम मंदिर का भूमि पूजन। ● अमृत विचार

अमृत विचारः गांव रुजहा कलां निकट सिल्हुआ मोड़ पर कोल्ड स्टोर के पास बाबा खाटू श्याम भूमि पूजन समारोह का आयोजन मंगलवार को हुआ। समारोह में आचार्य अनिल शास्त्री, आचार्य अचल अवस्थी, आचार्य राज मिश्रा, आचार्य त्रिलोक शास्त्री, आचार्य अमित पांडेय ने देवी-देवताओं का आह्वान किया। बाद में आचार्यों ने मंत्रोच्चारण कर यजमान जिला पंचायत सदस्य आनंद पटेल, उनकी पत्नी पिंकी पटेल, दादी महारानी पटेल, पिता ओमप्रकाश पटेल, मां राजवती पटेल, चाचा रामनरेश पटेल, राजीव पटेल, सुनीता देवी, वीरेंद्र पटेल ने यज्ञ में पूर्णाहुति दी।

इस दौरान पंडाल में स्थापित बाबा खाटू श्याम के चित्र के समक्ष आने वाले लोगों ने मत्था टेका। साथ ही प्रसाद ग्रहण किया। गांव सौफरी निवासी आयोजक आनंद पटेल ने बताया कि मंगलवार को भूमि पूजन का आयोजन हुआ है। बुधवार को भंडारा कराया जाएगा। जिसमें तमाम भक्त शामिल होंगे। बाद में खाटू श्याम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू होगा। समारोह में अजय सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, आदित्य पांडेय, नितिन लाला, सुमित लाला, विनय मिश्रा, अंकित मिश्रा समेत तमाम लोगों ने सहयोग किया है। उधर, मंगलवार रात को रामकथा का आयोजन हुआ। रामकथा को सुनने आये श्रोताओं की पंडाल भीड़ उमड़ पड़ी। जहां श्रोताओं ने भगवान राम-सीता के जीवन पर प्रकाश डाला। आचार्य अजय कौशल के मुखारबिंद से रामकथा, खाटू श्याम भजन संध्या को श्रोताओं ने सुना। बाद में प्रसाद वितरित किया। भूमि पूजन समारोह में समाजसेवी, भाजपा नेताओं, व्यापारियों आदि लोगों ने पहुंच कर उपस्थिति दर्ज कराई।

पर्सनालिटी डेवलपमेंट पायलट प्रोजेक्ट से बेटियां बनेंगी सशक्त

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- डीएम व सीडीओ ने किया शुभारंभ, 16 कस्तूरबा विद्यालयों में लगेंगी क्लासेज

अमृत विचारः जनपद में बेटियों को सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक नई पहल के रूप में पर्सनालिटी डेवलपमेंट पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई। मंगलवार को विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह ने मनन प्रोजेक्ट के अंतर्गत वर्कशॉप का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के लिए पर्सनालिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप आयोजित की जा रही है। वर्कशॉप का उद्देश्य बेटियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और निर्णय क्षमता का विकास करना है। जिलाधिकारी और सीडीओ ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि बेटियां केवल सशक्त नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन की प्रेरणा बनेंगी। सोशल वेलफेयर सोसायटी की काउंसलर अनुज्ञा मिश्रा ने छात्राओं को आत्मविश्वास बढ़ाने, झिझक दूर करने और जीवन में सकारात्मक सोच विकसित करने के टिप्स दिए। बीएसए दिव्या गुप्ता ने बताया कि नगर क्षेत्र की लगभग 100 छात्राओं ने मनन वर्कशॉप में हिस्सा लिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्कशॉप में भाग लेने वाली छात्राओं को जिला प्रशासन की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा, ताकि अन्य बच्चियों को भी प्रेरणा मिले। सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने बताया कि अभी यह प्रोजेक्ट पायलट रूप में 16 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में शुरू किया गया है। आगे चलकर इसे पूरे जनपद में विस्तारित किया जाएगा ताकि हर बेटी इस अभियान का हिस्सा बन सके।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

ढाई हजार शिक्षक जाएंगे रामलीला मैदान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित करते जिला।

- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में दिल्ली धरना को लेकर बनी रणनीति

अमृत विचारः उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाहजहांपुर की बैठक मंगलवार को शिक्षक भवन में की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने 5 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में टीएफआई (टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) द्वारा आयोजित देशव्यापी धरना-प्रदर्शन की तैयारियों पर चर्चा की।

निर्णय लिया गया कि जिले से लगभग ढाई हजार शिक्षक-शिक्षिकाएं इस धरने में प्रतिभाग करेंगी। इसके लिए प्रत्येक विकासखंड से कम से कम दो बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिला संगठन ने सभी ब्लॉक अध्यक्षों को शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में संघ की संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न संगठनों से जुड़े कई शिक्षकों ने से विनायक मिश्रा को जिला प्रचार मंत्री, मिर्जापुर ब्लॉक से दिलीप यादव को जिला संगठन मंत्री, जबकि तिलहर से रश्मि सक्सेना को जिला एकाउंटेंट पद पर मनोनीत किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र, देवेश बाजपेई, रविंद्र पाल प्रजापति, राजकुमार तिवारी, डॉ. विनय गुप्ता, प्रदीप सिंह, आनंद बिहारी वाजपेई, अश्विनी अवस्थी, नवेन्दु मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

उदियापुर ओवरऑल चैंपियन, शाहगंज उपविजेता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

विजेताओं को सम्मानित करते एआरपी अनिल द्विवेदी। ● अमृत विचार

- न्याय पंचायत शाहगंज में संपन्न हुई बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता

अमृत विचारः न्याय पंचायत शाहगंज विकासखंड भावलखेड़ा की बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन पुत्तू सिंह यादव मेमोरियल स्कूल उदियापुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक विजय पाल ने की, जबकि मुख्य अतिथि एआरपी अनिल द्विवेदी ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

खेलों की शुरुआत दीप प्रज्वलन और डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। प्रतियोगिताओं में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल प्रभारी हरि शंकर के निर्देशन में दौड़, कबड्डी, गोला-चक्का फेंक, सुलेख और मानचित्र प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्राथमिक स्तर पर सुलेख में मधु (डल्लापुरवा) प्रथम, किरन (उदियापुर) द्वितीय और लक्ष्मी (ऐंठा हुसैनपुर) तृतीय रहीं। 100 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में सोनम (उदियापुर) और बालक वर्ग में जेके (उदियापुर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में बालक वर्ग में वाजिदपुर और बालिका वर्ग में शाहगंज की टीमों ने बाजी मारी।

सभी प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर उदियापुर विद्यालय को ओवरऑल चैंपियन और शाहगंज विद्यालय को उपविजेता घोषित किया गया। मुख्य अतिथि एआरपी अनिल द्विवेदी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष विजय पाल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को विकसित करती हैं।

दिव्यांग बच्चों की एक्सपोजर विजिट का डीएम ने किया आरंभ

शाहजहांपुर, अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों की एक्सपोजर विजिट का शुभारंभ डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने किया। डीएम ने खिरनीबाग से बसों को हरी झंडी दिखाकर बच्चों के दल को रवाना किया। कार्यक्रम में 150 दिव्यांग विद्यार्थियों ने भाग लिया, जो नगर के प्रमुख ऐतिहासिक, सामाजिक और प्रशासनिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने कहा कि इस विजिट का उद्देश्य बच्चों को सामाजिक समावेशन, धरोहरों और प्रशासनिक समझ से जोड़ना है। बीएसए दिव्या गुप्ता ने कहा बच्चों में आत्मविश्वास, सीखने की क्षमता को सुदृढ़ करने का प्रयास है।

पार्षद ने किया सफाई का निरीक्षण

संवाददाता, शाहजहांपुर

ब्रज बिहार वार्ड में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते पार्षद रामबरन सिंह चंदेल।

- लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी: रामबरन सिंह चंदेल

अमृत विचारः ब्रज बिहार वार्ड के पार्षद रामबरन सिंह चंदेल ने गुरुवार को वार्ड का निरीक्षण करते हुए सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद सफाई नायक राजकुमार को निर्देश दिए कि पूरे वार्ड की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए और किसी भी क्षेत्र में गंदगी न रहने पाए। पार्षद ने कहा जो कर्मचारी अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतेंगे, उन्हें वार्ड से हटा दिया जाएगा, जबकि ईमानदारी से कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सफाई कर्मियों को विशेष रूप से प्लॉटों की सफाई और बिजली खंभों के आसपास जमा गंदगी हटाने के निर्देश दिए। पार्षद रामबरन सिंह चंदेल ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा, "लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सफाई व्यवस्था जनता के स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़ा मुद्दा है, इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुधारना हम सभी की जिम्मेदारी है।"

आर्य महिला कॉलेज में मनाया गया गंगा उत्सव

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में गंगा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिल्पी गुप्ता, महानगर अध्यक्ष भाजपा, एवं प्रो. अनुराग अग्रवाल, उप प्राचार्य स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

डॉ. रानू दुबे के नेतृत्व में छात्राओं ने नाट्य मंचन, गीत, नृत्य व कविता प्रस्तुत कीं। गंगा स्वच्छता रंगोली प्रतियोगिता शैली तिवारी एवं शालिनी श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित की गई। लाइव प्रश्नोत्तरी में महक, खुशी गुप्ता, अलंकृता, शिवानी और श्रद्धांजली विजेता रहीं, जबकि लूडो प्रतियोगिता में गीतांजलि प्रथम और अल्पना द्वितीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम में डीपीओ डॉ. विनय कुमार सक्सेना, प्रो. अनुराग अग्रवाल, मयंक भदौरिया, अरविंद मिश्रा, मुकेश परिहार सहित अनेक अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने गंगा संरक्षण, जल स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डा. रानू दुबे ने किया।

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की टक्कर से छात्र-छात्रा घायल अस्पताल में भर्ती

विजय नगला, अमृत विचार : गैस सिलेंडर भरे ट्रक ने स्कूटी सवार छात्र-छात्रा को टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बिनावर थाना क्षेत्र में घटपुरी स्थित पेट्रोल पंप के पास मंगलवार दोपहर लगभग तीन बजे हुआ। सिलेंडर भरे ट्रक ने स्कूटी सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में मथुरा निवासी रजत पुत्र योगेश और अर्पिता पुत्री प्रदीप घायल हो गए। हादसे पर पेट्रोल पंप पर मौजूद लोग घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को मामले की सूचना दी। घायलों को भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि अर्पिता राजकीय मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की छात्रा है। वह और रजत स्कूटी से बरेली से बदायूं आ रहे थे।

नवादा में चोरें ने क्वाइल्स और बिजली के तार किए चोरी

बदायूं, अमृत विचार : अवर अभियंता सुशील कुमार वर्मा ने सिविल लाइन पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 1 नवंबर की रात नवादा ओल्ड के अंतर्गत स्थित कोल्ड स्टोर के पास 100 केवीए के परिवर्तक के डबल पोल गिर गए थे। चोरों ने उसकी क्वाइल्स निकालकर चोरी कर ली। उन्होंने फोन पर चोरी की सूचना मिली थी। वह मौके पर पहुंचे थे। उस दौरान परिवर्तक पोल के पास जमीन पर खुला पड़ा था। क्वाइल्स के कुछ अंश पडे.थे। परिवर्तक का तेल भी जमीन पर फैला पड़ा था। पास में ही बाग के पास पांच से सात स्पैन का तार नहीं था। जबकि सितंबर में किए गए सर्वे के दौरान वहां पोल पर तार थे। चोरों ने वह भी चोरी कर लिए। पुलिस ने अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की थी।

सभा में किसानों को दी नैनो डीएपी की जानकारी

बदायूं, अमृत विचार : कृषि विभाग की ओर से गांव सीकरी में किसान सभा आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विभाग के कर्मचारी और अधिकारी ने किसानों को नैनो डीएपी की जानकारी दी। उनके द्वारा किसानों के सामने नैनो डीएपी से बीज उपचार की तकनीक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 45 किसानों ने भाग लिया।

मशीन ऑपरेटर व पटल सहायक के खिलाफ होगी कार्रवाई, 25 हजार का जुर्माना

बीआरसी की जगह बाजार में चल रही थी आधार मशीन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बेसिक शिक्षा सचिव ने बीएसए को दिए कार्रवाई करने के आदेश
- जिले के सभी 15 बीआरसी केंद्रों पर दी गई है दो-दो आधार मशीन

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का नया आधार बनाने और संशोधन के लिए दी गई आधार मशीन बाजार में चलती हुई मिली। इसकी जानकारी होते ही शासन में हड़कंप मच गया।

बेसिक शिक्षा विभाग के सचिव ने बीएसए को आदेश जारी करते हुए आधार मशीन का संचालन करने वाले ऑपरेटर और पटल सहायक के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के आदेश दिए हैं। इसमें आधार मशीन संचालक को बर्खास्त करने और 25 हजार रुपये का जुर्माना वसूलने का निर्देश दिया है।

परिषदीय स्कूलों में नामांकित बच्चों का नया आधार बनाने और उनमें संशोधन करने के लिए जिले के सभी 15 बीआरसी केंद्रों पर दो दो आधार मशीन दी गई हैं। लेकिन आधार मशीन का ऑपरेट करने वाले कर्मचारी दुरुपयोग कर रहे हैं। आधार बनाने और उनमें संशोधन के नाम पर 500 से लेकर एक हजार रुपये तक वसूली की जा रही है। कई ऑपरेटर के द्वारा मशीनों को बीआरसी से उठाकर बाजार में रख लिया है। जहां परिषदीय स्कूलों के बच्चों के स्थान पर अन्य लोगों के आधार संशोधन सहित अन्य कार्य कर रहे हैं। ऐसा ही मामला सहसवान बीआरसी केंद्र पर दी गई आधार मशीन का सामने आया है। बीआरसी पर कार्यरत ऑपरेटर राजकुमार द्वारा आधार मशीन बाजार स्थित एक दुकान में चला रहा था। जिसे लोकेशन के आधार पर यूआईडीएआई ने पकड़ लिया गया। मशीन बंद करने के साथ ही यूआईडीएआई के द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को अवगत कराते हुए कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। जिसे विशेष सचिव ने गंभीरता से लिया है। बीएसए को पत्र जारी कर आधार मशीन ऑपरेटर राजकुमार और पटल सहायक के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए। सख्त निर्देश दिए हैं कि आधार मशीन को ऑपरेटर करने वाले कर्मचारी को निलंबित करने के साथ उससे 25 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाए। मजे की बात यह है कि आदेश को आए छह दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन बेसिक शिक्षा सचिव का पत्र बीएसए को नहीं मिल सका है। बीएसए ने ऐसे किसी पत्र के न मिलने से अनभिज्ञता जताई है।

> अभी मुझे ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। कर्मचारियों से बेसिक शिक्षा सचिव के पत्र के संबंध में जानकारी की जाएगी। उनके आदेशों का पालन किया जाएगा। - वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

म्याऊं के सौंधा मई में तीन दिन से अंधेरा

संवाददाता, म्याऊ

- केबल जलने से बिजली सप्लाई ठप, ग्रामीण परेशान

अमृत विचार : बिजली विभाग की मनमानी के चलते क्षेत्र के ग्राम सोंधा मई में तीन से बिजली ठप है। इससे पूरे गांव में अंधेरा छाया हुआ है। विभाग की लापरवाही के कारण हजारों उपभोक्ता तीन दिन से परेशान हैं। पेयजल संकट भी पैदा हो गया है।

म्याऊं बिजली घर पर तीन पूर्व ओसीवी केबिल जल गई। कस्बे की आपूर्ति भी ठप है साथ ही कई अन्य गांवों की बिजली गुल है। उधर, क्षेत्र के गांव सौंधामई में पिछले तीन दिन से बिजली गुल है। इससे ग्रामीण अंधेरे में जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद विभाग ने लाइन की मरम्मती नहीं की। इससे तीन दिन से पूरे गांव की बिजली सप्लाई ठप है। बच्चों की पढ़ाई, पानी की किल्लत पैदा हो गई है। समसर्विसल बंद हैं लोग इधर उधर से पानी लाकर काम चला रहे हैं। रात में कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। जिससे लोगों में आक्रोश है। इस समस्या को लेकर सौंधामई निवासियों ने भी प्रदर्शन किया और विभाग से तत्काल बिजली बहाल करने की मांग की है। विभाग के अधिकारी अभी तक समस्या का समाधान नहीं कर पाए है। जेई बाल मुकुंद प्रजापति ने बताया म्याऊं विधुत केन्द्र पर ओसीवी केबिल फुक जाने से बिजली आपूर्ति ठप है। जिससे समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अब सही कर दी है कहीं दिक्कत है तो उसे भी ठीक करा दिया जाएगा।

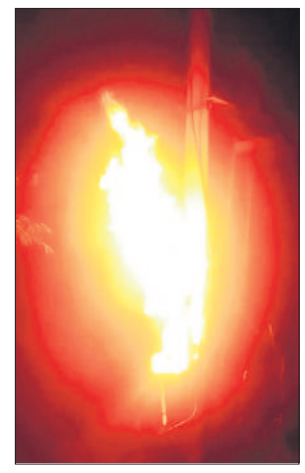

म्याऊं बिजली घर पर जलती बिजली की केबिल।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने किया ऐतिहासिक मेला ककोड़ा आरंभ

मुख्य स्नान आज, श्रद्धालुओं का उमड़ेगा सैलाब, आस्था की लगाएंगे डुबकी, जिला पंचायत ने अधिकारियों के लिए लगाए टेंट, बनाए अस्थाई कार्यालय

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रुहेलखंड के मिनी कुंभ के नाम से प्रसिद्ध श्री गंगा मेला ककोड़ा क्षेत्र में मंगलवार को केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई विकासपरक एवं लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी 6 नवंबर तक रहेगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश व प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेले में लगाई गई यह प्रदर्शनी आमजन को सरकार की योजनाओं से परिचित कराने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी लेकर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें और अन्य लोगों को भी जागरूक करें। मेला ककोड़ा के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि यह मेला न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि क्षेत्रीय विकास, व्यापार और जनजागरुकता का भी प्रतीक बन चुका है।

मिनी कुंभ मेला ककोड़ा का विहंगम दृश्य। ● अमृत विचार

प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, एक जिला एक उत्पाद, प्रधानमंत्री जनधन योजना जैसी अनेक जनहितकारी योजनाओं की जानकारी चित्रों, पोस्टरों एवं जानकारीपूर्ण साहित्य के माध्यम से दी जा रही है। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, ग्रामीणों व युवाओं आदि ने अवलोकन कर सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। 5 नवम्बर को मुख्य स्नान पर्व है। मेले में सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इस मौके पर बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, पूर्व विधायक धर्मेन्द्र शाक्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वहीं मेला ककोड़ा को जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहन तीन दिन से सड़कों पर दौड़ रहे हैं। मुख्य स्नान पर्व बुधवार को है इसलिए मंगलवार को दिन भर और रात को श्रद्धालु मेला की ओर दौड़ते रहे। जिससे सड़कों पर वाहनों का रेला कम नहीं हुआ। पिछले तीन दिन से मेला ककोड़ा को श्रद्धालु अपने वाहनों से पहुंच रहे हैं। मंगलवार को शहर की सड़कों पर दिन भर मेला जाने वाले वाहनों का रेला चलता रहा। सड़कों पर ट्रैक्टर ट्रालियों से श्रद्धालु मेले की ओर निकलते रहे।

फीता काटकर मेला ककोड़ा उद्घाटन करते केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा व दिग्विजय सिंह शाक्य।

मेला ककोड़ा में तंबू लगाकर रह रहा परिवार। ● अमृत विचार

शिविर में बैठा परिजनों से बिछड़ा बच्चा।

मेला ककोड़ा में सजी खिलौने की दुकान। ● अमृत विचार

मेले में खोये तीन बच्चों को परिजनों से मिलाया

बदायूं, अमृत विचार : भारत स्काउट गाइड संस्था के तत्वावधान में मेला ककोड़ा में चल रहे खोया पाया समाज सेवा शिविर में स्काउट ने मेले में खोये तीन बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि स्काउट की सेवा देशभक्ति अतुलनीय है। इससे पूर्व स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला मुख्यायुक्त एडवोकेट महेश चंद्र सक्सेना ने स्काउट ध्वज फहराया। जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता, क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रज प्रदेश दुर्विजय सिंह, विधायक हरीश शाक्य, विधायक महेश चंद्र गुप्ता, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, डीएम अवनीश राय, डॉ. बृजेश कुमार सिंह, बीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह ने शिविर बच्चों के टेंटों का निरीक्षण किया। पूर्व जिला मुख्य आयुक्त डॉ. वीरपाल सिंह सोलंकी, पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा, जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार अली आदि मौजूद रहे।

अटेना और महावा नदी पर रहेगी विशेष सुरक्षा

उसहैत के अटेना गंगा घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अटेना घाट पर हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं इसलिए यहां पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को थाना उसावा उसहैत और अलापुर की पुलिस तैनात की जाती है। तीन थानों की पुलिस श्रद्धालुओं की सुरक्षा में रहेगी। गंगा में पानी कुछ बढ़ गया है। जिससे स्नान करने वालों को दिक्कत नहीं होगी।

रोडवेज बसों की टक्कर से बुजुर्ग समेत दो की मौत

संवाददाता, विजय नगला/उझानी

- कोतवाली उझानी और थाना बिनावर क्षेत्र में मलगांव के पास अलग-अलग हुए हादसे

अमृत विचार : रोडवेज बसों की टक्कर से एक बुजुर्ग समेत दो लोगों की मौत हो गई।

मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव रुखला खौला निवासी मोर सिंह (75) मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे मलगांव की साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने के लिए आए थे। वह बिनावर थाना में बरेली-मथुरा राजमार्ग पार कर रहे थे। बरेली की ओर से तेज रफ्तार से आई रोडवेज बस ने उन्हें टक्कर मार दी। मोर सिंह राजमार्ग पर दूर जा गिरे। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

मृतक उमेश कुमार।

दूसरा हादसा उझानी कोतवाली क्षेत्र में आंबेडकर चौराहे से कछला मार्ग पर हुआ। सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव होतीपुर निवासी उमेश कुमार अपनी पत्नी रीना और बेटी प्रियांशी के साथ दवा लेकर सहसवान लौट रहे थे। संतोष कुमारी श्रवण कुमार अग्रवाल इंटर कॉलेज पास रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मुकेश के सिर पर चोट आई। मौके पर ही उनकी मौत हो गई जबकि पत्नी व बच्ची का मामूली चोट आई। दोनों मृतकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन महीने से नहीं दिया गया डीबीटी का पैसा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 10 हजार टीबी के मरीजों को हो रही परेशानी, शासन स्तर से रुका है धन

अमृत विचार : टीबी के मरीजों को सरकार से मिलने वाले डीबीटी का रुपये पिछले तीन महीने से दस हजार मरीजों को नहीं मिला है। इससे मरीजों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षय रोग विभाग का कहना है कि शासन स्तर से कुछ बदलाव किए गए हैं जिसकी वजह से मरीजों का पैसा रुका हुआ है। उम्मीद है कि नवम्बर के अंत तक मरीजों को पैसा मिलना शुरू हो जाएगा।

जनपद में करीब 10 हजार क्षय रोगी हैं। उनकी दवा जिला अस्पताल स्थित क्षय रोग केंद्र से चलती है। सरकार से टीवी के मरीजों के लिए पहले 500 रुपये प्रति माह उनके खान पान को दिए जाते थे, लेकिन बाद में यह राशि बढ़ा कर एक हजार कर दी गई। टीबी के मरीजों को अब एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। यह पैसा क्षय रोग विभाग के माध्यम से सीधे मरीज के खाते में पहुंचता है। अब तीन महीने से टीबी के मरीजों को धनराशि नहीं मिल रही है। इससे टीबी मरीजों को खान पान की समस्या हो रही है। मरीज जिला क्षयरोग केंद्र पर पहुंच रहे हैं। पैसा नहीं आने की वजह पूछ रहे हैं जिससे क्षय रोग केंद्र के कर्मचारियों को दिक्कत हो रही है।

डॉक्टर को दिखाने के लिए लाइन में लगे टीबी के मरीज। ● अमृत विचार

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि जिस अकाउंट से पैसा आता था वह अकाउंट बदला गया है जिससे पूरे प्रदेश में किसी जिले को अभी तक डीबीटी का पैसा नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि धनराशि को लेकर सैकड़ों मरीज हर दिन पूछताछ करने आते हैं उन्हें बताया जाता है कि जल्द ही शासन स्तर से डीबीटी का रुपये मिलने लगेगा। उन्होंने बताया कि करीब तीन महीने से किसी को डीबीटी का रुपये नहीं मिला है।

सर्दी के मौसम में बढ़ रही मरीजों की संख्या

जिला क्षय रोग अधिकारी ने कहा कि हर साल सर्दी के मौसम में टीबी के मरीज बढ़ते हैं। इसलिए जांच प्रक्रिया तेज की जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी टीबी की जांच की जाती है। जांच के बाद ही मरीज को दवा दी जाती है। सभी सीएचसी को निर्देशित किया गया है कि संभावित टीवी के मरीजों की जांच में तेजी लाई जाए।

अघोषित कटौती पर नहीं लग रहा अंकुश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- परेशान ग्रामीणों की विभाग नहीं सुन रहा शिकायत, ट्रिपिंग जारी

अमृत विचार : त्योहार खत्म होते ही बिजली विभाग की मनमानी शुरू हो गई है। शहर से लेकर देहात तक में अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। कई कई घंटे बिजली गुल होने से कनेक्शन धारकों को दिक्कत हो रही है। इसके साथ ही ट्रिपिंग की समस्या भी बनी हुई है, लेकिन विभाग इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है।

दीपावली पर करीब 10 दिन तक 24 घंटे बिजली दी गई जिससे उपभोक्ताओं को कटौती से राहत मिली। हालांकि इस बीच ट्रिपिंग जारी रही। अब त्योहार खत्म होते ही बिजली विभाग ने फिर से मनमानी शुरू कर दी है। बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली घरों पर शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। शहर के मोहल्ला मीरा सराय में पिछले कई दिन से अघोषित कटौती हो रही है। मंगलवार को सुबह 8 बजे से 2 घंटे तक बिजली गुल रही। जिससे 20 हजार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। 10 बजे सप्लाई शुरू हुई तो उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। कबूलपुरा में भी दिन में 11 बजे से लेकर डेढ़ बजे तक कटौती रही। जिससे कनेक्शन धारकों को परेशानी हुई। इसी तरह शहर के अन्य मोहल्लों में भी कटौती होती है। शहर के गांधी नगर निवासी सेवानिवृत्त लेखपाल राम निवास ने बताया कि बिजली विभाग की मनमानी के चलते कई कई घंटे कटौती हो रही है। शाम को अचानक बिजली गुल हो जाती है। जिससे अंधेरा छा जाता है। अंधेरे में अप्रिय घटनाओं का भय बना रहता है। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस समय सभी क्षेत्रों में सप्लाई शेड्यूल के अनुसार दी जा रही है यदि कहीं दिक्कत है तो उसे ठीक करा दिया जाएगा।

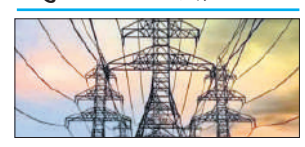

स्मार्ट मीटर का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कांग्रेस पदाधिकारियों ने उझानी हाइडिल पर किया प्रदर्शन एसडीओ को दिया ज्ञापन

अमृत विचार : घर और प्रतिष्ठानों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने उझानी हाईडिल के पास प्रदर्शन किया। अधिशासी अभियंता को संबोधित ज्ञापन एसडीओ को दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार देश में सबसे महंगी बिजली दे रही है। स्मार्ट मीटर के जरिए जेब काटने का काम किया जा रहा है।

उझानी नगर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त नगर कांग्रेस अध्यक्ष बबलू सैफी के नेतृत्व में कांग्रसियों ने अधिशासी अभियंता कार्यालय विद्युत वितरण खंड चतुर्थ पर प्रदर्शन किया। स्मार्ट मीटर के बहाने बिजली उपभोक्ताओं के शोषण का आरोप लगाया। ज्ञापन देकर उझानी में बिजली उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर रोक लगाने की मांग की। बबलू सैफी ने कहा कि उझानी में तीन हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों पर स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। सभी का बिजली बिल पहले से कई गुना अधिक आ रहा है। पहले से मंहगाई और बेरोजगारी की मार झेल रहे आम आदमी की कमर भारी बिजली बिल से टूट चुकी है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम बंद नहीं हुआ तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। ज्ञापन देने वालों में जिला सचिव पुत्तन यादव, प्रदीप यादव, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष नवनीत यादव, सब्लू अल्वी, डॉ. खलील, आरिफ अंसारी, भारत विश्वकर्मा, सुरेंद्र सिंह, असद सैफी, दल सिंह, विष्णु, प्रकाश, सत्यवीर आदि कांग्रेसीजन मौजूद रहे।

बिजली विभाग के एसडीओ को ज्ञापन देते कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव व अन्य। ● अमृत विचार

पत्नी के अवैध संबंधों के चलते दी थी जान, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिसौली के एक गांव निवासी व्यक्ति ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। उन्होंने बताया कि उनके बेटे की शादी 2020 में आंवला के एक गांव निवासी युवती के साथ हुई थी। पति-पत्नी में आए दिन कलह होती रहती थी। जिसके बाद पत्नी अक्सर अपने मायके चली गई थी। शादी के बाद उनके बेटे को पता चला कि उसकी पत्नी का शादी से पहले ही उसके गांव के किसी व्यक्ति के साथ अवैध संबंध हैं। इसके बाद भी युवती के पिता ने धोखे से उसकी शादी करा दी। व्यक्ति ने अपने बेटे के साथ जाकर युवती के माता-पिता के अलावा अवैध संबंध वाले युवक और उसके पिता से बात की। वह लोग झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी देने लगे। जिसके बाद बेटे ने बताया कि उसने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद भी पत्नी ने कहा कि वह तलाक चाहती है। उनका बेटा अवसाद में आ गया और 22 फरवरी को उसने विषाख्त पदार्थ खाकर जान दे दी। कोर्ट के आदेश पर युवती समेत पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,5 नवंबर 2025

ब्रीफ न्यूज

सहकारी समितियों पर डीएपी नहीं मिलने से किसान परेशान

बदायूं, अमृत विचार : साधन सहकारी समितियों पर किसानों को खाद नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। रसूलपुर की समिति पिछले पन्द्रह दिन से नहीं खुली है जिससे किसान खाद के लिए चक्कर लगा रहे हैं। इस समय किसान आलू सरसों और गेहूं की बुवाई के लिए डीएपी खाद के लिए भटक रहे हैं। साधन सहकारी समितियों पर खाद नहीं मिल रही है। शहर के निकट रसूलपुर की साधन सहकारी समिति पिछले पन्द्रह दिन से बंद है। किसानों का कहना है कि दीपावली से पहले स समिति खुली थी कुछ किसानों को खाद भी मिली थी। उसके बाद से समिति कार्यालय पर ताला लटका है। यहां पर आस पास के गांव के सैकड़ों किसान प्रतिदिन खाद लेने को पहुंचते हैं मगर खाद नहीं मिलने से खाली हाथ लौट जाते हैं। उधर कस्बा अलापुर में भी साधन सहकारी समिति पर खाद की किल्लत बनी हुयी है। खाद नहीं मिलने पर यहां कई बार हंगामा हो चुका है।

जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर लग रहे जाम से लोग परेशान

बदायूं, अमृत विचार : जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर ऑटो ई रिक्शा ने जाम लगा दिया जिससे अस्पताल आने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं ट्रैफिक पुलिस जाम को खुलवाने में नाकाम साबित नजर आती है। अस्पताल के मुख्य गेट पर हर दिन ऑटो ई रिक्शा खड़े होते हैं जिससे अस्पताल के अंदर आने वाले वाहनों को परेशानी होती है। अस्पताल में लगभग दो दर्जन सुरक्षा गार्ड हैं लेकिन मुख्य गेट की व्यवस्था कोई नहीं देखता है जिससे यहां पर जाम लगा रहता है। कचहरी रोड पर आने वाले वाहनों को जाम में फंसना पड़ता है। इस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं ट्रैफिक पुलिस जाम को खुलवाने में नाकाम साबित नजर आती है।

जिले में दो दिन बंद रहेंगे सभी बोर्ड के विद्यालय

बदायूं, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर ककोड़ा स्थित गंगा तट पर मेला लगा है। पूर्णिमा पर लाखों की संख्या में लोग गंगा स्नान करेंगे। शैक्षिक कैलेंडर के तहत 5 नवंबर का अवकाश पहले से ही घोषित था। डीएम के आदेश पर बीएसए ने 6 नवंबर का भी अवकाश घोषित किया है। छह नवंबर को सभी बोर्ड के स्कूलों में छुट्टी रहेगी।

जिले में शुरू हुई एसआईआर की प्रक्रिया, घर-घर जाएंगे बीएलओ

2003 की मतदाता सूची के आधार पर किया जाएगा वोटरों का सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 24.18 लाख से अधिक मतदाताओं का बीएलओ करेंगे सत्यापन
- बीएलओ की निगरानी के लिए 270 सुपरवाईजर को लगाया

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू हो गया। इस अभियान में 2580 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की ड्यूटी लगाई गई है। यह अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से उनके मूल विवरण एकत्र करेंगे। पुनरीक्षण अभियान के दौरान कार्य करने वाले बीएलओ की निगरानी के लिए 270 सुपरवाईजर को लगाया गया है।

जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में 24 लाख 18 हजार 408 मतदाता हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। इन प्रपत्रों को मतदाताओं को सही तरीके से भरने में मदद करेंगे। प्रपत्र में मतदाताओं को केवल मूल जानकारी भरनी होगी। मतदाता प्रपत्र में नाम, जन्म तिथि, पिता-अभिभावक का नाम, माता का नाम, मोबाइल नंबर, आधार संख्या (वैकल्पिक) और यदि पहले से वोटर आईडी है तो ईपीआईसी नंबर उनके द्वारा भरा जाएगा। इन गणना पत्रों पर कुछ ब्योरा पहले से ही भरा रहेगा। अभियान की शुरुआत मंगलवार से हो गई हैं। बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं के घर पहुंचने शुरू हो गए हैं। 2003 के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद वोटर लिस्ट में जो भी नए नाम शामिल किए गए हैं, उन्हें अपनी पहचान के लिए स्वप्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। वोटर लिस्ट में ऐसे मतदाताओं की संख्या 60 से 70 फीसदी हो सकती है। दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर उनके नाम काटे जा सकते हैं। केंद्रीय, राज्य, सार्वजनिक उपक्रम के नियमित कर्मचारी-पेंशनभोगी को निर्गत कोई पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) मान्य होगा। जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड-विश्वविद्यालयों द्वारा निर्गत शैक्षणिक प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां उपलब्ध हो), राज्य-स्थानीय प्राधिकारी द्वारा निर्गत परिवार रजिस्टर की नकल-प्रति को भी स्वप्रमाणित दस्तावेज के रूप में माना जाएगा।

2024 में चुनाव के दौरान 24 लाख मतदाता थे

साल 2003 में गहन विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ था। उसी आधार पर 2007 के विधानसभा चुनाव हुए थे। साल 2003 के दौरान बिनावर, उसहैत, दातागंज, बिल्सी, बिसौली, सहसवान, गुन्नौर और बदायूं विधानसभा क्षेत्र सहित कुल आठ विधानसभा क्षेत्र थे। परिसीमन के बाद बिनावर विधानसभा क्षेत्र समाप्त कर दिया। गुन्नौर विधानसभा संभल जिले में शामिल कर दी गई। साल 2024 में हुए चुनाव के दौरान जिले में करीब 24 लाख नौ हजार मतदाता थे। इनमें नौ हजार नए मतदाता शामिल हुए हैं। शुरू हुई विशेष गहन प्रक्रिया के तहत घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। वोटरों से उनका पहचान पत्र भी लिया जाएगा। पहचान पत्र देने से उन मतदाताओं को छूट रहेगी जो 2003 के एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट में शामिल थे और अब भी उनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल हैं। एसआरआई से यह भी पता चल जाएगा कि ऐसे कितने मतदाता हैं जो पिछले एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में शामिल थे।

विशेष पुनरीक्षण कार्य से सामने आएंगे फर्जी मतदाता

जिले में बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता भी है। जिनके नाम दो से तीन विधानसभा क्षेत्रों में दर्ज हैं। एसआईआर के दौरान ऐसे बोगस वोटरों के नाम भी सामने आ जाएंगे। ऐसे में फर्जी वोटिंग पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी। साथ ही मतदान प्रतिशत में भी सुधार होगा। दरअसल, बड़ी संख्या ऐसे वोटरों की है जो अब जीवित नहीं हैं लेकिन उनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल हैं और मतदाता प्रतिशत प्रभावित होने के पीछे यह बड़ी वजह है।

विधानसभा वार वोटरों की संख्या

बिसौली विधानसभा - 429806
सहसवान विधानसभा - 422983
बिल्सी विधानसभा - 355907
बदायूं विधानसभा - 381820
शेखूपुर विधानसभा -418699
दातागंज विधानसभा -2418408

निर्वाचन आयोग से दिशा निर्देश के आधार पर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में पुनरीक्षण कार्य शुरू हो गया है। आयोग से जारी गाइडलाइन के अनुरूप ही पुनरीक्षण किया जाएगा।

- अवनीश कुमार राय, डीएम

लंपी बीमारी पर रोकथाम का प्रयास चिन्हित होंगे गोवंश

बदायूं, अमृत विचार : गोवंश में लंपी वायरस फैलने से पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। इस वायरस के प्रभाव को किए गए टीकाकरण का असर नहीं दिख रहा है। ब्लॉक उसावा के कटरा सआदतगंज व आसपास के गांवों में गोवंश में लंपी वायरस देखा गया है। पशु पालन विभाग ने टीकाकरण कराने को चिन्हीकरण शुरू कर दिया है।

ब्लॉक उसावा के कटरा सआदतगंज में दो गोवंश के शरीर पर दाने देखे गए। पशु पालकों ने पशु चिकित्सक को इसकी सूचना दी। उधर ब्लॉक वजीरगंज क्षेत्र के गांव सुरसेना में गोवंश को लंपी बीमारी होने की बात सामने आई है। पशुपालकों ने इसकी जानकारी पशु चिकित्सक को दी। उसके बाद क्षेत्र में इस तरह के गौवंश को चिन्हित करने का अभियान शुरू किया गया है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी समदर्शी सरोज ने कहा कि कुछ जगहों से लंपी बीमारी की सूचना मिली है जिसके बाद गोवंश का चिन्हीकरण किया जा रहा है। गोवंश को टीके लगाए जाएंगे। आसपास के गांवों में भी पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। ब्लॉक जगत के ग्राम पड़ौआ की गोशाला में करीब दो दर्जन से अधिक गोवंश हैं। इसमें दो गोवंश बीमार थे। सूचना ब्लॉक जगत के पशु चिकित्सक को दी गई। इसके बाद बीमार गोवंश का उपचार किया गया।

मच्छर नाशक दवा का छिड़काव कराने की मांग

बदायूं क्लब के निकट नाली में पनप रहे मच्छर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सड़क किनारे नालियों में पनप रहे मच्छर, फैल रही बीमारियां

अमृत विचार : शहर में मुख्य सड़कों के किनारे नालियों में मच्छर पनप रहे हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों ने नालियों में मच्छर नाशक दवा छिड़काव कराने की मांग की है।

सड़क से गुजरने वाले लोगों को गंदगी से भारी दुर्गन्ध के कारण परेशानी होती है। पुलिस लाइन चौराहे से रोडवेज को जाने वाली सड़क पर बदायूं क्लब की दीवार के किनारे नाली बंद होने से पानी सड़क तक पहुंच गया है जिससे इस रोड से गुजरने वालों को परेशानी हो रही है। बदायूं क्लब के मुख्य गेट पर पानी भरा होने से क्लब पदाधिकारी भी परेशान हैं, लेकिन पालिका प्रशासन इस ओर नहीं देख रहा है। उधर, पनबड़िया स्थित नाले में भारी गंदगी के चलते आने जाने वाले लोगों को परेशानी होती है। लालपुल से कचहरी को जाने वाली सड़क किनारे नाले में भारी गंदगी है, लेकिन सफाई नहीं की जाती है। जवाहरपुरी स्थित नाला खुला होने से स्थानीय निवासियों को भारी दुर्गन्ध के बीच रहना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि नाले के ऊपर स्लैप नहीं है। इससे नाले की गंदगी परेशान करती है। इस नाले की सफाई भी नहीं की जाती है। इंदिरा चौक से दातागंज रोड तक नाले में भारी गंदगी है। नाले में कूड़ा कचरा भरा होने से पानी का बहाव रुक गया है जिससे दुर्गंध उठ रही है। लोगों का कहना है कि पालिका ने सफाई अभियान चलाया था, लेकिन इस नाले की सफाई नहीं की गई जिससे नाले में भारी गंदगी है। शहर के लोगों ने मच्छर नाशक दवा का छिड़काव कराने एवं सफाई कराने की मांग भी की है।

बिगड़ा मौसम, बूंदाबांदी से किसान चिंतित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दिन में कई बार बूंदाबांदी की वजह से धान कटाई पर लगा ब्रेक

अमृत विचार: मौसम एक बार फिर बदल गया है। आसमान में काले काले बादल छाए हुए हैं। रुक-रुक का बूंदाबांदी हो रही है। तापमान भी तीन डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। मौसम में आए बदलाव के बाद ठिठुरन बढ़ने लगी है। लोग गर्म कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। सोमवार की तुलना में मंगलवार को तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। दिनभर बादल छाए रहे। सुबह से ही सूरज के दर्शन नहीं हुए। वहीं बारिश के चलते किसान चिंतित हो गए हैं। खेतों में धान की फसल कटी पड़ी हुई है। जिसके खराब होने का डर किसानों को सता रहा है।

पिछले दिनों हुई बारिश के बाद मौसम साफ हो गया था। धूप खिल रही थी कि मंगलवार को फिर से मौसम बिगड़ गया। आसमान में काले काले बादल छा गए। साथ ही रुक-रुक बूंदाबांदी शुरू हो गई। दिन भर सूरज के दर्शन नहीं हुए। बूंदाबांदी होने से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को जहां अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, वहीं मंगलवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम खराब होने की वजह से सुबह के समय स्कूल जाने वाले शिक्षक और बच्चे गर्म कपड़ों में नजर आए। वहीं बारिश के कारण किसान चिंता में आ गया। खेतों में धान और बाजरा की फसल कटी पड़ी है। जिसके खराब होने की संभावना से किसान परेशान हैं। बारिश से फसल में फफूंद लग सकती है। साथ ही दाना काला पड़ जाएगा। साथ ही उत्पादन भी घट जाएगा। इसी बात को लेकिन परेशान है। वहीं जिन किसानों के द्वारा धान की कटाई के बाद आलू की बुवाई कर दी है। वह बारिश से बीज के सड़ने की आशंका से भयभीत दिखाई दे रहे हैं। गांव सिमरिया निवासी किसान कैलाश ने बताया कि उन्होंने अगेती धान की फसल की थी। जिसकी कटाई के बाद आलू की फसल बोई है। अगर तेज बारिश होती है तो खेत में बोया गया बीज सड़ जाएगा। जिसे भारी नुकसान होगा। मौसम खराब होने को लेकर कृषि अधिकारी मनोज रावत ने बताया कि यह सब हिमालय उठे चक्रवात की वजह से है। दो तीन दिन में चक्रवात का असर कम होने के बाद मौसम साफ हो जाएगा। बूंदाबांदी से फसल में अधिक नुकसान नहीं है। किसानों को चाहिए कटी हुई फसल की जल्द निकासी कर घर में लाकर रखें।

पंचायत मतदाता सूची में दर्ज हटेंगे डुप्लीकेट नाम

बदायूं, अमृत विचार : राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पंचायत निर्वाचन नामावली 2021 का पुनरीक्षण कार्य जिले में शुरू हो गया है। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान एक जैसी जानकारी वाले (डुप्लीकेट) मतदाताओं की पहचान की जा रही है।

एडीएम प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम, पिता-पति का नाम समान पाया गया है। उनके नामों की जांच की जा रही है। यदि सत्यापन में जानकारी सही पाई जाती है, तो उनके आधार कार्ड के अंतिम चार अंक बीएलओ द्वारा दर्ज किए जाएंगे। जिन ग्राम पंचायतों मतदाताओं का नाम डुप्लीकेट सूची में है। ऐसे मतदाता बीएलओ से संपर्क कर अपने आधार कार्ड के अंतिम चार अंक उन्हें उपलब्ध कराएं।

विश्व कप जीतने पर जताया हर्ष

भारतीय महिला टीम के जीतने पर तिरंगा लहराकर खुशी का इजहार करती छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के कस्बा ओरछी चौराहे स्थित ग्लोबल हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के द्वारा विश्व कप जीतने पर हर्ष व्यक्त किया गया।

स्कूल के छात्र-छात्राओं ने स्कूल प्रांगण में एकत्र होकर हाथ में तिरंगा एवं पोस्टर लेकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी। साथ ही साथ स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भी हर्ष व्यक्त किया। स्कूल परिसर भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। स्कूल मैनेजर कौशल नंदन, डायरेक्टर निष्काम नंदन और निवेदिता रस्तोगी ने मिठाई बांटकर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानाचार्य मनोज कुमार शर्मा, उपप्रधानाचार्या अनुराधा शर्मा ने भी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रशंसा करते हुए विश्वकप जीतने पर खुशी जाहिर की। रोहित कुमार, प्रतीक अग्रवाल, अनीता चौहान, शमां परवीन, जयकिशन सिरोही, देशपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

तंबाकू की लत से होती है अकाल मृत्यु

जागरुकता अभियान में महाविद्यालय की छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से चलाया अभियान

अमृत विचार : गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत तंबाकू मुक्त युवा विषय पर अभियान चलाते हुए कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिकारी अवनीशा वर्मा ने बताया कि तंबाकू मुक्त युवा अभियान बहुआयामी पहल है।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य युवाओं में तंबाकू के सेवन को रोकना और तीव्र जागरुकता अभियान, तंबाकू कानूनों का कड़ाई से पालन, शैक्षणिक संस्थानों और गांवों में तंबाकू मुक्त क्षेत्रों का विस्तार और सोशल मीडिया पहुंच बढ़ाकर तंबाकू छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकारी निकायों, स्कूलों, समुदायों और नागरिक समाज के बीच ढांचों को मज़बूत करके और सहयोग को बढ़ावा देकर एक तंबाकू मुक्त पीढ़ी का निर्माण करना है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीति वर्मा ने स्वयं सेविकाओं को बताया कि तंबाकू का सेवन एक गंभीर जन स्वास्थ्य चुनौती है। डॉ. इंदु शर्मा, डॉ. श्रद्धा श्री यादव, डॉ. सोनी मौर्य, डॉ. इति अधिकारी, डॉ. निशा साहू, डॉ. वंदना वर्मा और शालू गुप्ता ने विचार व्यक्त करते हुए जागरुकता फैलाने को प्रोत्साहित किया।

भाषण प्रतियोगिता में कोमल को मिला प्रथम स्थान

बिल्सी, अमृत विचार : कस्बा भूदेवी वार्ष्णेय इंटर कॉलेज में मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 100 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें कक्षा 12 की छात्रा कोमल चौहान को प्रथम, आयुषी सक्सेना को द्वितीय एवं अहमदनूर को तृतीय स्थान दिया गया।

प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन चरित्र से और संविधान में उनके योगदान से प्रेरणा लेने के लिए बच्चों उत्साहित किया। इस मौके पर प्रदीप कुमार सक्सेना, आरती जैन, सुषमा शर्मा, गीता रानी आदि मौजूद रहे।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 अंतिम सप्ताह में

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

निवेश प्रोत्साहन एवं परियोजना की समीक्षा करते सीडीओ। ● अमृत विचार

- शासन से मिला 3000 करोड़ रुपये निवेश कराने का लक्ष्य

अमृत विचार : प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर सरकार प्रयास कर रही है। इसके चलते निवेश प्रोत्साहन एवं परियोजना क्रियान्वयन के तहत जिले में प्रशासन को तीन हजार करोड़ का निवेश कराने का लक्ष्य मिला है। इस ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 का आयोजन नवंबर के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इस पर सीडीओ ने अधिकारियों के साथ चर्चा की।

कलेक्ट्रेट में हुई बैठक के दौरान सीडीओ केशव कुमार ने अधिकारियों से कहा कि लक्ष्य (3000 करोड़) की पूर्ति के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करें। पिछले दो वर्षों में जो भी निवेश जनपद में स्थापित हुए हैं या वर्तमान में प्रगतिशील हैं। उन निवेश प्रस्तावों की जानकारी उपायुक्त उद्योग कार्यालय में उपलब्ध कराएं।

सीडीओ ने ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 का सफल आयोजन कराने के आदेश अधिकारियों को दिए। उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि अब तक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 6038.34 करोड़ रुपये के 141 एमओयू हस्तारित किए गए।

इनमें से 42 की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की गई, 58 पाइप लाइन में है। वर्तमान ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए 25 कम्पनियों के 1000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

घर में घुसकर अश्लीलता, आरोपी पर एफआईआर दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : उघैती थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने तहरीर देकर बताया कि वह अपने घर पर अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला ऋषभ शराब के नशे में उसके घर में घुस आया।

महिला को बदनीयत से दबोचकर जमीन पर गिरा दिया। गाली-गलौज करते हुए अश्लील हरकतें करने लगा। शोर सुनकर महिला का बेटा आ गया और महिला को बचाने लगा। ऋषभ ने महिला के बेटे की नाक, कान और सिर पर डंडे से वार करके घायल कर दिया। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग आ गए। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में पीलीभीत की टीम विजेता

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- भारत विकास परिषद की ओर से बीआईएमटी कॉलेज में हुई प्रतियोगिता

अमृत विचार : स्कूल व कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद की गौरी शंकर शाखा की ओर से बीआईएमटी कॉलेज में प्रांत स्तरीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रांत के विभिन्न जिलों के आठ कॉलेजों के छात्र-छात्राओं की टीमों ने प्रतिभाग किया। हिंदी व संस्कृत भाषा में गीत गायन का प्रदर्शन किया।

भारत विकास परिषद की पीलीभीत के चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज को पहला, बरेली के शांति अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं को दूसरा, ब्लूमिंगडेल स्कूल के छात्र-छात्राओं को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रांत अध्यक्ष संजीव जोली ने सभी छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। निर्णायक मंडल में सेवानिवृत्त असिस्टेंट प्रोफेसर संगीत मनीषी, डॉ. मदन मोहन लाल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निशि पाठक, मुख्यमंत्री की ओर से बदायूं श्री का सम्मान प्राप्त आयुषी रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग प्रचारक सुधांशु, अति विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता सत्य प्रकाश मौर्य, क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव नरेंद्र अरोड़ा पर्यवेक्षक क्षेत्रीय संयुक्त सचिव नरेंद्र अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।

निष्कासन के विरोध में चल रही हड़ताल खत्म

संवाददाता, उझानी

धरना प्रदर्शन करते कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कस्बे के आंबेडकर पार्क में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष के तानाशाहीपूर्ण रवैये के विरोध में धरना प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी थी। पूर्व जिलाध्यक्ष ने मौके पर पहुंच कर नाराज कार्यकर्ताओं को समझाया और हड़ताल खत्म कराई।

मंगलवार को आंबेडकर पार्क में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन करते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष पूरी तरह तानाशाही पर उतर आए हैं उन्होंने बिना कारण बताए उझानी के नगर अध्यक्ष रियासत खान को हटा दिया गया है जो पूरी तरह गलत है। जिलाध्यक्ष इस तरह किसी पदाधिकारी को नहीं हटा सकते हैं। प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ताओं ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। भूख हड़ताल की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पूर्व जिला अध्यक्ष ओमकार सिंह ने कार्यकर्ताओं को समझा कर शांत किया और आश्वासन दिया कि आप लोगों की शिकायत हाईकमान को पहुंचा दी गई है। इस पर कार्यकर्ताओं ने भूख हड़ताल खत्म कर दी। इस मौके पर पूर्व नगर अध्यक्ष डॉ. अरुण पाराशर, पूर्व महासचिव मुजाहिद रजा खां, व ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रपाल कश्यप मौजूद रहे।

महाकाल का श्रृंगार कर भक्तों ने की पूजा-अर्चना

बिल्सी, अमृत विचार : कस्बे के मुख्य बाजार स्थित कुटी मंदिर पर सोमवार की रात भोलेनाथ के भक्तों ने महाकाल का भव्य श्रृंगार किया। महाकाल के दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

मंदिर में भक्तों ने रुद्राभिषेक किया। उसके बाद महाकाल की आरती कर सभी को प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर मुन्नालाल, उमेश चंद्र हनी, कुलदीप वार्ष्णेय, रंजन माहेश्वरी, अर्पित, सुमित, कुनाल, वाशु आदि का विशेष सहयोग रहा। इधर बंबा चौराहे के निकट स्थित शिव शक्ति भवन मंदिर में भी बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार किया गया। उसके बाद बाबा महाकाल की आरती करके प्रसाद वितरण किया गया।

एसडीएम ने एसआईआर के गणना प्रपत्र वितरित किए

संवाददाता, बिल्सी

- गणना प्रपत्र वितरित कर मतदाताओं को किया जागरूक

अमृत विचार : नगर में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य मंगलवार से शुरू हो गया है। एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने नगर के मोहल्ला संख्या पांच में बूथ नंबर 94 पर बीएलओ के साथ गणना प्रपत्र वितरित कर मतदाताओं को जागरूक किया।

एसडीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का यह कार्य आज से एक माह तक चलाया जाएगा। इसमें विधानसभा क्षेत्र के 389 सभी बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। उन्होंने प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुद्धता पर जोर दिया। कहा कि सभी बीएलओ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की कार्यवाही के दौरान अपने मतदेय स्थल के समस्त मतदाताओं से सम्पर्क करते हुए प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र दो प्रतियों में उपलब्ध कराए और उन्हें गणना प्रपत्र भरने में सहायता प्रदान की जाएगी। बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर एक माह के अंदर गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रह करने का कार्य करेंगे। तहसील कार्यालय से मंगलवार को 100 से अधिक बीएलओ को गणना प्रपत्र उपलब्ध करा दिए गए है। नायब तहसीलदार बदन सिंह यादव, लेखपाल सूरज भारती आदि रहे।

ब्रीफ न्यूज

कार की टक्कर से चाचा की मौत भतीजा घायल

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बरेली मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में बरेली निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला बरेली के थाना फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के गांव कजरौटा निवासी नन्हें लाल (60) अपने भतीजे रिंकू के साथ बाइक से दातागंज आ रहे थे। बरेली मार्ग पर कस्बा समरेर के पास एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार चाचा-भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर दातागंज पुलिस पहुंची। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने नन्हें लाल को मृत घोषित कर दिया। रिंकू का इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

बबराला अमृत विचार : गुन्नौर क्षेत्र के ग्राम सैंजना अहरान निवासी डालचंद मंगलवार सुबह अपने गांव से गुन्नौर की ओर जा रहा था। दोपहर करीब 12 बजे जब वह आगरा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव इटउआ के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डालचंद गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ के लिए रेफर कर दिया।

जिले में 44575 पीएम आवास पूरे, 205 अधूरे

बदायूं, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा की। जिसमे उन्होंने अधिकारियों को अधूरे पड़े आवास का काम जल्दी पूरा कराने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में हुई बैठक में पीडी अखिलेश कुमार चौबे ने सीडीओ ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक कुल 44780 लक्ष्य मिला था। जिसके सापेक्ष 44780 आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से अब तक 44575 आवास पूर्ण कराए जा चुके है। 205 आवासों का निर्माण शेष है। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई तो भूल जाओ सम्मान निधि

536745 किसानों में 270436 ने कराई फार्मर रजिस्ट्री

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- वेबसाइट पर यूनिक कोड डालने के बाद पूरा ब्योरा आएगा सामने

जिले में 5.36 लाख किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होनी है। लेकिन किसान फार्मर रजिस्ट्री कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। अभी जिले में आशा के अनुरूप किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो सकी है। जिस कारण किसानों को फार्मर रजिस्ट्री पाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिलना बंद हो जाएगा।

– **मनोज कुमार**, उप कृषि निदेशक

अमृत विचार : किसान फार्मर रजिस्ट्री कराने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। लेकिन फार्मर रजिस्ट्री न कराने वाले किसानों को सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलेगा। उन्हें अन्य सरकारी योजनाओं से भी वंचित होना पड़ सकता है। जिले में पांच लाख से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होनी है। लेकिन अब तक मात्र 2.70 लाख किसानों के द्वारा रजिस्ट्री कराई गई है। शासन स्तर से योजना का लाभ पाने के लिए किसान अपने निकटतम जन सेवा केंद्र व अन्य स्थानों पर फार्मर रजिस्ट्री कराना करवा सकते हैं।

शासन के आदेश पर कृषि विभाग किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराने पर जोर दे रहा है। यह कार्य पिछले आठ माह से जारी है। कृषि विभाग के अधिकारियों का मानना है कि फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों को तमाम झंझटों से छुटकारा मिल जाएगा। उसके किसी भी कार्य के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। फार्मर रजिस्ट्री के तहत मिलने वाले यूनिक कोड वेबसाइट पर डालने के बाद किसान का पूरा ब्योरा सामने आ जाएगा। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में 5 लाख 36 हजार 745 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होनी हैं। इनमें से अब तक कुल 2 लाख 70 हजार 436 किसानों की ही फार्मर रजिस्ट्री हो सकी है। अधिकारियों का कहना है कि सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री करानी पड़ेगी। बिना इसके अब किसी भी किसान को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं दिया जाएगा।

क्या है फार्मर रजिस्ट्री

डीडी एग्रीकल्चर ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री एक डिजिटल डेटाबेस है। जिसमें किसान की पहचान, भूमि विवरण, फसल जानकारी और संपर्क विवरण दर्ज किए जाते हैं। यह जानकारी राज्य के कृषि विभाग के पोर्टल पर सुरक्षित रहती है और किसी भी सरकारी योजना से जोड़ने में उपयोग होती है। रजिस्ट्री होने पर किसान को अलग-अलग योजनाओं के लिए बार-बार आवेदन नहीं करना पड़ेगा। डिजिटल पहचान के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधा और पारदर्शी तरीके से किसानों तक पहुंचेगा। भूमि और पहचान से जुड़ी सभी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी।

रेलवे फाटक सड़क की मरम्मत शुरू, लोगों ने झेली दिक्कतें

चंदौसी, अमृत विचार: चंदौसी के रेलवे फाटक संख्या 35 बी पर सड़क की जर्जर हालत को देखते हुए रेलवे विभाग ने मंगलवार सुबह से सुधार कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे फाटक को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे स्थानीय लोगों को परेशानियों करना पड़ रहा है।

फाटक के दोनों ओर रेलवे पुलिस बल और ट्रैफिक कर्मियों को तैनात किया गया है ताकि आवागमन नियंत्रित रहे और कोई दुर्घटना न हो सकें। भारी वाहनों को बाईपास मार्ग से मुरादाबाद और बदायूं की ओर मोड़ा गया है। वहीं, दोपहिया और हल्के चार पहिया वाहनों को सीकरी गेट पुलिस चौकी और लक्ष्मणगंज मार्ग से बहतरी फाटक की ओर डायवर्ट किया गया है। रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) के अनुसार, सड़क की मरम्मत के लिए पर्याप्त सामग्री और मशीनरी पहले से ही उपलब्ध करा दी गई है। ऊबड़-खाबड़ हिस्सों को समतल कर सड़क को बेहतर बनाया जाएगा ताकि आने-जाने वालों को फाटक पर झटकों और जाम की समस्या से छुटकारा मिल सके।

बनवास से लौटने पर भगवान कहलाए श्रीराम

रामलीला आरंभ करते विधायक राजीव कुमार सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, उसावां

अमृत विचार : उसावां की रामलीला का आरंभ हो गया है। प्रतिनिहित विधायन समिति के सभापति व दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह ने फीता काटा।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल सिंह चौहान कहा कि राजीव कुमार सिंह ने दातागंज में जितना विकास कराया है यह शायद किसी विधायक ने कराया हो। उन्होंने रामलीला में आकर शोभा बढ़ाई है। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार देश ही नहीं, पूरे विश्व में नाम कमा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और उत्तर प्रदेश के नाम रोशन होने की बात कही। कहा कि रामलीला और सनातन धर्म को हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। भगवान श्रीराम जब बनवास गए थे, तब वह राम थे लेकिन जब वापस लौटे तो वे भगवान बन गए। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि भगवान राम से हम सबको सीखना चाहिए। पूर्व मंडल अध्यक्ष ओम प्रताप सिंह, वर्तमान मंडल अध्यक्ष राहुल कुमार लोधी, वार्ड सभासद उमेंद्र कश्यप, ध्रुव चौहान, राजकुमार सागर, पवन गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता, सोनू आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

उझानी, अमृत विचार : उझानी कस्बा के मोहल्ला अयोध्यागंज निवासी किशोरी ने फंदा लगाकर जान दे दी। अपने घर के बरामदे में कुंडी से फंदा लगाया। परिजन किशोरी को अस्पताल ले गए। चिकित्सक ने मौत घोषित कर दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। आत्महत्या करने के कारण का पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस हर बिंदु पर पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

घटना मंगलवार की है। मोहल्ला निवासी कुलसुम (17) पुत्री अब्दुल सलाम का शव उनके मकान के बरामदे में कुंडी से लटका मिला। कुछ देर के बाद अब्दुल सलाम घर पहुंचे तो दरवाजा बंद था। काफी देर तक खटखटाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने अपने पड़ोसी के साथ मिलकर दरवाजा तोड़ा और भीतर गए। जहां कुलसुम का शव फंदे पर लटक रहा था। वह चिल्लाए तो मोहल्ले के लोग पहुंच गए। परिजनों ने शव को फंदे से उतारा और जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने मौत की पुष्टि कर दी।

कूटरचित तरीके से कराया बैनामा, एफआईआर दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : थाना कादरचौक क्षेत्र के गांव गनियाई निवासी मीरा पत्नी रामकिशोर कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि राजस्व गांव का नाम अभिलेखों के अनुसार उलाई खेड़ा खाम लिखा जाता है। गांव में काफी जमीन कासगंज में रहने वाले लोगों की है।

कायम सिंह और संतोष ने उनके पति से जमीन खरीदने की बात कही। उन दोनों ने पति को एक अन्य व्यक्ति कासगंज के गांव गढ़ी रामपुर निवासी अशोक कुमार से मिलवाया। उसने 8 जुलाई 2024 को आधी जमीन 0.6955 हेक्टेयर जमीन का बैनामा मीरा के नाम पर कराया, जबकि बाकी की जमीन के बैनामा के लिए कुछ समय ले लिया। बैनामा के समय प्रलेखक ने दो गवाह मांगे। अशोक कुमार ने कासगंज के शहबाजपुर म्यासुर निवासी बनवारी और गनियाई निवासी विजन लाल को गवाह बनाया। दोनों के फोटो और आधार कार्ड भी दिए। जिसका दाखिल खारिज भी हो गया। दो जून का सदर कोतवाली पुलिस मीरा और विजन लाल को कोतवाली लाई। उनके खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट के बारे में बताया। पुलिस ने उनका और विजय लाल का चालान कर दिया। बाद में पता चला कि एक व्यक्ति ने अशोक कुमार बनकर उनके नाम पर बैनामा कराया था। उसका असली नाम प्रमोद कुमार है। वहीं दूसरे गवाह बनवारी का असली नाम टिंकू है। महिला का आरोप है कि उन लोगों ने कूटरचित आधार कार्ड भिजवाकर बैनामा करवा लिया है। कोर्ट के आदेश पर आरोपी प्रमोद कुमार, टिंकू, कायम सिंह और संतोष के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्लेडियोलस की खेती करेगी मालामाल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- उद्यान विभाग दो हेक्टेयर भूमि पर कराएगा ग्लेडियोलस की खेती
- खेती करने वाले किसानों को मिलेगा 60 हजार रुपये का अनुदान

अमृत विचार : फूलों की खेती को बढ़ावा दिए जाने के लिए सरकार एकीकृत बागवानी विकास योजना चला रही है। इस योजना के तहत जिले में दो हेक्टेयर भूमि पर ग्लेडियोलस की खेती कराने का लक्ष्य उद्यान विभाग को मिला है। योजना के तहत एक हेक्टेयर भूमि पर खेती करने वाले किसान को 60 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। विभागीय अधिकारी द्वारा किसानों से ग्लेडियोलस की खेती करने के लिए आवेदन मांगे जाने लगे हैं।

जिला उद्यान अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि ग्लेडियोलस के फूल की मांग शादी-ब्याह, होटल सजावट और गिफ्ट की मार्केट में कट फ्लावर के लिए की जाती है। ग्लेडियोलस की खेती कम लागत में हो जाती हैं। इसकी खेती करने वाला किसान लाखों की

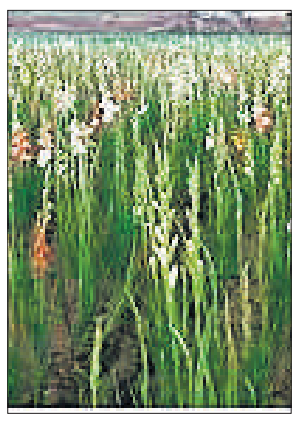

ग्लेडियोलस खेती (प्रतीकात्मक फोटो)

रुपये की आय अर्जित कर सकता है। बताया कि इसकी पत्तियां तलवार जैसी होती हैं। यह फूल बुके, फूलदान और सजावट में खूब पसंद किया जाता है। इसकी बुवाई सितंबर से नवंबर के बीच होती है। इसकी खेती आलू और प्याज की तरह ही होती है। जिसमें कंद का उपयोग बीज की तरह किया जाता है। एक कंद की कीमत 3 से 5 रुपये होती है। कंद लगाने से पहले उसे वेबस्टीन से ट्रीटमेंट करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा न रहे। एक एकड़ भूमि पर लगभग 70 हजार कंद लगाए जा सकते हैं। जिससे करीब डेढ़ से ढाई क्विंटल कंद प्राप्त होते हैं। इन कंदों को किसान या तो बाजार में बेच सकते हैं या अगले सीजन की बुवाई के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। बताया कि ग्लोडियोस की खेती के लिए दो हेक्टेयर का लक्ष्य शासन से मिला है। एक हेक्टेयर भूमि पर खेती करने वाले सरकार की ओर से 60 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। आवेदन मांगे जा रहे हैं।

महिला को बनाया बंधक पति पर किया फायर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव रफी नगर निवासी मुनेश ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उन्होंने पत्नी रामादेव के नाम पर 16 मई 2020 और 06 मार्च 2022 को जमीन के दो बैनामा कराए थे।

पत्नी ने बताया कि दूर का रिश्तेदार गांव सरौरा निवासी मिंटू पति के नाम की जगह जमीन अपने नाम कराने की धमकी देता है। 17 जुलाई 2025 को मिंटू, उसका भाई सर्वेंद्र, कलक्टर, सुरेंद्र, लड़ैते, कप्तान, धान सिंह व अन्य तीन-चार लोग गाड़ी से आए और पत्नी को धमकाकर ले गए। मुनेश मिंटू के घर गए तो उमेश और सत्यपाल ने दुर्व्यवहार किया। 20 जुलाई को सरौरा नगला गए तो वहां मिंटू, सर्वेंद्र, करवेंद्र, कलक्टर, लड़ैते, सुरेंद्र, कप्तान, धान सिंह और अन्य लोगों ने उनकी पत्नी को बंधक बनाकर रखा था। मुनेश को भी बंधक बना लिया। पत्नी के नाम की गई जमीन अपने नाम करने को धमकाया। मुनेश को जान से मारने के लिए फायर किया। पीड़ित ने बताया कि पत्नी उन्हीं के कब्जे में है। शिकायत करने पर भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। जिसके चलते वह कोर्ट की शरण में गए। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नए कानूनों के संचालन को बांटे स्मार्टफोन

कार्यालय संवाददता, बदायूं

स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- नए आपराधिक कानूनों के प्रभारी क्रियांवयन के लिए हुई कार्यशाला

अमृत विचार : रिजर्व पुलिस लाइन स्थित विवेकानंद हॉल में एनसीएल जागरुकता अभियान 2.0 के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। तीन नए आपराधिक कानूनों के सुचारू रूप से संचालन और प्रचार-प्रसार के लिए एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह पुलिसकर्मियों को 652 स्मार्टफोन, 42 टैबलेट, 250 पेन ड्राइव और 25 हार्ड डिस्क वितरित किए।

कार्यशाला का उद्देश्य नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) एक जुलाई 2024 से पूरे देश में लागू हैं। जिनके प्रभावी व व्यवहारिक क्रियांवयन के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित व जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में नए आपराधिक कानून द्वारा देश में एक न्यायोन्मुख, आधुनिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त आपराधिक न्याय प्रणाली की नींव रखना बताया। पुलिसकर्मियों से कहा गया कि वह नए कानूनों के प्रावधानों को भलीभांति समझकर व्यवहार में उतारें। जिससे जिला कानून व्यवस्था के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल जिले के रूप में उदाहरण प्रस्तुत कर सके। एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ लाइन व उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे।

पावरलिफ्टिंग में कुशाग्र ने प्राप्त किया दूसरा स्थान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कुसाग्र को मेडल पहनाते अतिथि।

अमृत विचार : मदर एंथीना स्कूल में कक्षा 11 के छात्र कुशाग्र सक्सेना ने मंडल स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में सब जूनियर बालक वर्ग में 66 किलोग्राम वर्ग में 110 किलोग्राम स्कवेट, 60 किलोग्राम बेंच प्रेस 130 किलोग्राम डेडलिफ्ट कुल 300 किलोग्राम भार उठाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में लगभग 150 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें कुशाग्र सक्सेना ने अच्छा प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुसाग्र सक्सेना ने इसका प्रशिक्षण विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी अखिलेश गुप्ता से लिया था।

विद्यालय की निदेशिका चयनिका सारस्वत ने छात्र कुसाग्र सक्सेना को बधाई दी और कहा कि कुसाग्र सक्सेना ने 66 किलोग्राम वर्ग में आयोजित पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि उनके निरंतर कठिन परिश्रम अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

हाईटेंशन लाइन से छू गया डंपर दो मजदूर झुलसे

कुंवरगांव, अमृत विचार : कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव कसेर से विजय नगला मार्ग पर पीडब्ल्यूडी द्वारा रोड पर निर्माण कार्य चल रहा है। कार्यदायी संस्था का यूसुफ नगर में हाट मिक्स प्लांट लगा हुआ है। जहां से डंपर माल ले जाकर रोड पर डाल रहे हैं। मंगलवार को बरखिन के पास हादसा हो गया। डंपर चालक ने डंपर को ऊपर उठा दिया। डंपर का ऊपर हिस्सा हाईटेंशन लाइन से छू गया। डंपर में करंट आ गया। जिससे दो मजदूर झुलस गए। ठेकेदार ने दोनों मजदूर बिहार परमानंद व विद्यापति को बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

जैन धर्मावलंबियों को सत्कर्म के लिए किया प्रेरित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। ● अमृत विचार

- तीर्थंकर भगवान के जन्म के बाद तप व ज्ञान कल्याणक धूमधाम से मनाया

अमृत विचार : जैन समाज के चार दिवसीय श्री आदिनाथ मज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन तीर्थंकर भगवान के तप व ज्ञान कल्याणक को धूमधाम से मनाया गया। परम तपस्वी आचार्य रत्न श्री 108 वसुनंदी सागर ने उपस्थित जैन धर्मावलंबियों को सत्कर्म करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने जिनेन्द्र भगवान के बारे में प्रवचन के माध्यम से कहा कि पंचकल्याणक जैन धर्म के पांच पवित्र आयोजनों का एक समूह है। जो एक तीर्थंकर के जीवन की पांच प्रमुख घटनाओं गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक का प्रतीक है। तप कल्याणक वह घटना है जब तीर्थंकर सांसारिक जीवन को त्याग कर आत्म-कल्याण के लिए मुनि दीक्षा धारण करते हैं और आत्म-ध्यान में लीन हो जाते हैं। जब तीर्थंकर सांसारिक सुखों को त्याग कर और सब कुछ छोड़कर वन में जाते हैं और आत्म-कल्याण के लिए मुनि दीक्षा ग्रहण करते हैं। केवल ज्ञान कल्याणक जब तीर्थंकर को केवल ज्ञान की प्राप्ति होती है यानी वह केवली बन जाते हैं। जब तीर्थंकर शरीर का त्याग कर कर्मों से मुक्त हो जाते हैं और निर्वाण प्राप्त करते हैं। भगवान के वैराग्य की क्रिया को सजातीय कलाकारों द्वारा मंच नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जिसमें जैन समाज भावुक होकर अश्रुपूर्ण हुआ। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, हर्षवर्धन राजपूत ने आचार्य श्री 108 वसुनंदी सागर से आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन समाज अध्यक्ष अनूप जैन, मृगांक कुमार जैन, जयदीप जैन, अभिषेक जैन, निखिल जैन, अशोक जैन, सिद्धार्थ जैन, संचित, अंकित, शशांक, विनीत कुमार जैन, पिंकुल, सम्यक जैन आदि उपस्थित रहे।

कार के हूटर को लेकर पुलिस और किसान नेताओं में झड़प

संवाददाता,रजपुरा

पुलिस ने नोकझोंक करते नेता।

अमृत विचार: रजपुरा क्षेत्र के गंगा घाट सिसौना डांडा मेला में मंगलवार दोपहर को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों में तीखी नोकझोंक हो गई।

भाकियू नेता हूटर बजाते हुए मेले में जा रहे थे तभी पुलिस ने गाड़ी को रोक लिया। पुलिस ने जब कानून का उल्लंघन कर हूटर बजाने की बात कही तो भाकियू नेता पुलिस से उलझ गए। मामला बढ़ा तो कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे।

किसान नेता विजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि हूटर बजाने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई न करके किसानों को रोका जा रहा है, यह रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। करीब 15 मिनट तक पुलिस व किसान नेताओं की झड़प होती रही। इस दौरान पुलिस भी अड़ी रही कि हूटर तो नहीं बजाने दिया जाएगा। बाद में हूटर हटाने के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। इस संबंध में मेला प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं दिनांक 03.11.2025 को अपने कुछ आवश्यक कार्य करके घर जा रहा था तभी मेरे बैग रास्ते में कहीं गिर गया था। जिसमें मेरी कक्षा 10 की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0835706 और क्रमांक नं. 1066/2710619 था। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शिशु पाल निवासी:- अहिर टोला, उझानी (बदायूं) मो. 9457112130**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र शमशाद व पुत्रवधू फूलजहां को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **नन्हे शाह पुत्र गुलाब शाह निवासी मौहल्ला खना गौटिया सी.बी. गंज जिला बरेली।**

सूचना

मेरे आर्मी नं.- 14838843 P Rank HAV/MT (JANARDHANARAO KALISETTY) मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरे पुत्र का नाम (KALISETTI JASWANTH KUMAR) त्रुटिवश गलत अंकित हो गया है। जबकि वास्तविक सही नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) है, जो आधार कार्ड के अनुसार सही है। **मो. 7674919657**

NOTICE

I, R SHREEDURGA (EXISTING NAME OF WIFE AS PER ARMY RECORDS) IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF NO 2610477M RANK HAVILDAR NAME PRAKASH T PRESENTLY RESIDING AT AMARAVATHI NAGAR VILLAGE, UDUMALPET TALUK, TIRUPPUR DIST, TAMILNADU, PIN-642102. HAVE CHANGED MY NAME FROM R SHREEDURGA TO SHREE DURGA R. VIDE AFFIDAVIT DATED. 30.10.2025

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एल.आई.सी. ऑफ इण्डिया की पॉलिसी संख्या 223489197 में मेरा नाम भूलवश मुहम्मद सुहेब (Mohammed Suheb) अंकित हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम मो. सुहैल पुत्र निजाकत हुसैन (Mo. Suhail S/o Nijakat) है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **मो. हुसैन पुत्र निजाकत हुसैन निवासी ग्राम व पोस्ट क्योलड़िया तहसील नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र बाबूउद्दीन व उसकी पत्नी सबीना को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मुन्ने बक्श पुत्र श्री रहमुल्ली निवासी ग्राम ईंध जागीर परगना व तहसील नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपनी पुत्रवधु पिंकी देवी उर्फ ओमवती पत्नी स्व. पिंटू उर्फ देवेंद्र कुमार, उनकी अविवाहित पुत्री पायल देवी पुत्र रोहित कुमार व अमनदीप पुत्रगण स्व. पिंटू कुमार उर्फ देवेन्द्र कुमार निवासी वारनवादा जहानाबाद पीलीभीत के गलत व्यवहार के चलते उनसे सभी तरह से सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से वेदखल कर दिया है। **पोशाकी लाल पुत्र टीकाराम ग्राम मोहम्मदपुर वकुचिया नवाबगंज बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुभाष को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **गोधन लाल पुत्र नारायन लाल निवासी ग्राम मथुरापुर थाना सी.बी. गंज तहसील व जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पॉलिसी सं. 18024405 में त्रुटिवश मेरा नाम Rajoo अंकित हो गया है जबकि आधारकार्ड, पैनकार्ड व बैंक पासबुक में सही नाम Raju Kumar (राजू कुमार) दर्ज है। **राजू कुमार पुत्र श्री लाल बिहारी राम नि. ग्रा. व पो. चोचकपुर, जिला-गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मोहित को गलत चाल-चलन के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में ये अपने कृत्यों व लेन-देन का स्वयं जिम्मेदार होगा। **कमल किशोर निवासी लखहा मजरा दुलही थाना पदुआ तहसील धौरहरा जिला-खीरी**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार,5 नवंबर 2025

धर्म प्रचार के नाम पर पाकिस्तान घूम रहा मदरसा शिक्षक

संतकबीरनगर और आजमगढ़ के मदरसे सील, एटीएस जांच में कट्टरवाद फैलाने का खुलासा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ब्रिटेन की नागरिकता लेकर जुटा रहा था विदेशी फंड

अमृत विचार : संतकबीरनगर का रिटायर्ड मदरसा शिक्षक मौलाना शमशुल हुदा खान ब्रिटेन की नागरिकता हासिल कर वहां से भारत में कट्टरवाद फैलाने में सक्रिय था। एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) की जांच में खुलासा हुआ है कि वह विदेशों से करोड़ों रुपये के फंड जुटाकर संतकबीरनगर और आजमगढ़ में मदरसों के जरिये कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रहा था। धर्म प्रचार के नाम पर वह कई बार पाकिस्तान की यात्राएं भी कर चुका है। रिपोर्ट के आधार पर उसके खिलाफ दोनों जिलों में मुकदमे दर्ज कर मदरसे सील कर दिये गये हैं।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के मुताबिक, शमशुल हुदा खान वर्ष 2007-08 से ब्रिटेन में रह रहा था और 2013 में उसने वहां की नागरिकता ले ली थी। इस दौरान वह इस्लामी धर्म प्रचार के नाम पर पाकिस्तान समेत कई देशों की यात्राएं करता रहा। जांच में सामने आया कि वह पाकिस्तान में कई कट्टरपंथी मौलानाओं और संदिग्ध व्यक्तियों के संपर्क में था तथा भारत में अपने करीबियों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के संदिग्ध नेटवर्क से जुड़ा हुआ था।

दो मदरसे और एनजीओ का पंजीकरण रद्द

जांच रिपोर्ट के आधार पर आजमगढ़ और संतकबीरनगर स्थित उसके दोनों मदरसे सील कर दिए गए हैं और उनकी मान्यता भी रद्द कर दी गई है। साथ ही उसके एनजीओ रज़ा फाउंडेशन का पंजीकरण भी निरस्त कर दिया गया है। एटीएस अब शमशुल हुदा के विदेशी संपर्कों और वित्तीय नेटवर्क की गहन जांच कर रही है।

एटीएस रिपोर्ट के अनुसार, शमशुल हुदा 1984 में आलिया मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया, मुबारकपुर (आजमगढ़) में सहायक शिक्षक नियुक्त हुआ था। 2007 के बाद भी वह ब्रिटेन में रहते हुए विभाग को धोखे में रखकर 2017 तक वेतन वृद्धि और पेंशन लाभ लेता रहा। जांच में यह भी सामने आया कि वह विदेशों से आने वाले फंड का हिस्सा कमीशन के रूप में अपने पास रखता था।

रविवार को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, संतकबीरनगर की तहरीर पर उसके खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसके अलावा आजमगढ़ में भी उसके खिलाफ दो अन्य मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।

मुख्तार अंसारी से खाली कराई जमीन पर बने फ्लैट की चाबी आज सौंपेंगे योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2,322 वर्गमीटर पर बने 36.65 वर्गमीटर के 72 फ्लैट आवंटित

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को हजरतगंज के पॉश इलाके डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी से खाली कराई गई जमीन पर बने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थियों को फ्लैट की चाबी सौंपेंगे। यह कार्यक्रम डीजीपी आवास के सामने एकता वन में आयोजित किया जाएगा।

सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत डालीबाग की लगभग 2,322 वर्गमीटर अवैध कब्जे वाली भूमि को मुक्त कराया गया था। इसी जमीन पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 36.65 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के 72 फ्लैट तैयार किए हैं। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के अनुसार, तीन ब्लॉकों में बने ये फ्लैट ग्राउंड प्लस श्री स्ट्रक्चर वाले हैं, जिनकी कीमत 10.70 रुपये लाख तय की गई है। योजना की लोकेशन बेहद प्राइम है। बालू अड्डा, 1090 चौराहा, नरही, सिकंदरबाग और हजरतगंज चौराहा यहां से महज 5 से 10 मिनट की दूरी पर हैं। वाह्य विकास कार्यों में सड़क और पार्क का निर्माण भी पूरा हो चुका है। योजना के लिए 4 अक्टूबर से 3 नवंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कराया गया, जिसमें लगभग 8000 आवेदक सामने आए। मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लॉटरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

न्यूज ब्रीफ

18 महानगरों में भाजपा की एकसाथ प्रेसवार्ता

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में भव्य उत्सव मनाएगी। स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका को स्मरण करते हुए प्रदेशभर में जनभागीदारी वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। अभियान संयोजक त्रयम्बक त्रिपाठी ने बताया कि 5 नवंबर को प्रदेश के 18 महानगरों में एक साथ प्रेसवार्ता होगी। लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी संवाद करेंगे, जबकि अन्य शहरों में वरिष्ठ नेता जानकारी देंगे। भाजपा का लक्ष्य है कि हर नागरिक 'वंदे मातरम्' के भाव से जुड़कर देशभक्ति और राष्ट्रगौरव की भावना को मजबूत करे।

वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा के लिए पहल

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा और सुविधा को प्रतिबद्ध है। विभाग पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण संस्थाओं के साथ साझेदारी करेगा और उनके सुझाव पर अमल करेगा ताकि वृद्धाश्रम स्नेह, सुरक्षा और सम्मान के केंद्र बन सकें। प्रदेश के वृद्धाश्रमों के कुशल संचालन पर विचार-विमर्श को प्री-बिड मीटिंग-2025 का आयोजन मंगलवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने की। यहां उनके समक्ष प्रतिनिधियों ने स्थानीय संस्थाओं को प्राथमिकता देने, काउंसलर का पद सृजित करने, अनुभव के आधार पर मानदंडों में लचीलापन देने, तहसील स्तर पर वृद्धाश्रम खोलने और निजी अनुभवों को मूल्यांकन में शामिल करने जैसे कई सुझाव दिए।

मत्स्य पालकों को दें किसान क्रेडिट कार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मत्स्य पालकों के हित में उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड देने पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए एवं इससे मत्स्य पालकों, मछुआरों को लाभान्वित कराया जाए। साथ ही मत्स्य पालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए और उन्हें मत्स्य पालन की नवीन तकनीकों की जानकारी दी जाए ताकि उन्हें मत्स्य पालन में किसी प्रकार की हानि न हो और अधिक से अधिक मत्स्य उत्पादन हो सके। डॉ. संजय कुमार निषाद ने मंगलवार को यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

चावल मिलों को नॉन हाइब्रिड धान कुटाई में 1 फीसदी रिकवरी छूट

मुख्यमंत्री का बड़ा निर्णय, धान कुटाई पर मिला राहत पैकेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राइस मिलों को 167 करोड़ की प्रतिपूर्ति, दो लाख नए रोजगार

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने अन्नदाता किसानों और राइस मिल संचालकों को बड़ी राहत देते हुए नॉन-हाइब्रिड धान की कुटाई में 1 फीसदी रिकवरी छूट देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस निर्णय को मंजूरी दी गई। इस कदम से राज्य के लगभग 13 से 15 लाख किसानों और 2 हजार से अधिक राइस मिलर्स को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार ने इस निर्णय के तहत मिलर्स को 167 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति देने की घोषणा की है।

बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को लोकभवन में पत्रकारों को बताया कि इस राहत से प्रदेश में दो लाख से अधिक नए रोजगार अवसर सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि 1 फीसदी रिकवरी छूट मिलने से राइस मिलों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और सरकारी खरीद प्रक्रिया और तेज व पारदर्शी होगी।

बचेगा खर्च, पीडीएस के लिए नहीं मंगानी पड़ेगी चावल की रैक : वित्त मंत्री ने बताया कि अब प्रदेश को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए चावल की रैक बाहर से मंगानी नहीं पड़ेगी। इससे राष्ट्रीय स्तर पर भी करोड़ों रुपये की बचत होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब आत्मनिर्भर चावल उत्पादन की दिशा में एक नई छलांग लगाने जा रहा है।

हाइब्रिड धान पर पहले से मिल रही छूट : खन्ना ने बताया कि राज्य सरकार हाइब्रिड धान की कुटाई पर पहले से 3 फीसदी रिकवरी छूट दे रही है, जिसके तहत प्रतिवर्ष लगभग 100 करोड़ की प्रतिपूर्ति की जाती है। अब नॉन-हाइब्रिड धान पर दी गई यह अतिरिक्त 1 फीसदी छूट किसानों को और राहत देगी तथा मिलर्स को बेहतर उत्पादन के लिए प्रेरित करेगी।

उद्योगों को थर्ड पार्टी से मिलेगा सर्टिफिकेशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फैसले से उद्योगों को मिली सरकारी निरीक्षण से राहत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में उद्योगों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि अब उद्योग इकाइयां और विभिन्न श्रेणी की फैक्ट्रियां अपने आवेदनों के निस्तारण के लिए थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन सिस्टम का लाभ उठा सकेंगी।

इस व्यवस्था के तहत अब उद्योग विभाग से मान्यता प्राप्त सरकारी संस्थानों के अलावा थर्ड पार्टी एजेंसियों द्वारा निरीक्षण व सत्यापन की रिपोर्ट भी मान्य होगी। अब तक केवल सरकारी विभागों द्वारा निरीक्षण की बाध्यता थी, जिससे आवेदन प्रक्रिया में देरी होती थी। इस निर्णय से राज्य में निवेश को प्रोत्साहन, प्रतिस्पर्धा में वृद्धि और उद्योगों के संचालन में सहजता आएगी। साथ ही, सरकारी नियंत्रण की अनावश्यक बाधाओं को समाप्त कर पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

बैठक में तय हुआ कि अब स्थापना की अनुमति (सीडीई) और संचालन की अनुमति (सीटीओ) के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण रिपोर्ट स्वीकार की जाएगी। राज्य सरकार का यह कदम 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के राष्ट्रीय मानकों में यूपी की रैंकिंग सुधारने के साथ-साथ उद्योगों के लिए समयबद्ध और पारदर्शी वातावरण तैयार करेगा।

ऐसे मिलेगा लाभ

- **निरीक्षण प्रक्रिया में तेजी-** विभागीय निरीक्षण की जगह थर्ड पार्टी से रिपोर्ट मान्य होने पर प्रक्रिया सरल होगी।
- **समय की बचत-** स्वीकृति पाने में लगने वाला समय काफी घटेगा।
- **निवेशकों को भरोसा-** पारदर्शी प्रणाली से निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।
- **औद्योगिक इकाइयों को सुविधा-** बिना देरी के सीटीई और सीटीओ स्वीकृतियां मिल सकेंगी।

फ्लाईओवर निर्माण की धीमी रफ्तार पर योगी नाराज

बिहार चुनाव प्रचार से लौटते ही गोरखपुर में अफसरों को लगाई फटकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में छह लेन हाइवे के निर्माण में देरी पर अधिकारियों को निर्देश देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार चुनाव प्रचार से लौटने पर गोरखपुर के पहले छह लेन फ्लाईओवर निर्माण की धीमी प्रगति पर मंगलवार शाम सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने टीपीनगर चौक से पैडलेगंज मार्ग तक फ्लाईओवर का निरीक्षण किया और कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निगम लिमिटेड के अफसरों को फटकार लगाई।

योगी ने कहा कि मानसून थमने के बाद का समय काम में तेजी लाने के लिए अनुकूल था, फिर भी निर्माण सुस्त क्यों है? उन्होंने निर्देश दिए कि तकनीकी और सामान्य मैनपॉवर बढ़ाकर कार्य को जनवरी 2026 तक हर हाल में पूरा किया जाए। 429.49 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह 2.6 किमी लंबा 6 लेन फ्लाईओवर गोरखपुर का पहला है। फरवरी 2023 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट में 77 पिलरों में से 55 पर स्लैब डल चुके हैं, जबकि भौतिक प्रगति 72 प्रतिशत बताई गई। योगी ने चेताया कि पिलर पर स्लैब डालते वक्त सुरक्षा और सेफ्टी के सभी इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पिलर संख्या 18-19 के पास प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने, सड़क का स्लोप नालों की ओर रखने, और अयोध्या की तर्ज पर खाली जगह का सुंदरीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नालों पर स्लैब डालने, जालियां लगाने और ड्रेनेज सिस्टम को एक माह में पूर्ण करने को कहा। योगी ने दो टूक कहा कि यह फ्लाईओवर गोरखपुर की पहचान बनेगा, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के तेवर देख मौके पर अफसर तुरंत सक्रिय हो गए और देर रात तक निर्माण स्थल पर अतिरिक्त मशीनें तैनात कराई गईं।

प्रदेश में महिलाओं को रात्रि पाली में कार्य की मिलेगी छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रपति की अनुमति के बाद अधिनियम के तहत नई गाइडलाइंस लागू

अमृत विचार : अब महिला कर्मचारियों को भी रात्रि पाली में कार्य करने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते वे अपनी लिखित सहमति दें और सुरक्षा व स्वास्थ्य संबंधी शर्तों का पूरा पालन किया जाए। संशोधित अधिनियम में कर्मकार की लिखित सहमति पर उसे बिना अंतराल के छह घंटे तक कार्य करने की अनुमति भी दी जा सकेगी। इसके अतिरिक्त, कारखानों में कार्य के असाधारण दबाव की स्थिति में राज्य सरकार अब तिमाही आधार पर अतिकाल कार्य की सीमा 75 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे तक कर सकेगी।

दरअसल, राष्ट्रपति द्वारा कारखाना (उप्र. संशोधन) विधेयक, 2024 को अनुच्छेद 201 के अंतर्गत अनुमति दे दी गई है। इस अधिनियम को अब उप्र. अधिनियम संख्या 14 सन् 2025 के रूप में लागू किया गया है। अधिसूचना के अनुसार यह संशोधित अधिनियम 3 अक्टूबर 2025 से प्रभावी है।

इस संशोधन का उद्देश्य राज्य की औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देना, उत्पादन क्षमता बढ़ाना और अधिक रोजगार के अवसर सृजित करना है।

कोडीन युक्त सिरप और नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेशभर में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कोडीन युक्त खांसी की दवाओं और नशीली औषधियों के अवैध भंडारण, बिक्री और वितरण पर कठोर कार्रवाई शुरू की है। अब तक लाखों रुपये की अवैध औषधियां जब्त की गई हैं, 16 मुकदमे दर्ज हुए हैं और 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि अब तक 115 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी और निरीक्षण किया गया है। 115 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं, जबकि संदिग्ध पाई गई दुकानों में से 25 पर कोडीन युक्त सिरप और नशीली औषधियों की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। अभियान नेपाल सीमा से सटे जनपदों के साथ ही हरियाणा, पंजाब और दिल्ली की ओर के जिलों में भी जारी है।

राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ व जौनपुर आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राजस्व मामले के निस्तारण में लखनऊ तो जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर जिले ने फिर बाजी मारी।

जिलावार समीक्षा और निरंतर फॉलोअप से राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर माह में प्रदेशभर में कुल 3,24,897 राजस्व मामलों का निस्तारण हुआ। इनमें राजधानी लखनऊ में सर्वाधिक 15,260 मामले निपटाए गए। प्रयागराज 10,501 मामलों के साथ दूसरे, गोरखपुर 8,165 के साथ तीसरे, कानपुर नगर 7,866 के साथ चौथे और शाहजहांपुर 7,707 के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर लगातार 13वें महीने भी शीर्ष पर रहा। जिले की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के मानक 250 के मुकाबले 480 मामलों का निस्तारण कर 192 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की। लखीमपुर खीरी ने 334 और बस्ती ने 310 मामलों के निस्तारण से क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान पाया। भू-राजस्व वादों के निस्तारण में भी जौनपुर ने बाजी मारी है। गाजीपुर और मीरजापुर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

यूनेस्को की सूची में शामिल होगा जीवाश्म पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सोनभद्र के सलखन जीवाश्म पार्क को लेकर प्रदेश सरकार ने भेजा प्रस्ताव
- लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है पार्क

अमृत विचार : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सोनभद्र में स्थित सलखन जीवाश्म पार्क को यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थलों की स्थायी सूची में शामिल करने का प्रयास गंभीरता से किया जा रहा है। यह पार्क सोनभद्र जिले के सलखन गांव, कैमूर वन्य जीव अभ्यारण्य के पास स्थित है और लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और भारत के सबसे जीवाश्म पार्कों में से एक है। अमेरिका स्थित एलो स्टोन पार्क के बाद भारत का सबसे बड़ा यह जीवाश्म पार्क है।

उन्होंने बताया कि यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थल की स्थायी सूची में शामिल होने से इसकी वैश्विक पहचान और महत्व बढ़ेगा तथा पर्यटन के साथ-साथ वैज्ञानिक शोधों को भी बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में भारत में 43 यूनेस्कों विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 7 प्राकृतिक श्रेणी के है।

140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म संरक्षित

सलखन जीवाश्म पार्क में करीब 1.4 अरब (140 करोड़ वर्ष) पुराने स्ट्रोमैटोलाइट्स जीवाश्म संरक्षित है। जो साइनोबैक्टीरिया (नीली हरित शैवाल) द्वारा निर्मित प्राचीन अवसादी संरचनाएं है। अमेरिका के एलो स्टोन नेशनल पार्क के 500 मिलीयन वर्ष पुराने जीवाश्म और कनाडा के मिस्टेकन प्वाइंट से भी अधिक सलखन के जीवाश्म पुराने हैं। सलखन पार्क पृथ्वी के प्री-कैंब्रियन युग के महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत करता है और जीवन के विकास की वैश्विक भू-विरासत श्रेणी में आता है। यह पार्क पृथ्वी पर प्रारंभिक जीवन और ऑक्सीजनिक प्रकाश संश्लेषण की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

कई सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान-ग्रेटर नोएडा में कई सुपरस्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों को मंजूरी मिली है। वहीं परिसर के 56 एकड़ भूमि पर मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और पैरामेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए राशि भी आवंटित की गई है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में संस्थान की 10वीं शासी निकाय की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंडा पर चर्चा की गई और उन्हें मंजूरी दी गई। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज परियोजना के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को आवंटित 56 एकड़ भूमि पर मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और पैरामेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए दूसरे चरण की राशि आवंटित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। संस्थान में यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, पीडियाट्रिक सर्जरी, क्रिटिकल केयर मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और न्यूरोसर्जरी में सुपरस्पेशलिटी पाठ्यक्रमों सहित फेलोशिप भी शुरू की जाएगी।

शुरुआत | 53 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद को लेकर जारी किया इंडेंट

21 चीनी मिलों ने शुरू की गन्ना पेराई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

समय से भुगतान का निर्देश

गन्ना आयुक्त ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 के दौरान देय गन्ना मूल्य का त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश सभी मिलों को जारी कर दिए गए हैं। कुछ चीनी मिलों ने किसानों को भुगतान शुरू भी कर दिया है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता यह है कि किसानों को किसी भी प्रकार की देरी न हो और हर गन्ना मूल्य का भुगतान नियमानुसार समय से किया जाए।

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की ओर से गन्ना मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि के बाद प्रदेश में गन्ना पेराई सत्र 2025-26 की औपचारिक शुरुआत हो गई है। राज्य की 21 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारंभ होने के साथ 53 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद को लेकर इंडेंट जारी कर दिया है। सरकार का लक्ष्य है कि सभी मिलें नवंबर के दूसरे सप्ताह तक पूर्ण क्षमता से संचालित हो जाएं, ताकि किसानों को समय से भुगतान और गेहूं की बुवाई के लिए खेत खाली मिल सकें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में गन्ना किसानों को बड़ी राहत देते हुए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की ऐतिहासिक वृद्धि की है। इससे प्रदेश के 45 लाख से अधिक गन्ना किसानों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है। गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस. ने बताया कि प्रदेश की 21 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारम्भ हो चुका है। इनमें सहकारी क्षेत्र की एक और निजी क्षेत्र की 20 चीनी मिलें शामिल हैं।

सहारनपुर परिक्षेत्र की 5, मेरठ परिक्षेत्र की 8, मुरादाबाद परिक्षेत्र की 2 और लखनऊ परिक्षेत्र की 6 चीनी मिलों ने पेराई कार्य शुरू कर दिया है।

प्रदेश में गन्ना पेराई की स्थिति

- कुल चीनी मिलें - 122
- पेराई शुरू करने वाली मिलें- 21
- इंडेन्ट जारी करने वाली मिलें- 53
- शीघ्र शुरू होने वाली मिलें- 69
- गन्ना मूल्य वृद्धि - 30 प्रति क्विंटल

इसके अलावा, अन्य 32 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद के लिए इंडेंट जारी कर दिया है, जो अगले कुछ दिनों में पेराई शुरू कर देंगी। शेष 69 मिलें भी शीघ्र संचालित होने वाली हैं।

निष्क्रिय 15 जिलों की कमेटी भंग, बनाए गए नए प्रभारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल, साथ में अन्य।

- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रांतीय बैठक में लिया फैसला

अमृत विचार : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, युवा व्यापार मंडल और महिला इकाई के प्रदेश पदाधिकारियों की सांगठनिक बैठक राजधानी के एक निजी होटल में मंगलवार को हुई। इसमें सांगठनिक दृष्टि से निष्क्रिय होने पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने प्रदेश के 15 जनपदों की इकाइयों को भंग कर दिया। इन जनपदों के प्रभारियों को दायित्व निर्वहन की जिम्मेदारी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सक्रिय व्यापारियों को ही जिम्मेदारी दी जाए।

इनमें अवध क्षेत्र से बहराइच, श्रावस्ती तथा बलरामपुर, गोरक्ष क्षेत्र से आजमगढ़, कानपुर व बुंदेलखंड क्षेत्र से बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट, काशी क्षेत्र से गाजीपुर, भदोही, ब्रज क्षेत्र से मैनपुरी, कासगंज, पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अमरोहा, रामपुर, बुलंदशहर आदि जिले हैं। इन जिलों में प्रभारी नियुक्त करते हुए 15 दिसंबर तक नई कमेटियों का गठन करने की जिम्मेदारी अवध क्षेत्र से युवा प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता एवं महिला महामंत्री एकता अग्रवाल को दी गई है।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल ने प्रत्येक विधानसभा में संगठनात्मक इकाई के गठन के लिए 31 दिसंबर तक का समय तय किया। युवा प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने युवा नई प्रदेश कार्यकारिणी पर चर्चा की। प्रदेश प्रवक्ता सुरेश छाबलानी ने बताया कि बैठक में प्रदेश से आए पदाधिकारियों में संतोष गुप्ता, प्रदीप द्विवेदी, सुशील गुप्ता, सुनील सिंह चौहान, शाह आलम मंसूरी, गौरी शंकर चौधरी, ओमिक सोनी, चंद्र भान गुप्ता, अतुल कुमार गुप्ता, शोभित टंडन, भगवती प्रसाद गुप्ता, कौस्तुभ वैश्य, अरविंद गांधी, मनोज बंका, विपिन गुप्ता, हिमांशु मालवीय, अमर बहादुर सिंह, धीरेन्द्र जायसवाल, बृजेंद्र सिंह, महबूब अली, संजय गुप्ता, जगदीश रायतानी, अनुज गौतम, जावेद बेग, शुभम मौर्या, आकाश गौतम, संजयनिधी अग्रवाल समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गंगा उत्सव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में गंगा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिल्पी गुप्ता, महानगर अध्यक्ष भाजपा, एवं प्रो. अनुराग अग्रवाल, उप प्राचार्य स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। डा. रानू दुबे के नेतृत्व में छात्राओं ने नाट्य मंचन, गीत, नृत्य व कविता प्रस्तुत कीं। गंगा स्वच्छता रंगोली प्रतियोगिता शैली तिवारी व शालिनी श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित हुई।लाइव प्रश्नोत्तरी में महक, खुशी गुप्ता, अलंकृता, शिवानी, श्रद्धांजलि विजेता रहीं जबकि लूडो प्रतियोगिता में गीतांजलि प्रथम व अल्पना द्वितीय रहीं।

कार्यक्रम में डीपीओ डॉ. विनय कुमार सक्सेना, प्रो. अनुराग अग्रवाल, मयंक भदौरिया, अरविंद मिश्रा, मुकेश परिहार सहित अनेक अतिथि मौजूद रहे। वक्ताओं ने गंगा संरक्षण, जल स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डा. रानू दुबे ने किया।

कृषि भूमि एक वर्ष के लिए 2.70 लाख में नीलाम

जैतीपुर, अमृत विचार : थाना गढ़िया रंगीन को वर्ष 2011 में आवंटित 122 बीघा कृषि भूमि को एक वर्ष के लिए ठेके पर देने के लिए थाना परिसर में खुली बैठक सीओ तिलहर ज्योति यादव की अध्यक्षता एवं प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन की मौजूदगी हुई। लोगों में सबसे अधिक बोली रपड़िया नवादा के अनिल कुमार ने दो लाख सत्तर हजार रुपये लगाकर टेंडर अपने पक्ष में लिया।

गन्ना लदाई उतराई के नाम पर रुपये वसूले तो होगी कार्रवाई

पेराई सत्र 2025-26 में चीनी मिलों के संचालन को लेकर डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक

- बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के बिना नहीं चलेगी चीनी मिल मकसूदापुर
- गन्ना ढुलाई में सुरक्षा मानकों और ट्रॉली पंजीकरण को लेकर दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मंगलवार को पैराई सत्र 2025-26 के संचालन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद की सभी चीनी मिलों के इकाई प्रमुख/महाप्रबंधक गन्ना, जिला गन्ना अधिकारी, एआरटीओ, बाट माप निरीक्षक, थानाध्यक्ष, सचिव एवं एससीडीआई सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि चीनी मिल मकसूदापुर गत पैराई सत्र के बकाया गन्ना मूल्य का पूर्ण भुगतान किए बिना संचालन प्रारंभ नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि बकाया भुगतान नहीं किया जाता, तो मिल का संचालन रोका जाएगा। डीएम ने यह भी कहा कि गन्ना क्रय केंद्रों पर किसानों से लदाई-उतराई के नाम पर किसी भी प्रकार की राशि वसूली नहीं की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति या संस्था ऐसा करती पाई गई, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी गन्ना केंद्रों पर इस आशय का बोर्ड स्पष्ट रूप से लगाया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि गन्ना ढुलाई करने वाले सभी वाहनों पर रिफ्लेक्टर पट्टी लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा ट्रकों के पीछे लाल कपड़े में त्रिकोण आकार का रिफ्लेक्टर चिन्ह लगाया जाए। ट्रकों के डाले में गन्ना दो फीट से अधिक ऊंचाई तक नहीं भरा जाए। डीएम ने गन्ना ढुलाई में लगे बड़े ट्रॉलों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए और कहा कि ट्रॉलों की सूची तुरंत चीनी मिलों द्वारा प्रस्तुत की जाए। उन्होंने निगोही चीनी मिल को विशेष रूप से निर्देश दिए कि पैराई सत्र के दौरान सड़क पर जाम या यातायात बाधा की स्थिति न बने। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रेस मड की निकासी के दौरान पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए निर्धारित मात्रा में ही ढुलाई की जाए। साथ ही गन्ने की सूखी पत्तियां जलाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

इस संबंध में फ्लेक्सी बोर्ड और प्रचार-प्रसार के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जाए। यदि कोई किसान सूखी पत्तियां जलाते पाया गया तो उसका सट्टा पूरे सत्र के लिए बंद कर दिया जाएगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में पैराई सत्र 2025-26 को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

उन्होंने बाट-माप निरीक्षक को निर्देशित किया कि सभी धर्मकांटों की नियमित जांच करें और मानक के अनुरूप बाटों की उपलब्धता सुनिश्चित रखें। सभी थानाध्यक्षों को आदेश दिए गए कि दुर्घटना की स्थिति में गन्ने से भरी ट्राली को थाने में खड़ा न किया जाए, बल्कि उसे सीधे चीनी मिल तक पहुंचाया जाए ताकि फसल खराब न हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार, डीसीओ जितेंद्र कुमार, एआरटीओ सर्वेश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीआरसी कलान परिसर में वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का अभिनंदन करते शिक्षक।

टीएफआई के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- संजय सिंह बोले -शिक्षकों का अहित किसी भी कीमत पर नहीं होने देंगे

अमृत विचार: टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री संजय सिंह का शनिवार को कलान आगमन पर शिक्षकों ने स्वागत किया।

बीआरसी कलान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे और फूलमालाएं पहनाकर महामंत्री का अभिनंदन किया। संजय सिंह ने कहा "छात्रों की डिजिटल उपस्थिति संबंधी आदेश पूर्णतः अव्यावहारिक हैं।

उन्होंने शिक्षकों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा "किसी भी शिक्षक का अहित नहीं होने दिया जाएगा, शिक्षक समुदाय की सुरक्षा और सम्मान हमारी जिम्मेदारी है।" उन्होंने बताया कि पुराने शिक्षकों को टीईटी कराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में 5 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। संजय सिंह ने कहा कि शिक्षकों के हितों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से निरंतर वार्ता जारी है और शीघ्र ही सकारात्मक समाधान की उम्मीद है।

इस दौरान ब्लॉक उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद पांडे ने अंतर्जनपदीय स्थानांतरण को प्रमुख मुद्दा बनाए जाने की मांग की, जिसका सभी शिक्षकों ने एक स्वर में समर्थन किया। इस दौरान अरविंद सिंह, अवनीश यादव, राहुल तोमर, अरविंद सिंह, धीरेंद्र यादव, ऐराज मियां, दुर्गा प्रसाद पांडे, जावेद अख्तर, नरसिंह बहादुर सिंह, हिमांशु भदौरिया, मनोज मिश्रा, सतीश कुमार सिंह, पुष्पेंद्र यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यालय ग्रा.पं. खाता नवदिया वि.खं. भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत खाता नवदिया में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् है-ईंट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.11.2025 से 07.11.2025 अपरान्ह 2 बजे तक जमा की जाती है जो उसी दिन सायं 4 बजे खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	अंसार अहमद के घर से मेवाराम के घर तक सी.सी. व नाली कार्य	236000/-
2.	वाजिद अली के घर से मो. अब्बास के घर तक सी.सी. व नाली कार्य	120000/-

जाहिद अली-ग्राम प्रधान नरेश चन्द्र सागर-सचिव

कार्यालय नगर पालिका परिषद लखीमपुर खीरी

पत्रांक: 1608/जननिर्माण/एम.बी.एल./2025-26 दिनांक: 03.11.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, नगर विकास अनुभाग-5 लखनऊ के पत्र संख्या-842/2025/नौ-5-2025/नौ-5-2025/001-/001- Com.No.1913285 दिनांक 29 मार्च, 2025 द्वारा पेयजल हेतु व्यवस्था योजना की प्रथम किश्त के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में विभिन्न श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से पेयजल कार्यो हेतु दिनांक 03.11.2025 सायं 05:00 बजे से दिनांक 24.11.2025 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक प्रतिशत दर के आधार पर ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से निम्न विवरणानुसार निविदा में प्रतिभाग कर सकते हैं।

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि- 03.11.2025 सायं 05:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि- 24.11.2025 पूवान्ह 11:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से टेक्निकल बिड निविदा खोलने की तिथि- 25.11.2025 अपरान्ह 04:00 बजे से।
4. फाइनेन्शियल बिड टेक्निकल बिड स्वीकृत होने के उपरान्त खोली जायेगी।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी व शर्तो के लिए कृपया वेबसाइट http://etender.up.nic.in एवं www.npplakhimpur.in पर लॉगिन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

संजय कुमार
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, लखीमपुर

डॉ. इरा श्रीवास्तव
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, लखीमपुर

अवधि निर्दिष्ट नहीं हो तो पासपोर्ट केवल एक वर्ष के लिए ही वैध

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- हाईकोर्ट ने की पीलीभीत के रहीमुद्दीन की याचिका खारिज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पासपोर्ट की वैधता को लेकर कहा कि यदि सक्षम आपराधिक न्यायालय पासपोर्ट जारी करने की अनुमति दे, लेकिन अवधि निर्दिष्ट न करे, तो पासपोर्ट प्राधिकरण केवल एक वर्ष के लिए वैध पासपोर्ट जारी कर सकता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने पीलीभीत के रहीमुद्दीन की याचिका खारिज करते हुए की।

रहीमुद्दीन ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा दी गई अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के आधार पर दस वर्ष के लिए पासपोर्ट पुनः जारी करने की मांग की थी, जबकि उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 447 और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 3 के तहत आपराधिक मामला लंबित है। सीजेएम कोर्ट से एनओसी मिलने पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, बरेली ने एक वर्ष की वैधता (20 जनवरी 2025 से 19 जनवरी 2026) वाला पासपोर्ट जारी किया था। याची ने तर्क दिया कि अनुमति मिलने के बाद पासपोर्ट अधिनियम, 1967 में निर्धारित पूर्ण अवधि लागू होनी चाहिए। परंतु पासपोर्ट प्राधिकरण ने विदेश मंत्रालय की 25 अगस्त 1993 की अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा कि जब न्यायालय अवधि नहीं बताता, तब पासपोर्ट केवल एक वर्ष के लिए जारी किया जा सकता है। कोर्ट ने मंत्रालय की अधिसूचना, पासपोर्ट अधिनियम और नियमों का परीक्षण कर कहा कि यदि न्यायालय आदेश में अवधि निर्दिष्ट नहीं करता, तो पासपोर्ट की वैधता स्वतः एक वर्ष तक सीमित रहेगी

सत्ता नहीं, व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई लड़ रही पार्टी : अनुप्रिया पटेल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बोलीं, 30 वर्ष के संघर्ष में प्रदेश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गए हम लोग

अमृत विचार : अपना दल (एस) के स्थापना दिवस पर अर्बन हाट में आयोजित सम्मेलन में कार्यकर्ताओं के जोश ने माहौल को पूरी तरह चुनावी रंग में रंग दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं रासायन उर्वरक राज्यमंत्री व अपना दल सोनेलाल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने सम्मेलन में अपनी पार्टी के 30 वर्षों के सफर को व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई बताया।

कहा कि उनके पिता डॉ. सोनेलाल पटेल ने सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि हमेशा व्यवस्था परिवर्तन की बात कही थी। अपना दल आज भी सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई लड़ रही है। समाज के जो वर्ग अब तक पीछे हैं, उन्हें आगे लाना हमारा उद्देश्य है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंच पर पहुंचते ही जिलाध्यक्ष एड. अनुज गंगवार की तारीफ की और मुस्कराते हुए कहा कि बरेली की यह भीड़ हमारी पार्टी के लिए नई ऑक्सीजन है। इस भीड़ ने बता दिया कि अपना दल अब सिर्फ पूर्व की पार्टी नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की ताकत है। कहा शुरू में थोड़ा डर लग रहा था बरेली में कार्यक्रम है, लेकिन अब तो लगता है कि हम पश्चिम में भी अपनी जमीन मजबूत कर चुके हैं। कहा स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि इतिहास के पन्ने पलटने और संकल्प दोहराने का दिन है। विधायक दल के नेता रामनिवास वर्मा, विधायक बिंदकी जय कुमार सिंह जैकी, सरोज कुरील, रश्मि आर्य, सुरभि, स्वार विधायक शफीक अंसारी, सुनील पटेल, अविनाश चंद्र द्विवेदी, पूर्व संसद नागेंद्र पटेल, करुणा शंकर पटेल, रमेश चंद्र कुंडे, रेखा वर्मा समेत कई जिलों से विधायक, पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्थापना दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करतीं राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

पत्रांक 3624/ई0 – टेण्डर / 4ए दिनांक: 30.10.2025

आन-लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आन लाइन ई-निविदा (स्वीकृति की प्रत्याशा में) दिनांक 06.11.2025 से दिनांक 15.11.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 15.11.2025 को ही अपरान्ह 12: 30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज + जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त तिकोला पुल की पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग की मरम्मत का कार्य।	21.45	2.15	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
2	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में गुल्लाह से अजीत नगला वाया कुठला रसूलपुर मार्ग पर आबादी में सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य।	29.10	2.91	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
3	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत चौक मनोरथपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0, नाली निर्माण एवं शेष भाग की मरम्मत का कार्य।	32.40	3.24	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
4	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त दरियागंज से अंटा सम्पर्क मार्ग सम्पर्क मार्ग सम्पर्क मार्ग की मरम्मत का कार्य।	7.90	0.79	856.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
5	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त बाढ से क्षतिग्रस्त भरतापुर चिकटिया से पहाड़पुर सम्पर्क मार्ग सम्पर्क मार्ग की मरम्मत का कार्य।	11.50	1.15	856.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
6	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुरादाबाद फर्रूखाबाद मार्ग से लखनपुर सम्पर्क मार्ग आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।	33.40	3.34	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
7	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त कटरा सिउरा से वैवहा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत का कार्य।	24.10	2.41	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
8	कादरदादपुर लिन्थरा सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	16.80	1.68	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)
9	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत एल0बी0 मार्ग के किमी0 – 49। से भैसटाकलां सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0, नाली निर्माण एवं शेष भाग की मरम्मत का कार्य।	16.45	1.65	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)

निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http:/etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0
शाहजहाँपुर

UP – 239896 दिनांक: 03/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोनिवि बदायूं।

पत्रांक 3045 / निविदा / 2025 दिनांक 28 / 10 / 2025

अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियंता, प्रा0ख0,लो0नि0वि0, बदायूँ के कार्यक्षेत्रान्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरों पर दिनांक 10.11.2025 से दिनांक 18.11.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से सम्बन्धित समस्त अभिलेखों एवं नियम / शर्तों का भली-भाँति परीक्षण कर लें। ई-निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 18.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

क्र0 स0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू लाख में)	धरोहर धनराशि (रू लाख में)	निविदा मूल्य रूपये में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत दातागंज समरेर बल्लिया(अजिमा) मार्ग के किमी0-2 से 9 में थर्मोप्लास्टिक पेंट से सेन्टर / ऐज लाइन लगाने का कार्य।	12.00	1.20	856	1 Month	ए0बी0सी0डी0 (रोड साइनेज)
2	दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत विनावर विलहत तुगलापुर मूसाझाग (अ0जि0मा0) मार्ग पर थर्मोप्लास्टिक एवं सडक सुरक्षा का कार्य।	17.30	1.73	944	1 Month	ए0बी0सी0डी0 (रोड साइनेज)

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तें बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, बदायूँ

UP – 239823 दिनांक: 03/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जलभराव और जर्जर सड़क का किया निरीक्षण

संवाददाता, निगोही

- नगर पंचायत अध्यक्ष बोले- समस्या के समाधान को जल्द उठाएंगे ठोस कदम

अमृत विचार: नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा ने मंगलवार को अपने सभासदों के साथ शाहजहांपुर-पीलीभीत नेशनल हाईवे पर हमजापुर चौराहे के पास जलभराव, जर्जर सड़क और नाले की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को जल्द सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि नाले की नियमित सफाई न होने से जलभराव की स्थिति बनी रहती है, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी असुविधा होती है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत जल्द ही नाले की सफाई और सड़क मरम्मत का कार्य प्रारंभ करेगी ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

निरीक्षण में उपस्थित सभासदों ने भी अध्यक्ष के प्रयासों का समर्थन किया और नगर क्षेत्र को स्वच्छ और सुगम बनाने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष ने कहा कि नगर पंचायत का दायित्व है कि जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने साफ कहा कि जनहित से जुड़ी किसी भी समस्या पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर समस्या के समाधान के लिए स्वयं मैदान में उतरकर कार्य किया जाएगा।

हिमांशु एनकाउंटर मामले में सुनवाई टली

विधि संवाददाता, बरेली: छात्र हिमांशु गिहार एनकाउंटर मामले में मंगलवार को मुल्जिम के अधिवक्ता की स्थगन अर्जी आने के कारण अंतिम बहस पर सुनवाई टल गयी। कोर्ट ने सुनवाई को 17 नवंबर की तिथि नियत की है।

फरीदपुर के गांव गुलाबनगर में शाहजहांपुर के छात्र हिमांशु का 19 साल पहले कटरा थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पीछा करते हुए एनकाउंटर कर दिया था। मामले में 19 अगस्त 2006 को शाहजहांपुर कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। तत्कालीन एसओ दिनेश कुमार सिंह, सिपाही कमलेश, सुरेश व अंजनी पांडेय को नामजद किया गया। घटनास्थल फरीदपुर थाना क्षेत्र का था जिसके चलते केस फरीदपुर ट्रांसफर किया गया था। शासन के आदेश पर केस सीबीसीआईडी को ट्रांसफर कर दिया गया था। सीबीसीआईडी ने चारों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट भेजी थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 2890 / ई-निविदा / 2025-26 दिनांक 28 / 10 / 2025

ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 06.11.2025 से 15.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की गयी हैं, जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.11.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

S.No.	Name of Work	Name of Division	Estimate Cost (In Lacs)	Bid Security (In Lacs)	Tender Fee (Stationary Charges + GST)	Date Of Completion	Category
1	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली में ऑवला -अलीगंज-गैनी के किमी0 1 से 14 मे रोड साइनेज का कार्य।	Executive Engineer CD-1, P.W.D., BLY	28.30	2.83	944.00	01 माह	A, Signage Work
2	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली में मीरगंज में सिरौली चौराहा से मीरगंज तहसील तक रोड साइनेज का कार्य।	Executive Engineer CD-1, P.W.D., BLY	2.48	0.25	679.00	01 माह	A, Signage Work

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, बरेली

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 239812 दिनांक: 03/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

किसान की जेब काट 40 हजार रुपये चोरी

संवाददाता, जलालाबाद/शाहजहांपुर

- मूंगफली बेचकर कटरा जा रहा था किसान, आरोपी मौके से हुआ फरार

अमृत विचार: मंडी से मूंगफली बेचकर किसान टेंपो से कटरा जा रहा था। टेंपो में सवार एक जेबकतरे ने उसकी जेब काट ली और 40 हजार रुपये पार कर लिया। जेबकतरा अपने साथी की बाइक पर बैठकर भाग गया।

कटरा थाना क्षेत्र के गांव जगन्नाथपुर निवासी रामऔतार सोमवार को मूंगफली लेकर जलालाबाद मंडी में बेचने के लिए आया था। उसने मंडी में 40 हजार रुपये की मूंगफली बेची। रुपये जेब में रखकर वह मंडी से चौराहे तक पैदल आए। चौराहे से टेंपो पर कटरा के लिए बैठ गए। उनके पड़ोस में एक युवक बैठा था। अतिवरा गांव के निकट उसने किसान की जेब काट ली और 40 हजार रुपये निकाल लिए। जेबकतरे ने चालक को पैसे दिए और कहा कि टैंपो रोक दी। चालक ने टैंपो धीरे किया तो इस दौरान जेबकतरा टैंपो से उतरकर पीछे बाइक से आ रहे अपने साथी की बाइक पर बैठकर भाग गया। किसान ने अपनी जेब देखी तो उसकी जेब कटी थी और रखे रुपये नहीं थे। किसान के रुपये चोरी हो जाने से टैंपो पर बेहोश हो गया। लोगों ने उसे समझाया। पीड़ित किसान जलालाबाद थाना पर गया और 40 हजार रुपये चोरी होने की तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

खुद पर विजय प्राप्त करना, लाखों शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है।
–महावीर स्वामी

नाभिकीय त्रिकोण में हम

ट्रंप ने यह धमाकेदार रहस्योद्घाटन कर सब को चौंकाना चाहा कि पाकिस्तान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया गुप्त भूमिगत परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप के अधिकांश बयानों की भांति उनका कथन सुर्खियां तो बटोर ले गया, लेकिन उनके कथ्य पर सत्य और तथ्य की मुहर नहीं लगी। उनके दावे की पुष्टि किसी विश्वसनीय और खुले स्रोत से नहीं हुई। परमाणु सामग्री-शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी इन गुप्त भूमिगत परीक्षणों के बारे में खामोश है, आरोपी पाकिस्तान ने किसी न्यूक्लियर एक्सप्लोसिव परीक्षण से इनकार किया तो चीन ने भी अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन कर दिया, हालांकि जैसे ट्रंप विश्वसनीय नहीं हैं, उसी तरह चीन और पाकिस्तान भी, सो ट्रंप की बात आधारहीन है तो पाकिस्तान और चीन का इनकार भी। संभव है अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को यह पता हो पर पुष्टिकारक स्रोत के अभाव में वे सार्वजनिक दावा नहीं कर रही। मुमकिन है कि ट्रंप का बयान खुफिया सूत्रों के हवाले से हो।

ट्रंप की बात पर इसलिए भी कान तो दिया जा सकता है कि वर्तमान वैश्विक परमाणु हथियार-और-प्रदर्शन परिदृश्य में इसके संकेत मिल रहे हैं, जैसे रूस का पोसीडोन अंडरवाटर न्यूक्लियर ड्रोन परीक्षण। ट्रंप ने कहा है कि यदि दूसरे देश परीक्षण कर रहे हैं, तो अमेरिका भी पीछे नहीं रहेगा, तो क्या अपने नाभिकीय परीक्षणों के लिए वे इस बयान तथा भभकी की आड़ ले रहे हैं। जो भी हो पारंपरिक युद्ध क्षमताओं के सीमित विकल्पों के बाद परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा एवं रणनीतिक निरोध-क्षमता को मजबूत करने, क्षेत्रीय दबदबा बढ़ाने के लिए यदि वास्तव में रूस-चीन-पाकिस्तान गुप्त परीक्षण कर रहे हैं, तो यह स्थिति भारत के लिए चिंतनीय है, क्योंकि वह चीन और पाकिस्तान जैसी परमाणु ताकतों के त्रिकोण में अवस्थित है।

भारत ने 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है, इस नए परिदृश्य तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हमें बिना पुष्टि के अति प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। गुप्त परीक्षणों के प्रति सक्रिय मॉनिटरिंग व इंटेलिजेंस के जरिए अपने संज्ञान एवं निगरानी-संस्थान मजबूत करने के साथ अपने रक्षा-रणनीति का पुनराकलन करना होगा। प्रतिद्वंद्वी देश सक्रिय हैं, तो निष्क्रिय बने रहना रणनीतिक कमजोरी होगी। भारत को स्पष्ट करना चाहिए कि वह हथियार के 'नो फर्स्ट यूज' नीति का हामी है, पर तकनीकी रूप से सुरक्षा-आवश्यकतानुसार परमाणु प्रणालियों का परीक्षण तथा पड़ताल अवश्य करेगा। परीक्षण न हो तो भी मौजूदा हथियार प्रणालियों, कमांड-कंट्रोल संयंत्र इत्यादि को परीक्षण-सक्षम बनाना चाहिए। सीटीबीटी और एनपीटी जैसे समझौतों पर हस्ताक्षर न करने की स्थिति में भारत परमाणु परीक्षणों के लिए किसी की अनुमति का मुखापेक्षी नहीं है। उसे अमेरिका के दबाव में कतई नहीं आना चाहिए। इस बारे में सतर्क दृष्टिकोण अपनाते हुए अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखनी चाहिए। मजबूत वैश्विक दबाव में आने के बजाए, भारत सामरिक संवाद एवं निरस्त्रीकरण की स्थापना पर खुद पहल ले। फिलहाल जहां ट्रंप के दावे अपुष्ट हैं, वहीं रणनीतिक रूप से यह संकेत भी हैं कि परमाणु-प्रतिस्पर्धा पुनर्जीवित हो रही है।

प्रसंगवश

प्रकाश पर्वः 'नाम जपो, किरत करो, वंड छको'

जिस समय गुरु नानक देव जी का प्रकाश हुआ, हिन्दुस्तानवासियों की राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक दशा बहुत दयनीय थी। ठगी, चोरी, फरेब, धोखाधड़ी, चालाकी, मक्कारी का बोल-बाला था। गुरु नानक देव जी ने मलार राग में श्री गुरु ग्रंथ साहिब में अंग 1288 पर अंकित वाणी में वर्णन किया 'राजे सीह मुकदम कुत्ते। जाये जगाइन्ह बैठे सुत्ते। चाकर नहदा पाइन्ह घाउ। रतु पितु कुतिहो चटि जाहु।' सारा धर्म-करम सिर्फ माया के लिए ही होता था। 'कादी कूड़ बोल मल खाइ। ब्राह्मण नावै जीया घाइ। जोगी जुगति न जाणै अधुं। तीने ओजाडे का बंधु।'

पिता कल्यान दास मेहता जी (पटवारी) के घर में माता त्रिपता जी से नानक जी जब जन्मे, तब दाई दौलतां, हंसते हुए बालक को देखकर स्तब्ध रह गईं। कुछ समय बीतने के बाद पुरोहित पंडित गोपाल दास ने नाम नानक रखा। नानक जी की बहन का नाम बेबे नानकी जी, जो कि बाबा नानक जी से पांच वर्ष बड़ी थीं। बटाला निवासी मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी जी से नानक जी का विवाह हुआ, जिनसे उनके दो पुत्र बाबा श्री चंद जी एवं बाबा लख्मी दास जी हुए।

मालिक सिंघ कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा, बरेली

पांच साल की उम्र में जब पांधे के पास पढ़ने गए, तो पांधे से ॐ के अर्थ पूछने लगे। पांधे के पास उनकी बातों का कोई जवाब नहीं था। ऐसे ही काजी के पास जब फारसी पढ़ने गए, शब्दों के अर्थ पूछने लगे। न बताने पर फुरमायाः 'यक अरज गुफतम पेसि तो दर गोसि कुन करतार'। थोड़े बड़ा होने पर पिता ने गुरु नानक को व्यापार करने के लिए 20 रुपये दिए। रास्ते में मिले भूखे साधुजनों को भोजन कराने में 20 रुपये खर्च कर दिए। उनके पिता को जब यह जानकारी प्राप्त हुई, गुस्से में उन्होंने नानक जी को बहुत डांटा, लेकिन राय बुलार, जोकि बाबा नानक को पहचान चुके थे, उन्होंने कहा, नुकसान की आपूर्ति मैं कर देता हूं। नानक को आज के बाद कभी भी कुछ न कहा जाए।

गुरु नानक देव जी ने चार उदासियां कीं-

पहली उदासी- पूरब (1500-1505)- इस यात्रा में गुरु नानक देव जी ने पंजाब सुल्तानपुर लोधी से हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल, सिक्किम, भूटान, ढाका, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, चटगांव से होते हुए बर्मा (म्यांमार) की यात्रा की व सुल्तानपुर लोधी वापिस आ गए।

दूसरी उदासी- दक्षिण (1506-1509)- सुल्तानपुर लोधी से यात्रा में गुरु नानक देव जी ने पश्चिमी पंजाब (पाकिस्तान), सिंध, समुद्री तट के इलाके घूमते हुए गुजरात, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु के तटीय इलाकों से होते हुए श्री लंका की यात्रा की।

तीसरी उदासी- उत्तर करतारपुर से (1514-1516) की। इस यात्रा में गुरु नानक देव जी ने हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तिब्बत (सुमेर पर्वत का इलाका) होते हुए लेह-लद्दाख, कश्मीर, अफगानिस्तान (काबुल), पश्चिमी पंजाब की यात्रा की और वापस करतारपुर साहिब आ गए।

चौथी उदासी- पश्चिम करतारपुर साहिब से (1519-1521 ई)। इस यात्रा में गुरु नानक जी ने मुल्तान, सिंध, बलोचिस्तान, जैदा, मक्का की यात्रा की और मदीना, बगदाद, खुरमाबाद, ईरान (यहां उनके साथी भाई मरदाना का निधन हो गया था), इसफाहान, काबुल, पश्चिमी पंजाब से होते हुए करतारपुर साहिब लौटे। गुरु नानक जी का मुख्य सिद्धांत था- 'नाम जपो, किरत करो, वंड छको' यानी ईश्वर का नाम जपना (नाम जपो), ईमानदारी से मेहनत करना (किरत करो) व कमाया धन दूसरों में बांटना (वंड छको)।

कनाडा से सुधरते रिश्ते शुभ संकेत

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ वाली नीतियों से ऊब चुका कनाडा अब भारत से रिश्ते तेजी से सुधारने में लगा हुआ है। टैरिफ के विरोध में कनाडा द्वारा प्रकाशित किए गए विज्ञापन से नाराज ट्रंप ने ट्रेड डील संबंधी वार्ता को न सिर्फ रद्द किया, बल्कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को सार्वजनिक माफी मांगने के लिए भी मजबूर किया। कार्नी ने माफी तो मांग ली, लेकिन उनके मन में यह टीस अब भी कायम है। यही वजह है कि कार्नी ने भारत के साथ उन सभी विवादित मामलों को सुलझाने के संकेत दिए हैं, जो उनके पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री के कार्यकाल में उपजे थे।

कार्नी ने एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के बाद एलान किया कि कनाडा तेजी से नई साझेदारियों को विकसित कर रहा है। दुनिया के सबसे तेज बढ़ता क्षेत्र एशिया-पैसिफिक है, जो ग्लोबल इकोनॉमी का 60 प्रतिशत हिस्सा है। भारत वहां सबसे अहम पार्टनर बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी सीधी मुलाकात तो नहीं हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत निरंतर चल रही है। दोनों देशों के विदेश मंत्री भी इस संबंध में बातचीत कर रहे हैं।

कार्नी भारत की अहमियत को समझ रहे हैं। उन्हें इस बात का एहसास है कि ट्रंप ने टैरिफ के दम पर ही जापान समेत दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को झुका लिया और मनमाफिक व्यापार समझौता भी कर लिया, लेकिन प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप की एक न चलने दी। उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि उनके लिए भारत के किसानों, श्रमिकों और नौजवानों का हित ही सर्वोपरि है। उनके इस संदेश के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के सुर बदले हैं और वे अब फिर लगातार विभिन्न मंचों पर मोदी की तारीफ कर रहे हैं। भारत लगातार विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता कर रहा है। भारत और कनाडा के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता राजनीतिक तनाव के कारण 2023 से रुकी हुई है। कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दोनों देशों ने पुनः बातचीत शुरू की है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस पर सहमति बन जाएगी और समझौता हो जाएगा। हाल ही में कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद ने भारत दौरै पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी और ट्रेड, एनर्जी और क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर बातचीत हुई थी।

यहां यह बताना जरूरी है कि 2023 में खालिस्तानी आतंकी की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्ते खराब हो गए थे। कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने तो आतंकी की हत्या में भारत का हाथ बता दिया था, लेकिन कार्नी की पहल के बाद अब उम्मीद जगी है कि दोनों देश अपने रिश्ते को पटरी पर लाने के लिए लालायित हैं। इससे कनाडा के साथ ही भारत को भी फायदा होगा।

भारत सरकार भी विभिन्न समझौतों के जरिए अपने निर्यात को बढ़ाने में लगी हुई है। ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ से चर्म उत्पाद समेत कई उत्पादों के निर्यातकों के करोड़ों के आर्डर रद्द हुए हैं। ऐसे में भारत की कोशिश है कि जल्द से यूरोपियन यूनियन, यूरेशियन यूनियन समेत कई और संघों से मुक्त व्यापार समझौता हो जाए। अगले साल मार्क कार्नी भारत आ सकते हैं। उनके इस दौरे पर कई अहम समझौते भी होने की उम्मीद है। अमेरिका ने भारत, ब्राजील के साथ ही चीन पर भी टैरिफ का दांव खेला था, लेकिन बाद में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों की बैठक में टैरिफ की वजह से आई तल्खी न सिर्फ कम हुई, बल्कि ट्रंप ने टैरिफ कम करने पर सहमति भी जताई।

50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद न सिर्फ भारत का चीन में निर्यात तेजी से बढ़ा है, बल्कि यूरोपीय देशों में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ी है। अमेरिका से ट्रेड डील में आ रही अड़चनों से कनाडा भी परेशान है। यही वजह है कि भारत से खराब हुए रिश्ते को सुधारकर अपने उत्पादों की पहुंच भारत के बाजार तक और आसान करने की कोशिश मार्क कार्नी कर रहे हैं।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों की बढ़ती सक्रियता भारत के लिए चिंता का विषय है। भारत सरकार कनाडा की हुकूमत से लगातार उन पर शिकंजा कसने की मांग करती रही है। इस दिशा में भारत की कूटनीतिक स्तर पर हुई बातचीत सफल होती दिख रही है। अगर खालिस्तानी आतंकियों पर कनाडा कार्रवाई करता है, तो निश्चित रूप से भारत से उसके रिश्ते और बेहतर होंगे। अन्य समझौते चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हों या व्यापार के क्षेत्र में आसानी से हो सकेंगे। दोनों देशों के बीच गैस, हाइड्रोजन और जैव ईंधन जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में साझेदारी पर सहमति बन चुकी है। यह समझौता होने पर भारत की 'नेट जीरो' ऊर्जा नीति को मजबूती मिलेगी और कनाडा को एशियाई ऊर्जा बाजार में बड़ा सहयोगी मिल जाएगा।

भारत और कनाडा, टोरंटो में 2026 में पहली 'क्रिटिकल मिनरल्स एनुअल डायलॉग' बैठक आयोजित करने जा रहे हैं। इस बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाने हैं। यह भारत की बैटरी, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडस्ट्री के लिए अहम होगी। चूंकि कनाडा और भारत दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से परेशान हैं, ऐसे में विभिन्न क्षेत्रों में समझौते होने में कोई दिक्कत नहीं आएगी, ऐसा आर्थिक विशेषज्ञ भी मानते हैं।

भारत और कनाडा, टोरंटो में 2026 में पहली 'क्रिटिकल मिनरल्स एनुअल डायलॉग' बैठक आयोजित करने जा रहे हैं। इस बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाने हैं।

आमने सामने

पीएम बिहार में ऐसे घूम रहे हैं, जैसे उनके बेटे की शादी हो। मोदी नीतीश कुमार को डुबाने की चाल चल रहे हैं और चुनाव के बाद उन्हें किनारे कर अपने किसी चेले को मुख्यमंत्री बना देंगे। नीतीश जी को दूध में से मक्खी की तरह निकाल दिया जाएगा।
–मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

अगर कांग्रेस के युवराज की शादी होती है, तो प्रधानमंत्री मोदी उसमें भी शामिल होंगे। ये लोग पहले हिंट एंड रन की राजनीति करते हैं, फिर माफी मांग लेते हैं। सरकार बनने पर हम इनको गंगाजल से शुद्ध करेंगे। भाजपा ने नीतीश कुमार को लेकर साफ नारा दिया है– 2025 में नीतिशे कुमार।
–गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

बिहार चुनाव में निर्णायक होंगी महिला वोटर

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

बीते कुछ दशकों से बिहार की आधी आबादी, पुरुष मतदाताओं के मुकाबले सर्वाधिक मतदान कर रही हैं। वो अपने बूते जिसे चाहें उसे सत्ता सौंपने का मादा रखती हैं। हालिया, कुछ चुनावी सर्वेक्षण इस बार भी ऐसे ही संकेत दिखा रहे हैं। सर्वे बताते हैं कि बिहार चुनाव में महिलाएं लैंगिक सियासत की बदलती गतिशीलता की नई तस्वीर पेश करेंगी। हिंदी पट्टी वाले राज्यों में चुनावी समर में पुरुषों के मुकाबले महिला ज्यादा बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती हैं, जिनमें बिहार सबसे अव्वल है। चुनाव चाहे सांसदी के हों या विधानसभा के या फिर पंचायत के, सभी में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत सर्वाधिक रहा है। पूर्व के इन आंकड़ों को देखते हुए बिहार चुनाव में तकरीबन सभी सियासी दल महिला वोटरों पर ही ज्यादा दांव लगा रहे हैं। कुल मिलाकर, बिहार का मौजूदा चुनावी गणित आधी आबादी के ईद-गिर्द ही घूम रहा है।

इस बार भी महिला वोटर शांत दिखाई पड़ता है। महिलाएं चुनावी झूठे वादों में फंसेंगी या नहीं? चुनावी वायदों को महिलाएं अपने नजरिए से परख रही हैं। बिहार के चुनावी उत्सव में चाहे महिला वोटर हों या विधायक, एकाध दशकों में इनकी भागीदारी सरकारों में भी रही है। विधानसभा-2020 में महिला उम्मीदवारों ने रामनगर, धमदाहा, प्राणपुर, कोढ़ा, गौराबौराम, गोपालगंज, राजापाकर, महनार, कटोरिया, मोकामा, मसौढ़ी, संदेश, नोखा, नरकटियागंज, बेतिया, केसरिया, परिहार, बाबूबरही, फुलपरास, त्रिवेणीगंज, शेरघाटी, बाराट्टी, हिसुआ, बारसलीगंज और जमुई में विजयी पताका लहराया था।

महिलाओं के लिए मौजूदा विधानसभा-2025 चुनाव यह निर्धारित करेगा कि जनकल्याण के माध्यम से सशक्तीकरण वास्तविक स्वायत्ता में तब्दील होता है या सिर्फ चुनावी सुविधा ही बनकर रह जाएगा। पिछले आंकड़ों को देखकर भाजपा का पूरा फोकस महिलाओं पर है। तभी उन्होंने चुनाव तारीखों की घोषणा से पूर्व ही 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' स्कीम के तहत लगभग 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में दस-दस हजार रुपये की नकद धनराशि पहले ही भेज दी।

पैसा पाकर महिलाएं खुश जरूर हैं, लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि वह 'नोट के बदले वोट' देंगी भी या नहीं? इस स्कीम पर महिलाओं को संशय इसलिए है कि ये घोषणा नीतीश कुमार ने नहीं, बल्कि दिल्ली से प्रधानमंत्री द्वारा हुई, क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी एक घोषणा उन्हीं के द्वारा की गई थी, जो अभी तक लागू नहीं हुई है। इन सभी तथ्यों की समीक्षाएं महिलाएं इस बार कर रही हैं। महिला वोटरों को रिझाने में कोई भी सियासी दल पीछे नहीं हैं? सभी अपनी-अपनी हैसियत के अनुसार वादा कर रहे हैं? जबकि, बिहार में दूसरा सबसे मजबूत दल आरजेडी ने तो प्रत्येक परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी देने की भी घोषणा की है।

चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में 100 में 48 फीसदी वोटर महिलाएं हैं। पिछले चुनाव में रिकॉर्ड 40 फीसदी मतदान महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में किया था। इतनी वोटिंग इस बार भी जिस दल के पक्ष में होगी, वही बाजी मारेगा, हालांकि पिछले विधानसभा-2020 के चुनाव में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी का एलान किया था, तो उस एलान को महिलाओं ने हाथों-हाथ लिया।

वोटरों के अलावा उम्मीदवार के तौर भी दर्जनों महिलाएं इस बार भी मैदान में हैं। 11 विधानसभाओं में 10 पुरुष वोटरों की तुलना में 9 महिला मतदाता हैं। 11 विधानसभा क्षेत्रों से ही लिंगानुपात ठीक होने पर महिला विधायक निर्वाचित हुईं, जिनमें त्रिवेणीगंज, धमदाहा, कोढ़ा, राजापाकर, कटोरिया, संदेश, शेरघाटी, बाराचट्टी, हिसुआ, वारसलिगंज और जमुई विधानसभा शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव-2020 में एनडीए के लिए शराबबंदी का वादा तुरुप का पत्ता साबित हुआ था। महिलाओं ने खुलकर जेडीयू का समर्थन किया था, हालांकि वह वादा धरातल पर उतना कारगर साबित नहीं हुआ, जितने की उम्मीद महिलाएं लगाकर बैठी थीं, क्योंकि लोग शराब अब पी रहे हैं। ऐसा भी नहीं हुआ कि शराबबंदी के बाद बिहार में शराब का कहीं कोई टोटा दिखा हो। जितनी चाहो उतनी शराब तस्कर शराब मुहैया करवा देते हैं। चोरी-छिपे धड़ल्ले से शराब की तस्करी जोरों पर है। शराबबंदी में शराब माफिया चांदी काट रहे हैं। प्रशासनिक मिलीभगत से अवैध शराब का धंदा खूब फलफूल रहा है। इसलिए इस बार महिलाओं का रुझान किधर मूव करेगा, ये भी कहना जल्दबाजी होगा।

महिलाएं निर्णायक भूमिका में होंगी, ये बात नीतीश से लेकर प्रधानमंत्री, तेजस्वी यादव भी जानते हैं। वहीं, महाराष्ट्र की तरह इस चुनाव से भाजपा अपना स्वयं का प्रभुत्व स्थापित करना चाहती है। इस दिशा में उन्होंने जेडीयू और अपने लिए बराबर-बराबर सीट बांटकर पहला कदम बढ़ा भी दिया है। दोनों दल 101-101 सीटों पर लड़ रहे हैं। चुनाव परिणाम में अगर भाजपा की एक भी सीट इस दफे ज्यादा आई तो उनका मुख्यमंत्री बन सकता है। सवाल यह है कि अगर ऐसा हुआ तो क्या नीतीश कुमार फिर से पलटी मारने में देर करेंगे? जो भी हो, बिहार में चुनाव अपनी उफान पर है और महिला वोटर शांति से गुणा-गणित में लगी हैं। निश्चित ही वह इस बार भी किंग मेकर होंगी।

बीते कुछ दशकों से बिहार की आधी आबादी पुरुष मतदाताओं के मुकाबले सर्वाधिक मतदान कर रही है। ये महिलाएं अपने बूते जिसे चाहें उसे सत्ता सौंपने का मादा रखती हैं।

सोशल फोरम

एक लेखक पिता का पत्र प्रेमी पुत्र के नाम

नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी लेखक जॉन स्टेइनबेक के बेटे को सूज़ैन नाम की एक लड़की से प्रेम हो गया था। उसने पिता को पत्र लिखकर इस बारे में बताया। जवाब में पिता ने बेटे को हिदायतों भरा जो यादगार खत लिखा, उसे पढ़ें...

राजीव थेपड़ा
ब्लॉगर

न्यू यॉर्क
नवंबर 10, 1958
मेरे बेटे टॉम,

तुम प्रेम में हो- इससे अच्छी बात कोई दूसरी नहीं हो सकती और कभी भी किसी को इसे छोटा या हलका बनाने की इजाजत मत देना, लेकिन प्रेम कई प्रकार का होता है। एक तो होता है स्वार्थी, अहंकारी किस्म का प्यार, जिसमें हम स्वयं को ही अधिक महत्व देने की कोशिश करते हैं। यह कुरूप है।

दूसरा होता है वैसा प्यार, जिसमें हम अपने भीतर की तमाम अच्छाइयों, कोमलता, उदारता, सम्मान और सुंदरताओं को किसी पर उंडेल देना चाहते हैं। इस प्रेम में हम किसी का महज सामाजिक शिष्टाचारवश सम्मान नहीं करते, बल्कि अपने जीवन में एक अनूठे और मूल्यवान व्यक्ति होने के लिए उसका आदर करते हैं।

पहले तरह का प्यार तुम्हें ओछा और कमजोर बना सकता है, लेकिन दूसरे तरह का प्यार तुम्हें मज़बूत, साहसी, नेक और यहां तक कि बुद्धिमान भी बनाएगा। अगर तुम दूसरी तरह के प्रेम में हो, तो प्रसन्न होओ और इसके लिए कृतज्ञता के भाव से भर जाओ।

हम जिसे प्यार करते हैं, वह हमारे लिए सबसे सुंदर हो जाता है और उसके योग्य बनने के लिए हमें भी उतना ही सुंदर बनना होता है, यह याद रखो। प्रेम को व्यक्त करने में हर्ज नहीं, किंतु यह स्मरण रहे कि कुछ लोग बहुत शर्मीले होते हैं और इसे कहते समय आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

कई बार ऐसा भी होता है कि जो भावनाएं हमारे मन में हैं, हमें वैसी ही दूसरी तरफ से नहीं मिल पातीं। इसके अनेक कारण हो सकते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि इससे आपकी भावना तुच्छ या मूल्यहीन हो जाती है। और हां, कभी भी जल्दबाजी मत करना, क्योंकि जीवन में जो भी अच्छा होता है, वह कभी आपसे दूर नहीं जाता। तुम सूज़ैन को लेकर घर पर आओ। मुझे और तुम्हारी मां को उससे मिलकर बहुत अच्छा लगेगा।

बहुत सारा प्यार,
तुम्हारा पापा!

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

भारत का भविष्य बेहतर करेगी हरित ऊर्जा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली नवंबर 2021 को ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन– सीओपी26 के दौरान जब पंचामृत संकल्प की घोषणा के तहत वर्ष 2070 तक 'नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन' लक्ष्य रखा, तो उन्होंने यह स्पष्ट कहा था कि भारत विकास करेगा पर प्रकृति के साथ। इस दृष्टिकोण ने भारत को जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) पर निर्भरता से मुक्त कर हरित ऊर्जा की राह पर आगे बढ़ाया। मोदी सरकार की प्रमुख पहल प्रधानमंत्री सौर घर मुफ्त बिजली योजना ने आम जनता को इस परिवर्तन का सहभागी बनाया। इस योजना के तहत लाखों परिवारों ने अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाए हैं। नतीजा यह है कि अब वे हर महीने 200-300 यूनिट मुफ्त बिजली पा रहे हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी अर्जित कर रहे हैं।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की गृहिणी बताती हैं कि पहले हर महीने बिजली का बिल देना पड़ता था। अब सौर पैनल से घर चल रहा है और 1500 रुपये की बचत भी हो रही है। यह उदाहरण बताता है कि हरित ऊर्जा केवल पर्यावरण के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिक के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए भी वरदान साबित हो रही है। सौर ऊर्जा केवल घरों तक सीमित नहीं रही। अब गांवों में स्कूल, पंचायत भवन और छोटे उद्योग भी सौर बिजली से चल रहे हैं। राजस्थान का भड़ला सौर पार्क, जो 14,000 एकड़ में फैला है, दुनिया का सबसे बड़ा सौर पार्क है।

हरित ऊर्जा का दूसरा मजबूत स्तंभ है पवन ऊर्जा। तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्य अब देश की बिजली जरूरतों का बड़ा हिस्सा हवा से पैदा कर रहे हैं। 2025 में शुरू हुई ऑफशोर विंड एनर्जी योजना के तहत समुद्र तटों पर विशाल टरबाइन लगाए गए हैं, जिनसे 15 गीगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह न केवल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का उदाहरण है, बल्कि इससे तटीय इलाकों में रोजगार और पर्यटन के अवसर भी बढ़े हैं। वहीं भारत ने हरित हाइड्रोजन मिशन के जरिए विश्व को चौंका दिया है। 2030 तक भारत पांच मिलियन टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु में बड़े संयंत्रों की स्थापना हो चुकी है। इसका उपयोग भविष्य में रेलवे, उद्योग और जहाजरानी में किया जाएगा। यह पहल न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाएगी, बल्कि भारत को स्वच्छ ऊर्जा निर्यातक राष्ट्र बनाएगी।

किसानों की बात करें तो सरकार की कुसुम योजना ने ग्रामीण जीवन को नई दिशा दी है। अब तक देशभर में 35 लाख से अधिक सौर पंप लगाए जा चुके हैं। पहले जो किसान बिजली कटौती और डीजल खर्च से परेशान थे, अब वे सौर ऊर्जा से दिन-रात खेती कर पा रहे हैं। राजस्थान के टोंक जिले में किसान बताते हैं कि पहले महीने में 2000 रुपये का डीजल खर्च होता था, अब वही पैसा बच रहा है और सौर पंप से बिना रुकावट सिंचाई हो रही है। यह योजना सीधे किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है।

भारत की यह पहल इस दृष्टि से भी प्रासंगिक है कि यह देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रही है। पहले भारत तेल और गैस के लिए आयात पर निर्भर था, लेकिन अब सौर घर योजना, कुसुम योजना और हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से देश खुद अपनी ऊर्जा पैदा कर रहा है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत हो रही है, बल्कि लाखों नए रोजगार भी सृजित हो रहे हैं। ग्रामीण भारत में किसान अब सौर पंपों से फसलें सींच रहे हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी बढ़ा रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

भारतीय संस्कृति की धरोहर
मल्लिका-ए-गजल बेगम अख्तर

बात 1974 की है, राजधानी दिल्ली में सर्दी का असर थोड़ी जल्दी महसूस होने लगा था। दिन छोटे और ठंडे हो चले थे। कनॉट प्लेस के नरूलाज होटल के बाहर मल्लिका-ए-गजल बेगम अख्तर के करीब दो दर्जन चाहने वाले उनका ऑटोग्राफ लेने के लिए इंतजार कर रहे थे। तारीख थी 15 अक्तूबर 1974। बेगम अख्तर राजधानी प्रवास के दौरान इधर ही ठहरती थीं। उन्हें उसी शाम को विज्ञान भवन में अपना कार्यक्रम पेश करना था। बेगम अख्तर विज्ञान भवन जाने से पहले अपने शैदाइयों से मिलीं। उनके विज्ञान भवन में पहुंचते ही वहां हलचल बढ़ गई, उनका सबको इंतजार था। कुछ लम्हों के बाद जब बेगम अख्तर मंच पर आईं, तो बेकरार श्रोता झूम उठे। लाल साड़ी में वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उनके नाक में चमकती सोने की लौंग और उंगलियों में अंगूठियां दूर से दिखाई दे रही थीं। मुस्कुराते चेहरे के साथ वो मंच पर आईं और अपने चाहने वालों का स्वागत किया।

विवेक शुक्ला
नई दिल्ली

संगतकारों ने तबला-हारमोनियम बजाना शुरू किया, तो बेगम अख्तर ने सुदर्शन फाकिर की लिखी गजल 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' गाकर महफिल की शुरुआत की। उनके गाते ही विज्ञान भवन 'वाह-वाह' से गूंजने लगा। बेगम अख्तर ने पहली गजल खत्म करने के बाद श्रोताओं को सांस लेने का भी मौका भी नहीं दिया। फिर उन्होंने अमर गजल गानी शुरू कर दी- 'यूं तो हर शाम उम्मीदों में गुजर जाती है आज कुछ बात है, जो शाम पे रोना आया' बेगम अख्तर पूरे जोश में थीं। सूर साधक और संगीत के कार्यक्रम आयोजित करने वाले अमरजीत सिंह कोहली (स्मृति शेष) भी विज्ञान भवन में मौजूद थे। कोहली जी बताते थे, 'वो दिल्ली में बेगम अख्तर की यादगार महफिल थी। उनकी सुरीली आवाज ने सबको मदहोश कर दिया था।'

महिलाओं के लिए खोली नई राह

उनकी शुरुआती जिंदगी संघर्षपूर्ण रही। मां की मृत्यु के बाद, उन्होंने पटना में उस्ताद इमदाद खान से संगीत सीखा। बेगम अख्तर ने महिलाओं के लिए संगीत जगत में नई राह खोली। 1945 में शादी के बाद भी, उन्होंने मंच नहीं छोड़ा। पद्म भूषण और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित हुईं। उनकी गायकी में सूफी प्रभाव और लोक संगीत की मिठास है, जो आज भी प्रासंगिक है। वो अब हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज आज भी जीवंत है। बेगम अख्तर न केवल गायिका थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की धरोहर हैं। उनकी आवाज दर्द की भाषा बोलती है।

गायकी में झलकती थी प्रेम और जीवन की सच्चाई

विज्ञान भवन में रात के 10 बज चुके थे और बेगम अख्तर ने अपनी मशहूर गजल 'मेरे हमनफस मेरे हमनवा मुझे दोस्त बनके दगा न दे...' गाना शुरू किया। श्रोता सुरूर में आ चुके

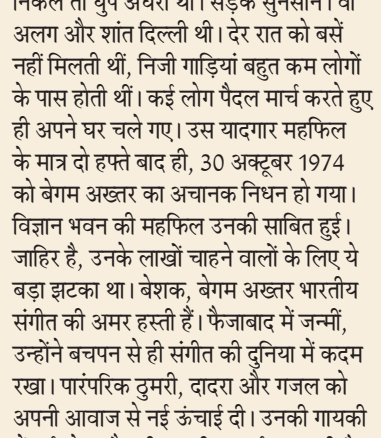

थे। सारा माहौल गजलमय हो चुका था। बेगम अख्तर गाते वक्त मंद-मंद मुस्कुरा भी रही थीं। इस गजल को उन्होंने करीब 40 मिनट तक गाया। इसके बाद उन्होंने कुछ देर तक विश्राम किया, लेकिन कोई अपनी सीट से हिलने को तैयार नहीं था। सब गजल की महफिल में डूबे हुए थे। इसके बाद उनके चाहने वाले गुजारिश करने लगे कि वो 'ये न थी हमारी किस्मत कि विसाल-ए-यार होता, अगर और जीते रहते ...' गजल अवश्य सुनाएं। उन्होंने श्रोताओं की मांग को सहर्ष माना। उस महफिल का आखिरी नगीना थीं- 'ये न थी हमारी किस्मत कि विसाल-ए-यार होता...।' बेगम अख्तर और उनकी सोने सी आवाज के दीवाने तृप्त हो चुके थे। आखिरी गजल गाते हुए वो पूरी तरह छाई हुई थीं। इस गजल ने उनके शैदाइयों को पागल कर दिया था। महफिल रात 12 बजे के आसपास खत्म हुई। बेगम अख्तर की परफॉर्मेंस से संतुष्ट श्रोता, जब विज्ञान भवन से बाहर निकले तो घुप अंधेरा था। सड़कें सुनसान। वो अलग और शांत दिल्ली थी। देर रात को बसें नहीं मिलती थीं, निजी गाड़ियां बहुत कम लोगों के पास होती थीं। कई लोग पैदल मार्च करते हुए ही अपने घर चले गए। उस यादगार महफिल के मात्र दो हफ्ते बाद ही, 30 अक्टूबर 1974 को बेगम अख्तर का अचानक निधन हो गया। विज्ञान भवन की महफिल उनकी साबित हुई। जाहिर है, उनके लाखों चाहने वालों के लिए ये बड़ा झटका था। बेशक, बेगम अख्तर भारतीय संगीत की अमर हस्ती हैं। फैजाबाद में जन्मीं, उन्होंने बचपन से ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। पारंपरिक ठुमरी, दादरा और गजल को अपनी आवाज से नई ऊंचाई दी। उनकी गायकी में दर्द, प्रेम और जीवन की गहराई झलकती है, जो श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती है।

रेगिस्तान की रेत पर रंगों का मेला

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 किमी दूर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। मेले में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है, जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य-गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं। पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो, भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है, क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊंट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊंट, घोड़े और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है।

रमेश सर्राफ
धमोरा

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी तथा ऊंट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊंट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊंट, घोड़े और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे- कुश्ती और कबड्डी तथा ऊंट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस साल संपन्न हुए मेले में काफी संख्या में पशुपालक अपने पशु लेकर आए थे, जिनकी संख्या में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई। इस बार पशु मेले में ऊंटों की संख्या के बजाय घोड़ों की संख्या धीरे-धीरे कम होती जा रही है। मेले में विदेशी अधिक थी। पर्यटकों की भी संख्या पहले से दोगुनी रही है। इस बार मेले में करीबन पांच हजार से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल हुए थे। मेले के प्रारंभ में पुष्कर के 52 घाटों पर सवा लाख दीप जलाकर पूरे पुष्कर शहर को दीपों की रोशनी से जगमगा दिया गया था।

पर्यटन विभाग की ओर से क्रिकेट मैच, साफा बांधों और तिलक कॉम्पिटीशन के साथ ही मूंछ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। क्रिकेट मैच देसी और विदेशी टीमों के बीच खेला गया, जिसमें भारत की जीत हुई। वहीं मूंछ कॉम्पिटीशन में 80 इंच की मूंछों वाला एक रेलवे कर्मचारी भी आया, जिसने अपनी मूंछों से प्रतियोगिता में तीर-बाण चलाए। मूंछ कॉम्पिटीशन में कई प्रतिभागी लाखों की ज्वेलरी पहनकर आए। मूंछ कॉम्पिटिशन में 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राजस्थान और अन्य राज्यों से भी प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें मारवाड़ और मेवाड़ के ज्यादा पार्टिसिपेंट्स शामिल हुए थे। इनमें बैंक और रेलवे नर्सिंग कर्मचारी, ऑफिसर पीटीआई टीचर सहित अन्य लोगों ने अपनी मूंछों का प्रदर्शन किया।

अजमेर के पुष्कर मेला मैदान में बीकानेर से एक पशुपालक 800 किलो का मुर्रा नस्ल का भैंसा लेकर रेतीले धोरों में पहुंचा। इसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है। केकड़ी के अश्वपालक राहुल जेतवाल अपने 17 सफेद रंग के घोड़े-घोड़ियों के साथ मेले में पहुंचे हैं, जिनमें सबसे खास है 5 साल का घोड़ा बादल। यह लगातार तीसरी बार पुष्कर मेले में आया है। राहुल ने बताया कि बादल ने अब तक 285 बच्चों का बाप बन चुका है। फिलहाल उसकी 120 घोड़ियां गर्भवती हैं। नुगरा नस्ल के इस घोड़े की ऊंचाई अब 68 इंच से भी अधिक हो चुकी है। वे इसे बेचने नहीं, बल्कि सिर्फ प्रदर्शन के लिए लाए हैं, लेकिन व्यापारी इसे खरीदने के लिए 11 करोड़ देने को तैयार हैं। इसके अलावा मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

महाभारत में भी है पुष्कर का उल्लेख

महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है, तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारों धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थराज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है, तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल बैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मंदिर में नारद जी की मूर्ति। एक मंदिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इंकार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया

कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गंधर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है।

कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बड़ा महत्व माना गया है, क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां संपूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परंपरा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है, उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है।

बिजनेस ब्रीफ

डीजीसीए विमान कंपनियों के साथ करेगा मासिक समीक्षा बैठकें

नई दिल्ली। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) मंगलवार से तीन दिन तक विमान कंपनियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें करेगा। इनमें समय पर कार्य निष्पादन, उड़ान की समय सीमाएं, ग्राहक शिकायतों का निवारण तथा विमान कंपनियों के समक्ष आने वाले मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा होने की उम्मीद है। मंगलवार को एयर इंडिया और इंडिगो के लिए समीक्षा बैठकें होंगी। देश का नागर विमानन बाजार दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। विमान कंपनियों के साथ हवाई अड्डे भी बढ़ती यातायात मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता का विस्तार कर रहे हैं।

एजीआर पर कोर्ट के फैसले के बाद सरकार से संपर्क करेगी एयरटेल

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल सुप्रीम कोर्ट के नए आदेश को ध्यान में रखते हुए एजीआर मामले में एक बार फिर सरकार से राहत की मांग करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक आदेश में कहा था कि सरकार दूरसंचार कंपनियों के लंबित एजीआर बकाये का पुनर्मिलान करने के साथ उन पर पुनर्विचार भी कर सकती है। यह प्रक्रिया केवल वित्त वर्ष 2016-17 ही नहीं, बल्कि सभी वर्षों के बकाया एजीआर पर लागू होगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को कर्जग्रस्त कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के 2016-17 के लिए करीब 5,606 करोड़ रुपये के एजीआर बकाये के पुनर्मिलान की अनुमति दी थी।

रैडिसन का 2030 तक भारत में 500 होटल के संचालन का लक्ष्य

नई दिल्ली। बेल्जियम स्थित रैडिसन होटल ग्रुप ने कहा कि वह भारत में वर्ष 2030 तक 500 होटल और 50,000 कर्मचारियों की मौजूदगी वाली टीम बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष एली यूनिस ने कहा कि समूह भारत में अपनी संपत्तियों की संख्या वर्तमान 200 से अधिक बढ़ाकर 2026 तक 250-260 और वर्ष 2030 तक 500 तक पहुंचाना चाहता है। समूह भारत में अपने कर्मचारियों की संख्या भी 17,000 से लगभग तिगुना कर 50,000 तक ले जाएगा।

देश में सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति तीन साल में 62 प्रतिशत बढ़ी

दक्षिण अफ्रीका की जी-20 की अध्यक्षता में जारी की गई 2020 से 2023 की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ रही है। दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता में जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति 2000 से 2023 के बीच 62 प्रतिशत बढ़ी है, इससे भारत दुनिया के उन देशों में शामिल हो गया है जिनमें यह असमानता सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है। नोबेल पुरस्कार विजेता जोसेफ स्टिग्लिट्ज के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में आगाह किया गया कि वैश्विक असमानता 'संकट' के स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतंत्र, आर्थिक स्थिरता और जलवायु प्रगति को खतरा है।

वैश्विक असमानता पर स्वतंत्र विशेषज्ञों की जी-20 असाधारण समिति ने पाया कि वैश्विक स्तर पर शीर्ष एक प्रतिशत यानी सबसे अमीर लोगों ने 2000 और 2024 के बीच निर्मित सभी नई संपत्ति का 41 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया जबकि निचली आबाधी के आधे हिस्से को केवल एक प्रतिशत ही मिला। इस समिति में अर्थशास्त्री जयति घोष, विनी बयानीमा और इमरान वालोदिया शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोटे तौर पर मापी गई अंतर-देशीय असमानता में कमी आई है क्योंकि चीन तथा भारत जैसे कुछ अधिक जनसंख्या वाले देशों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। इससे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उच्च आय वाले देशों की हिस्सेदारी कुछ हद तक कम हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2000 से 2023 के बीच सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने दुनिया के आधे से अधिक देशों में अपनी संपत्ति का हिस्सा बढ़ाया है जो वैश्विक संपत्ति का 74 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की इस अवधि (2000-2023) में संपत्ति 62 प्रतिशत तक बढ़ी। चीन में यह आंकड़ा 54 प्रतिशत रहा। रिपोर्ट में कहा गया है, अत्यधिक असमानता एक विकल्प है। यह अपरिहार्य नहीं है और राजनीतिक इच्छाशक्ति से इसे बदला जा सकता है। वैश्विक समन्वय से इसे काफी हद तक सुगम बनाया जा सकता है और इस संबंध में जी-20 की महत्वपूर्ण भूमिका है। रिपोर्ट में वैश्विक रुझानों पर नजर रखने एवं नीति निर्माण में मार्गदर्शन के लिए जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी समिति (आईपीसीसी) की तर्ज पर एक अंतरराष्ट्रीय असमानता समिति (आईपीआई) के गठन का प्रस्ताव किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की जी20 की अध्यक्षता में शुरू होने वाला यह निकाय सरकारों को असमानता और उसके कारणों पर 'आधिकारिक एवं सुलभ' आंकड़े उपलब्ध कराएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि उच्च असमानता वाले देशों में समान देशों की तुलना में लोकतांत्रिक पतन की संभावना सात गुना अधिक है।

वैश्विक संकट : बढ़ती असमानता से कई देशों में खतरे में लोकतंत्र

- वैश्विक स्तर पर एक प्रतिशत सबसे अमीर लोगों ने 2000 से 2024 के बीच निर्मित सभी नई संपत्ति का 41 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया जबकि निचली आबाधी के आधे हिस्से को एक प्रतिशत ही मिला।
- रिपोर्ट में कहा गया कि 2000 से 2023 के बीच सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने सभी देशों के आधे से अधिक देशों में अपनी संपत्ति का हिस्सा बढ़ाया है जो वैश्विक संपत्ति का 74 प्रतिशत है।
- रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2000 से 2023 के बीच सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने दुनिया के आधे से अधिक देशों में अपनी संपत्ति का हिस्सा बढ़ाया है जो वैश्विक संपत्ति का 74 प्रतिशत है।

- रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया के उच्च आर्थिक असमानता वाले देशों में बढ़ते असंतोष और समस्याओं के चलते समान देशों की तुलना में लोकतांत्रिक पतन की संभावना सात गुना अधिक है।
- इस रिपोर्ट में यहभी कहा गया है कि वर्ष 2020 से वैश्विक स्तर पर गरीबी में कमी आना लगभग रुक गया है। इसके उलट कुछ देशो में गरीबी बढ़ने लगी है। जो राजनीतिक प्रयासों की कमी के कारण है।
- 2.3 अरब लोग खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे रहे हैं जो वर्ष 2019 से 33.5 करोड़ अधिक हैं। दुनिया की आधी आबादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित है। 1.3 अरब स्वास्थ्य पर खर्च के कारण गरीबी में जी रहे हैं

शीर्ष कंपनियों में शुरू हुई उड़ने वाली कारें बाजार में उतारने की होड़

बीजिंग, एजेंसी

चीन की कंपनी एक्सपेंग एयरोहट ने उड़ने वाली कारों का इस सप्ताह परीक्षण उत्पादन शुरू किया है। अमेरिका की टेस्ला और दूसरी कंपनियों की ओर से जल्द ऐसी कार पेश करने की कोशिशों के बीच एयरोहट ने यह कदम उठाया है।

चीन की इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी एक्सपेंग की सहयोगी कंपनी एक्सपेंग एयरोहट ने सोमवार को बड़े पैमाने पर उड़ने वाली कार बनाने के लिए दुनिया के पहले 'इंटेलिजेंस' कारखाने में परीक्षण उत्पादन शुरू किया। यह अगली पीढ़ी के परिवहन के व्यावसायीकरण में एक उपलब्धि है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण चीन के गुआंगदोंग प्रांत की राजधानी गुआंगझोउ के हुआंगपु जिले में स्थित 120,000 वर्ग मीटर के इस संयंत्र ने पहले ही अपने मॉड्यूलर फ्लाइंग कार 'लैंड एयरक्राफ्ट कैरियर' का पहला अलग हो सकने वाला इलेक्ट्रिक विमान तैयार कर लिया है। इस सुविधा को 10,000 अलग किए जा सकने वाले विमान मॉड्यूल की वार्षिक उत्पादन क्षमता के लिए तैयार किया गया है, जिसकी प्रारंभिक क्षमता 5,000 इकाइयों की होगी।

चीन की कंपनी ने परीक्षण उत्पादन शुरू किया, अगले वर्ष लांच होगी

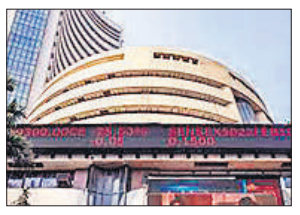

रिपोर्ट में कहा गया कि संयंत्र पूरी तरह चालू होने के बाद हर 30 मिनट में एक विमान असेंबल किया जाएगा। टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क ने भी जल्द उड़ने वाली कार का यादगार अनावरण करने का दावा किया है। एक अन्य अमेरिकी कंपनी एलेफ एयरोनॉटिक्स ने हाल ही में उड़ने वाली कार के परीक्षण के बाद घोषणा की है कि इसका व्यावसायिक उत्पादन जल्द शुरू होगा। एलेफ एयरोनॉटिक्स के सीईओ जिम डूखोवनी ने कहा कि उनकी कंपनी को एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के प्रीबुकिंग ऑर्डर मिल चुके हैं। एक्सपेंग ने कहा कि उसने अपने उत्पाद के पेश होने के बाद से लगभग 5,000 उड़ने वाली कार के ऑर्डर हासिल किए हैं और बड़े पैमाने पर उत्पादन एवं आपूर्ति 2026 में शुरू होने वाली है।

सेंसेक्स 519 अंक टूटा, निफ्टी में 166 अंकों की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 519 अंक का गोता लगा गया जबकि निफ्टी भी 166 अंक टूट गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और एशिया तथा यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 519.34 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूटकर 83,459.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 565.72 अंक तक नीचे आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 165.70 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,597.65 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में पावर ग्रिड में सबसे ज्यादा 3.13 प्रतिशत की गिरावट आई।

सितंबर तिमाही के लाभ में गिरावट से कंपनी के शेयर में गिरावट आई। इसके अलावा इटर्नल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक शामिल हैं। बेहतर वित्तीय परिणाम के कारण टाइटन में सबसे ज्यादा 2.28 प्रतिशत की तेजी आई।

इनके शेयर गिरे

पावर ग्रिड, इटर्नल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स।

ये कंपनियां लाभ में

टाइटन, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक।

सोना 1,200 रुपये टूटा, चांदी में 25,00 की गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कई अधिकारियों की टिप्पणियों से अगले महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने के बाद कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,200 रुपये गिरकर 1,24,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,200 रुपये गिरकर 1,23,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई, जिससे लगातार दूसरे सत्र में इसकी गिरावट जारी रही। सोमवार को यह 1,24,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी मंगलवार को 2,500 रुपये की भारी गिरावट के साथ 1,51,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई, जबकि सोमवार को इसका भाव 1,54,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था।

इंडिगो को दूसरी तिमाही में 2,582 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 2,582 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। तिमाही के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये में रही गिरावट से कंपनी को विदेशी मुद्रा विनिमय में सबसे अधिक 2,892 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ जो नुकसान का कारण बना। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एयरलाइंस को 986.7 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

ओपनएआई की 'चैटजीपीटी गो' सेवा भारत में एक साल तक मुफ्त

नई दिल्ली, एजेंसी

कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई के एआई टूल 'चैटजीपीटी गो' की ग्राहक-आधारित सेवा मंगलवार से देशभर में शुरू हो गई। सीमित समय के भीतर इससे जुड़ने वाले भारतीय उपयोगकर्ताओं को एक साल तक यह सेवा निःशुल्क मिलेगी।

इस प्रचार अभियान का हिस्सा अभी चैटजीपीटी वेब या गूगल प्ले स्टोर से बना जा सकता है जबकि यह अगले सप्ताह एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध होगा। 'चैटजीपीटी गो' को ओपनएआई ने हाल ही में सब्सक्रिप्शन मॉडल पर पेश किया है। इसके तहत भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए बढ़ी हुई संदेश सीमा, तस्वीरों के निर्माण और फाइल अपलोड की सुविधा मिलेगी। यह साल भर चलने वाला निःशुल्क प्रचार अभियान मंगलवार को बेंगलुरु में ओपनएआई के पहले 'डेव-डे एक्सचेंज' कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ।

सीमित समय के अंदर जुड़ने वाले यूजर्स के लिए की गई घोषणा

ओपनएआई में उपाध्यक्ष और चैटजीपीटी के प्रमुख निक टर्ली ने कहा, कुछ महीने पहले भारत में चैटजीपीटी गो की शुरुआती पेशकश के बाद से, हमने अपने उपयोगकर्ताओं से जो स्वीकृति और रचनात्मकता देखी है, वह प्रेरणादायक रही है। टर्ली ने कहा, हम 'चैटजीपीटी गो' को एक साल के लिए मुफ्त में उपलब्ध करा रहे हैं ताकि भारत भर में अधिक से अधिक लोगों की उन्नत एआई तक आसानी से पहुंच बन सके और वे उसका लाभ उठा सकें।

राष्ट्रीय

राजद के जंगल राज की वापसी रोकने के लिए कमल का बटन दबाएं: शाह

दरभंगा की चुनावी सभा में गृहमंत्री बोले- राज्य को बर्बाद कर चुका है जंगलराज

दरभंगा, एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मतदाताओं से मंगलवार को अपील की कि वे भाजपा के चुनाव चिह्न 'कमल' वाला ईवीएम बटन दबाएं ताकि राजद के शासनकाल के दौरान रहे जंगल राज की वापसी को रोका जा सके जिसने राज्य को तबाह कर दिया था।

शाह ने वादा किया कि अगर राजग सत्ता में लौटता है तो सरकार बाढ़ रोकने और कोसी नदी के पानी का इस्तेमाल सिंचाई के लिए करने पर 26,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। शाह ने दरभंगा में एक चुनावी रैली में कहा, लालू-राबड़ी के 15 साल के शासन में बिहार को तबाह करने वाले 'जंगल राज' की वापसी को रोकने के लिए 'कमल' का बटन दबाएं। उन्होंने कहा, यदि आप छह नवंबर को मतदान के दिन कोई गलती करते हैं तो बिहार में हत्या, लूट, अपहरण और जबरन वसूली फिर से आम हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग ही बिहार को सर्वांगीण विकास की ओर ले जा सकता है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा, यदि बिहार में राजग सत्ता में फिर आता है तो मिथिलांचल में सिंचाई के लिए कोसी नदी के पानी का उपयोग और बाढ़ को रोकने के मकसद से कुल 26,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे...बिहार में गंगा, कोसी और गंडक नदियों के पानी का उपयोग सिंचाई के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर राजग बिहार में सत्ता में बना रहता है तो मिथिला, कोसी और तिरहुत के लोगों को इलाज के लिए पटना या दिल्ली जाने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि उन्हें एम्स दरभंगा में चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

चंपारण की चुनावी रैली को संबोधित करने पहुंचे शाह को भेंट किया गया स्मृति चिह्न।

बिहार विस चुनाव

नीतीश के साथ मिलकर विकसित बिहार बनाएंगे

वैशाली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन कायम हुआ है और इतने वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने बिहार के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। सिंह ने लोगों से राजग के पक्ष में मतदान की अपील की। कहा, बिहार को आगे बढ़ाने की सोच सिर्फ राजग रख सकता है। हमें मिलकर विकसित बिहार बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अब पांचवे स्थान पर पहुंच गया है।

मोहन यादव ने लगाया हेलीपैड खोदे जाने का आरोप

पटना। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में उनकी एक चुनावी सभा से पहले विपक्षी दलों के लोगों ने उनके हेलीपैड और सपर्क सड़क को खोद दिया।

पटना और मधेपुरा जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस दावे को पूरी तरह खारिज किया है। यादव ने यह दावा अपनी एक जनसभा के संबोधन के दौरान किया और उसी का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह घटना किस स्थान पर हुई थी।

जैसे रिमोट से टीवी चैनल बदलते हैं, उसी तरह मोदी-शाह नीतीश का चैनल बदलते हैं: राहुल

औरंगाबाद। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि जिस तरह रिमोट के जरिये टेलीविजन चैनल बदले जाते हैं, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नीतीश कुमार का चैनल बदलते हैं तथा बिहार के मुख्यमंत्री वही करते हैं जो भाजपा के ये दोनों शीर्ष नेता चाहते हैं।

उन्होंने बिहार के औरंगाबाद में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि राजग की सरकार में बिहार के युवाओं को देश का मजदूर बना दिया गया है। राहुल गांधी ने एक बार फिर यह दावा किया कि नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह के इशारे पर काम कर रहे हैं। उनका कहना था, बिहार के लोगों को लगता है कि नीतीश जी सरकार है। नीतीश जी का कोई लेनादेना नहीं है। जैसे रिमोट से टीवी का चैनल बदला जाता है। वैसे ही मोदी जी और अमित शाह, नीतीश जी का चैनल बदलते हैं। वो जो चाहते हैं, नीतीश जी वही करते हैं।

कहा- बिहार के युवाओं को देश का मजदूर बना दिया राजग सरकार ने

कांग्रेस नेता ने कहा कि कभी ऐसा समय था जब चीन, जापान और अन्य देशों के छात्र पढ़ाई के लिए बिहार आया करते थे, लेकिन आज बिहार के युवाओं को रोजगार के बजाय पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने घोषणा की कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर नालंदा में विश्व स्तर का विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा।

एक भी पात्र मतदाता सूची से हटा तो केंद्र में गिरा देंगे भाजपा सरकार

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चेतावनी दी कि यदि मतदाता सूचियों से एक भी पात्र मतदाता को हटाया गया तो केंद्र में भाजपा नीत सरकार का गिर जाना तय है । उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को डराने-धमकाने के लिए एसआईआर को राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

यहां एक विशाल एसआईआर विरोधी रैली का नेतृत्व करते हुए, ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाया कि वह भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दे रहा है जबकि विपक्ष शासित राज्यों में चुनिंदा रूप से पुनरीक्षण अभियान चला रहा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, निर्वाचन आयोग केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एसआईआर चला रहा है, लेकिन भाजपा शासित असम में ऐसा नहीं कर रहा है। इन चार राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ममता बनर्जी ने मांग की, निर्वाचन आयोग को यह भी जवाब देना चाहिए कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में एसआईआर क्यों नहीं कराया जा रहा है।

ममता ने असम में एसआईआर नहीं कराने का लगाया आरोप

उन्होंने इसे केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की मदद करने के उद्देश्य से किया गया स्पष्ट भेदभाव बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में 2002 में हुई पिछले एसआईआर को पूरा होने में कम से कम दो साल लगे थे। उन्होंने आश्चर्य जताया कि इस बार निर्वाचन आयोग इसे सिर्फ़ एक महीने में पूरा करने की 'जल्दबाजी' क्यों कर रहा है। बनर्जी ने मौजूदा प्रक्रिया को जल्दबाजी में और राजनीति से प्रेरित बताया। बनर्जी ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, यदि बंगाल में मतदाता सूचियों से एक भी पात्र मतदाता को हटाया तो हम भाजपा सरकार को गिरा देंगे।

बिहार चुनावः दूसरे चरण के 32 प्रतिशत प्रत्याशियों पर दर्ज हैं आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में अपराध से जुड़ी पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों की संख्या चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे चरण के 122 विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे 1297 उम्मीदवारों में से 415 (32 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इनमें से 341 प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट बताती है कि 19 उम्मीदवारों पर हत्या, 79 पर हत्या के प्रयास और 52 प्रत्याशियों पर महिलाओं व एससी-एसटी के विरुद्ध अत्याचार से संबंधित मामले हैं। विशेष रूप से दो निर्दलीय और प्रिज्म पार्टी के एक उम्मीदवार पर बलात्कार के मामले भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक़, सभी प्रमुख दलों के उम्मीदवारों में अपराध से जुड़े मामले पाए गए हैं।

नाराजगी भरा सवाल, क्या हमारे सुनवाई करने से बचना चाहती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम, 2021 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच न्यायाधीशों की पीठ को सौंपने के केंद्र सरकार के आवेदन पर नाराजगी व्यक्त की और सवाल किया कि क्या यह कदम मौजूदा पीठ से बचने का जानबूझकर किया गया प्रयास है, जो पहले ही इस मामले की व्यापक सुनवाई कर चुकी है।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ लंबे समय से लंबित मद्रास बार एसोसिएशन मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। केंद्र की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने सूचित किया कि केंद्र सरकार ने एक आवेदन पेश कर अनुरोध किया है कि मामले को एक बड़ी पीठ के समक्ष रखा जाए। इस पर सीजेआई ने टिप्पणी की, हमें उम्मीद नहीं है कि भारत संघ इस तरह की रणनीति अपनाएगा। अटॉर्नी जनरल ने पीठ से इसे 'चाल' न कहने का जब आग्रह किया तो सीजेआई ने जवाब दिया, यह एक पक्ष को पूरी तरह सुनने के बाद व्यक्तिगत आधार पर अटॉर्नी जनरल को शामिल करने के बाद है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता अरविंद दातार ने आईटीएटी और कैट जैसे न्यायाधिकरणों के सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं। उन्होंने कहा कि अक्सर मेरिट सूचियों को भंग कर दिया जाता है और रिक्तियों को प्रतीक्षा सूची से भरा जाता है, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता प्रभावित होती है।

ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम मामले को बड़ी पीठ को सौंपने के आवेदन पर शीर्ष कोर्ट ने की खिंचाई

न्यायपालिका में राष्ट्रव्यापी वरिष्ठता मानदंड तय करने पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस विषय पर फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या राज्यों में न्यायाधीशों के करियर में प्रगति से जुड़ी असमानताओं को दूर करने के लिए उच्च न्यायिक सेवा में वरिष्ठता निर्धारित करने के लिए समान, राष्ट्रव्यापी मानदंड तैयार किए जाने चाहिए। देश भर में न्यायाधीशों की धीमी और असमान करियर प्रगति का मुद्दा शीर्ष अदालत में विचाराधीन है। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने लंबे समय से जारी अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ के मामले में तीन दिनों तक चली व्यापक सुनवाई पूरी की। कोर्ट इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या दीवानी न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) के रूप में सेवा में प्रवेश करने वाले न्यायिक अधिकारियों के लिए समान पदोन्नति के अवसर सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रारूप आवश्यक है।

बुद्धं शरणम गच्छामि...

वाराणसी के सारनाथ में महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित तीन दिवसीय समारोह के दौरान एक बौद्ध मंदिर में प्रवेश पाने के लिए कतार लगाकर खड़े वियतनाम के पर्यटक। उन्होंने अपने आराध्य को अर्पित करने को फूल भी ले रखे हैं।

नए आविष्कार, नई तकनीक

क्यों नहीं रुक रहे रेल हादसे

भारतीय रेलवे दुनिया की सबसे बड़ी और व्यस्ततम रेल नेटवर्क में से एक है, जिससे प्रतिदिन लाखों यात्रियों और टनों माल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम करती है। इसके बावजूद, रेल हादसे एक बड़ी समस्या बने हुए हैं, जो जान-माल की हानि का कारण बनते हैं। इन हादसों के कारणों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए नए आविष्कार और तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके बावजूद रेल हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंगलवार को ही छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें करीब नौ यात्रियों की मौत हो गई। इस लेख में, हम रेल हादसों के कारणों, नए आविष्कारों और तकनीक के बारे में चर्चा करेंगे, साथ ही रेलवे की सुरक्षा उपायों पर भी विचार करेंगे।

रेल हादसों के कारण

- पटरी से उतरना : ट्रेन के पटरी से उतरने की घटनाएं सबसे आम हैं, जो अक्सर ट्रैक के रखरखाव में कमी या खराबी के कारण होती हैं।
- मानवीय त्रुटि : ड्राइवर की गलती या अन्य कर्मचारियों की लापरवाही भी रेल हादसों का एक बड़ा कारण है।
- सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी : सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी के कारण ट्रेनें गलत ट्रैक पर जा सकती हैं या समय पर नहीं रुक सकती हैं।
- ट्रैक की जर्जर हालत : पुरानी और जर्जर पटरियों पर ट्रेनें चलाने से हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

नए आविष्कार और तकनीक

- कवच : कवच एक टक्कर-रोधी प्रणाली है जो ट्रेनों को आपस में टकराने से रोकने में मदद करती है।
- वेब आधारित ऑनलाइन निगरानी प्रणाली : यह प्रणाली ट्रैक की निगरानी करने और खराबी का पता लगाने में मदद करती है।
- अल्ट्रासोनिक रेल पहचान प्रणाली : यह प्रणाली रेल में खराबी का पता लगाने में मदद करती है।
- सिग्मा बोर्ड : यह एक रेट्रो रिफ्लेक्टिव बोर्ड है जो ट्रेन के ड्राइवर को आगे के ट्रैक की जानकारी देता है।

रेलवे के सुरक्षा उपाय

- ट्रैक नवीनीकरण : रेलवे ट्रैक नवीनीकरण पर विशेष ध्यान दे रहा है ताकि ट्रेनों की गति और सुरक्षा में सुधार हो सके।
- रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा : रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे और अन्य सुरक्षा उपकरण लगाए जा रहे हैं।
- ड्राइवरों के लिए प्रशिक्षण : ड्राइवरों के लिए नियमित प्रशिक्षण और काउंसलिंग की जा रही है ताकि वे सुरक्षित तरीके से ट्रेन चला सकें।

करने होंगे अथक प्रयास

रेल हादसों को रोकने के लिए भारतीय रेलवे को और अधिक प्रयास करने होंगे। नए आविष्कार और तकनीक का उपयोग करके रेल हादसों को कम किया जा सकता है। रेलवे को सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान देना होगा और ड्राइवरों के लिए नियमित प्रशिक्षण और काउंसलिंग की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही, ट्रैक नवीनीकरण और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए भी कदम उठाने होंगे। अगर हम सब मिलकर काम करें तो रेल हादसों को रोकने में सफल हो सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

पूर्व उपराष्ट्रपति डिक चेनी का निधन

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति डिक चेनी का मंगलवार को निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे और काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके परिवार ने मीडिया को यह जानकारी दी है। वह निमोनिया, और दिल की बीमारियों से पीड़ित थे। चेनी 2001-09 तक राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति रहे थे। उनकी गिनती अमेरिका के सबसे शक्तिशाली आधुनिक उपराष्ट्रपतियों में होती थीं। उन्हें आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध का मुख्य सूत्रधार भी कहा गया।

बांग्लादेश में 24 घंटों में डेंगू के 1,147 मामले

ढाका। बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में डेंगू के 1,147 नए मामले सामने आए हैं और पांच नई मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में अब तक डेंगू के 2,960 मामले दर्ज किए गए जिससे इस वर्ष अब तक कुल मामलों की संख्या 72,822 हो गई तथा मरने वालों की संख्या 288 हो गई। डेंगू बुखार, जो आमतौर पर बंगलादेश में मानसून के मौसम में होने वाली बीमारी है, अब जून-सितंबर की अवधि से आगे भी फैल रहा है।

अमेरिकी अभिनेत्री डायने लैड का निधन

कैलिफोर्निया। 'ऐलिस डजंट लिव हियर एनीमोर' और 'वाइल्ड एट हार्ट' जैसी फिल्मों में शानदार भूमिका के लिए जानी जाने वाली तथा अकादमी पुरस्कार के लिए तीन बार नामित डायने लैड का निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थीं। लैड की बेटी लॉरा डर्न ने अपनी मां की मौत की जानकारी की। डर्न ने बताया कि उनकी मां का कैलिफोर्निया के ओजाई स्थित उनके घर पर निधन हो गया।

आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर करें काम

भारत-इजराइल की बैठक में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

- दोनों देशों में व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा
- गाजा में शांति के लिए अमेरिकी योजना का किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में बैठक के दौरान इज़राइली समकक्ष गिदोन सार के साथ विदेश मंत्री विदेश मंत्री एस जयशंकर।

भारत और इजराइल ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की वैश्विक नीति विकसित करने और व्यापार, बुनियादी ढांचे व कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर मंगलवार को चर्चा की। इस दौरान भारत ने यह उम्मीद जताई कि अमेरिका की मध्यस्थता से तैयार की गई गाजा शांति योजना क्षेत्र में स्थायी शांति लाने में सहायक होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के बीच यह बातचीत हुई।

दोनों देश आने वाले महीनों में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं। बैठक में भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पर भी चर्चा हुई, जिसके तहत क्षेत्रीय संपर्क व व्यापार को बढ़ावा देने के अवसरों की तलाश की जा रही है। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा कि भारत और इजराइल दोनों आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम कठिन समय में एक साथ खड़े रहे हैं और हमारे संबंध आपसी विश्वास पर आधारित हैं। दोनों देश आतंकवाद की विशेष चुनौती का सामना कर रहे हैं। ऐसे में हमें मिलकर आतंकवाद से निपटने के लिए काम करना होगा।

गिदोन सार ने कहा कि इजराइल इस समय गाज़ा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला, और यमन में हूती जैसे कट्टर आतंकवादी संगठनों से मुकाबला कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकवादी शासन को खत्म करना राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप की योजना का प्रमुख हिस्सा है। हम हमास को निशस्त्र करने के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। जयशंकर ने कहा कि भारत गाजा शांति योजना के घटनाक्रमों पर करीबी नज़र रखे हुए है।

महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

भारत और इज़राइल ने मंगलवार को एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उन्नत प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान के साथ-साथ प्रमुख हथियार प्रणालियों और सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। यह समझौता दोनों देशों के पहले से मजबूत रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रक्षा सहयोग पर भारत-इज़राइल संयुक्त कार्य समूह की बैठक के बाद तेल अवीव में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

सिस्टम टेस्ट होगा न कि परमाणु विस्फोट

वाशिंगटन, एजेंसी

- परमाणु परीक्षण पर आया अमेरिका का स्पष्टीकरण

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने स्पष्ट किया है कि हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु हथियार परीक्षणों की जो बात कही है उसमें वास्तविक रूप से परमाणु विस्फोट नहीं बल्कि 'सिस्टम टेस्ट' होगा। राइट ने फ़ॉक्स न्यूज़ के एक सवाल के जवाब में बताया कि ये परीक्षण अमेरिका के परमाणु शस्त्रागार के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

उनके अनुसार, हम जिन परीक्षणों की बात कर रहे हैं, वे सिस्टम टेस्ट हैं, न कि परमाणु विस्फोट। इन्हें 'नॉन-क्रिटिकल एक्सप्लोजन' कहा जाता है।

उन्होंने बताया कि इन परीक्षणों के ज़रिए हथियारों के विभिन्न हिस्सों को जांचा जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे आवश्यक संरचना और विस्फोट की तैयारी" की जरूरतों को सही ढंग से पूरा करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या नेवादा रेगिस्तान के पास रहने वाले लोग विस्फोट के बाद बनने वाले मशरूम आकार के बादल की चपेट में आ सकते हैं तो उन्होंने कहा इस बारे में कोई चिंता नहीं है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि पाकिस्तान, रूस और चीन परमाणु परीक्षण कर रहे हैं तो ऐसे में अमेरिका को रूस और चीन की तरह बराबरी के आधार पर अपने परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका ने 1992 में कांग्रेस द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बाद किसी भी प्रकार का वास्तविक परमाणु परीक्षण बंद कर दिया था।

अमेरिका का आख़िरी वास्तविक परमाणु विस्फोट तीन दशक पहले नेवादा टेस्ट साइट पर हुआ था। जहां अब परीक्षण केवल कंप्यूटर सिमुलेशन और प्रयोगशाला विश्लेषण के ज़रिए किए जाते हैं।

दिल्ली अक्टूबर में देश का छठा प्रदूषित शहर

नई दिल्ली। अक्टूबर माह में दिल्ली देश का छठा सबसे प्रदूषित शहर रहा, जो पड़ोसी गाजियाबाद और नोएडा से पीछे है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) द्वारा मंगलवार को जारी मासिक वायु गुणवत्ता आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा का धारूहेड़ा अक्टूबर में सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां मासिक औसत पीएम 2.5 सांद्रता 123 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी।

उसने सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन आंकड़ों के आधार पर भारत की वायु गुणवत्ता का व्यापक विश्लेषण प्रदान किया। कहा गया, निष्कर्षों से पता चला कि देश भर में वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट आई है, तथा स्थिति और भी खराब हो गई है, खासकर सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों (आईजीपी) में, विशेषकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में। इसमें कहा गया है कि दिल्ली 107 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की औसत सांद्रता के साथ छठे स्थान पर रही।

अहमदाबाद, मुंबई और बेंगलुरु कूल सिटी गठबंधन में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- अपने निवासियों को भीषण गर्मी से बचाने के वैश्विक प्रयास में हुए शामिल

भारत के तीन शहर- अहमदाबाद, मुंबई और बेंगलुरु, उन 33 महानगरों के वैश्विक गठबंधन में शामिल हुए हैं, जो शहरी क्षेत्र को नया स्वरूप देने और निवासियों को भीषण गर्मी से बचाने का संकल्प ले रहे हैं। भीषण गर्मी जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर परिणामों में से एक है। तीनों शहर 'कूल सिटीज एक्सेलरेटर' के तहत वैश्विक गठबंधन में शामिल हुए हैं, जो रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा समर्थित 'सी40 सिटीज' की एक नई पहल है।

रियो डी जेनेरियो में आयोजित 'सी40' विश्व महापौर शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में द रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा समर्थित 'कूल सिटीज एक्सेलरेटर' पहल की घोषणा की गई। इसका उद्देश्य शहर के नेताओं को बढ़ते तापमान के खिलाफ लोगों, अर्थव्यवस्थाओं और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए तत्काल और दीर्घकालिक उपाय करने में मदद करना है। दुनिया भर में 14.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले 33 प्रमुख शहरों में लंदन, पेरिस, सिंगापुर, नैरोबी और ब्यूनस आयर्स जैसे वैश्विक महानगर शामिल हैं। इस दौरान 2030 तक शहरों को भीषण गर्मी के प्रति ज्यादा प्रतिरोधी बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई गई।

मनुष्य में सुअर का गुर्दा लगाने का नैदानिक परीक्षण

वाशिंगटन। अमेरिका में यह पता लगाने के लिए पहला नैदानिक परीक्षण किया गया कि क्या सुअर का गुर्दा मनुष्य में प्रतिरोपित करने से सचमुच किसी का जीवन बचाया जा सकता है। सुअर के गुर्दे को आनुवंशिक रूप से संशोधित करके उन्हें मनुष्यों में प्रतिरोपित करने के लिए अधिक अनुकूल बनाने वाली कंपनी ने सोमवार को घोषणा की कि शोध के तहत पहली बार 'एनवाईयू लेंगोन हेल्थ' चिकित्सा केंद्र में प्रारंभिक प्रतिरोपण किया जा चुका है। पशु का अंग मनुष्य में प्रतिरोपित करने के प्रयासों की दिशा में यह सबसे नया कदम है।

न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में भारतीय मूल के ममदानी सबसे आगे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- ट्रंप ने चेताया, ममदानी जीते तो घटा देंगे फंडिंग

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में मेयर चुनाव के लिए तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर के शीर्ष राजनीतिक पद की दौड़ में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। युगांडा में पैदा हुए और न्यूयॉर्क शहर में पले-बढ़े ममदानी (34) न्यूयॉर्क विधानसभा के सदस्य और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं।

ममदानी का मुकाबला निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा से होगा। शहर के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स सितंबर में मेयर चुनाव की दौड़ से बाहर हो गए थे। उनके कार्यकाल के दौरान कई प्रशासनिक प्रकरण सामने आए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क शहर के मतदाताओं को आगाह किया है कि अगर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जोहरान ममदानी चुनाव जीत जाते हैं तो न्यूयॉर्क में पूरी तरह से आर्थिक और सामाजिक अव्यवस्था फैल जाएगी और शहर का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने ममदानी के चुनाव जीतने पर न्यूर्याक शहर की फंडिंग घटाने को धमकी दी।

भारतीय मूल के व्यक्ति के निर्वासन पर कोर्ट की रोक

फिलाडेल्फिया। अमेरिका की दो अलग-अलग अदालतों ने आव्रजन अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे भारतीय मूल के उस व्यक्ति को निर्वासित न करें, जिसने हत्या के मामले में दोषी करार देने के फैसले को पलटे जाने से पहले चार दशक जेल में बिताए थे। सुब्रमण्यम वेदम (64) नामक व्यक्ति को फिलहाल लुइसियाना के अलेक्जेंड्रिया स्थित एक अल्पकालिक निरुद्ध केंद्र में रखा गया है, जहां लोगों को निर्वासित कर विदेश भेजने के लिए हवाई पट्टी भी मौजूद है। वेदम अमेरिका के एक वैध स्थायी निवासी हैं और उन्हें 'सुबू' के नाम से जाना जाता है।

फिलीपीन में चक्रवात कालमेगी से हजारों विस्थापित, 26 की गई जान

मनीला, एजेंसी

- 195 किमी प्रति घंटा की गति से चली हवा, हेली क्रैश
- घरों की छतों पर फंसे लोग कई वाहन पानी में डूबे

फिलीपीन में चक्रवात 'कालमेगी' के कारण 26 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से अधिकतर लोगों की जान चक्रवात के चलते आई बाढ़ की वजह से गई। आपदा प्रतिक्रिया विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह चक्रवात मंगलवार को देश के मध्य भाग में तेजी से आगे बढ़ा और व्यापक तबाही मचाई। चक्रवात के चलते बाढ़ के पानी से घिर जाने के बाद कई लोग अपनी-अपनी छतों पर फंसे हुए हैं, जबकि कई कारें पानी में डूब गईं। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चक्रवात में हवा की रफ्तार 195 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। एक अलग घटना में पांच सैन्यकर्मियों को लेकर जा रहा फिलीपीन की वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर दक्षिणी अगुसन देल सुर प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर 'कालमेगी' से प्रभावित प्रांतों में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए उड़ान भर रहा था। सेना की पूर्वी मिंडानाओ कमान ने कहा कि सुपर ह्यूए हेलीकॉप्टर दक्षिणी अगुसन डेल सुर प्रांत के लोरेटो शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर सवार वायुसेना के उन कर्मचारियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, जिन्हें तूफान से प्रभावित प्रांतों में मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैनात किया गया था। सैन्य अधिकारियों ने दुर्घटना के बारे में अन्य विवरण तुरंत नहीं दिए, जिसमें हेलीकॉप्टर में सवार वायुसेना के पांच कर्मचारियों की स्थिति और दुर्घटना के संभावित कारण शामिल हैं। 'कालमेगी' के कारण अब तक कम से कम 26 लोगों की मौत हो चुकी है और व्यापक स्तर पर बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान एयरलाइन की उड़ानें प्रभावित

कराची। पाकिस्तान में सोमवार रात से विमान इंजीनियरों की अघोषित हड़ताल के कारण राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की उड़ान बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हड़ताल के कारण राष्ट्रीय विमानन कंपनी की कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू उड़ान रद्द हो गई हैं। अब विमानन कंपनी ने परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अन्य विमानन कंपनियों के विमान इंजीनियरों की मदद मांगी है।

इंजीनियरों द्वारा निर्धारित उड़ानों के लिए सुरक्षा मंजूरी जारी करने से इनकार करने के बाद सोमवार रात से कराची, लाहौर और रावलपिंडी के हवाई अड्डों पर सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 18 .48 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

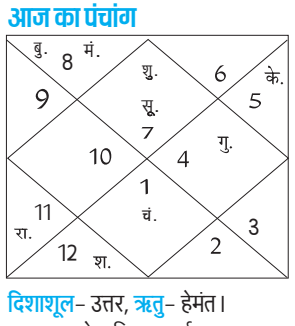

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्विनी 09 .40 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष आज आपके सभी काम सफल होंगे। जीवनसाथी आपको अच्छा उपहार दे सकते हैं। सस्ती दरों पर महंगे उत्पादों की खरीदारी कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रेमी जन के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

वृष आज अनावश्यक क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। नजदीकी संबंधों में संवादहीनता उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्षेत्र में गलतियों को बार-बार न दोहराएं। जीवनसाथी की बातों को महत्व अवश्य दें।

मिथुन आज आर्थिक मामलों को लेकर काफी भाग्यशाली रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में मनोनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों का भरपूर आनंद उठाएंगे।

कर्क आज दानपुण्य में आप अत्यधिक रूचि लेंगे। आत्मविश्वास के कारण कठिन परिस्थितियों का अच्छी तरह से निवारण कर पाएंगे। आप दूसरों की सहायता को लेकर तत्पर रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना में धन निवेश की योजना बनाएंगे।

सिंह आज विदेश में व्यापार करने वालों को कारोबार बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। परिजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ किसी देवस्थल की यात्रा कर सकते हैं। लेन-देन सावधानी पूर्वक करें।

कन्या आज अपनी पुरानी गलतियों को स्वीकारें व उसे दूर करने का प्रयास करें। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। अपनी योजनाओं को दूसरों से शेयर न करें। गलत लोगों की सलाह के कारण व्यापार में नुकसान हो सकता है।

तुला आज घर में हास्य व मनोरंजन का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी के साथ पर्यटन पर जाने के लिए दिन उत्तम है। संतान की उन्नति से अत्यंत उत्साहित रहेंगे। व्यापार को लेकर नई योजनाएं बना सकते हैं। नई नौकरी हो शुरुआत कर सकते हैं।

वृश्चिक आज आवश्यक न हो तो दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, जहां आवश्यक न हो वहां बोलने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है।

धनु आज धार्मिक क्रियाओं में मन लगेगा। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। मतभेदों को दूर करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में किसी तकनीक त्रुटि के दूर होने से राहत मिलेगी।

मकर आज अव्यावहारिक निर्णय लेने से नुकसान हो सकता है। बहुप्रतीक्षित कार्यों में कुछ विलंब हो सकता है। धन उधार देने से बचें। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। परिजनों की आवश्यकताओं का ध्यान रखें। परिवार में आंतरिक मतभेद उभर सकते हैं।

कुंभ आज का दिन अत्यंत भाग्यशाली रहने वाला है। व्यापारियों को योजनाओं में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर समस्या दूर होगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। नौकरी में परिवर्तन कर सकते हैं। बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता होंगे।

मीन आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मतभिन्नता हो सकती है। दवाइयों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। आपको कई नए लोगों से मुलाकात करनी पड़ सकती है। पड़ोसियों से संबंध खराब हो सकते हैं।

सुडोकू-151

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
	4		5					
			3			8		
2			9	7				
8								9
				6	1			
		6			4		2	
		3			5			
		9		8			7	

सुडोकू - 150 का हल

5	1	8	9	6	7	3	2	4
2	9	7	3	4	5	6	1	8
3	6	4	2	8	1	7	5	9
4	5	6	8	7	2	9	3	1
8	2	9	6	1	3	4	7	5
7	3	1	5	9	4	8	6	2
6	4	2	7	5	8	1	9	3
9	8	3	1	2	6	5	4	7
1	7	5	4	3	9	2	8	6

अभिषेक बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज है और पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करता है। गुरुवार का मैच काफी रोमांचक होगा लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उन्हें सस्ते में आउट कर देंगे।
-मैट कुहनेमन
स्पिनर-ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 5 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

आईसीसी बैठक में नकवी के शामिल होने की संभावना नहीं

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की घरेलू राजनीतिक मुद्दों के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यकारी बोर्ड की दुबई में होने वाली बैठक में भाग लेने की संभावना नहीं है, जहां बीसीसीआई एशिया कप ट्रॉफी भारत को नहीं देने का मुद्दा उठा सकता है। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष नकवी को ट्रॉफी नहीं सौंपने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नाराजगी का सामना करना पड़ा, क्योंकि विजेता टीम के खिलाड़ियों ने उनके भारत विरोधी बयानों के कारण ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। आईसीसी की चार दिवसीय बैठक मंगलवार को शुरू हुई।

पाकिस्तानी महिला टीम के मुख्य कोच बर्खास्त

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल में भारत और श्रीलंका में खेले गए महिला वनडे विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच मुहम्मद वसीम को बर्खास्त कर दिया है। पाकिस्तानी टीम ने लाहौर में अप्रैल में क्वालीफायर में पहले स्थान पर रहकर विश्व कप में जगह बनाई थी, लेकिन वह आईसीसी टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई तथा आठवें और अंतिम स्थान पर रही। पाकिस्तान ने अपने सभी मैच कोलंबो में खेले। फातिमा सना की अगुवाई वाली टीम ने चार मैच गंवाए जबकि तीन मैच बारिश से रद्द हुए।

बधिर खिलाड़ियों के पुरस्कार को बने मानदंड

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह बधिर खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, 2025 देने के लिए जल्द मानदंड बनाएं। अदालत ने कहा कि मौजूदा मानदंड पैरा खिलाड़ियों की तुलना में उनसे भेदभाव करते हैं। कोर्ट ने कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 बधिर व्यक्तियों तथा शारीरिक अक्षम व्यक्तियों से भेदभाव की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ता है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने मामले पर सुनवाई की।

इगा को हराकर एलेना सेमीफाइनल में पहुंचीं

रियाद। एलेना रयबाकिना ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके इगा स्वियातेक को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। एक अन्य मैच में अमांडा अनिसिमोवा ने भी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन कीज़ पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह की उम्मीदों को जीवंत रखा। अनिसिमोवा की जीत का मतलब है कि उनके और स्वियातेक के बीच बुधवार को होने वाला ग्रुप चरण का आखिरी मैच क्वार्टर फाइनल जैसा बन गया है। इस मैच में जीत दर्ज करने वाली खिलाड़ी सेमीफाइनल में प्रवेश करेगी।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

ट्रॉफी में खेलेंगे द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय

नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय को बुधवार से हैदराबाद में होने वाली पुरुष अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए मंगलवार को चार टीमों में से सी में शामिल किया गया। यह टूर्नामेंट प्रतिवर्ष होता है और युवा क्रिकेटरों को मंच प्रदान करता है। बीसीसीआई के अनुसार, जूनियर चयन समिति ने 5 से 11 नवंबर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पुरुष अंडर19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीमों का चयन किया है।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी

सपने देखना बंद न करें, आपको नहीं पता कि किस्मत कहां ले जाएगी : हरमनप्रीत

बचपन से शुरू हुआ सफर विश्व कप ट्रॉफी उठाने तक पहुंचा, संघर्ष और हार ने किया मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी

बचपन में अपने पिता का बड़ा बल्ला थामकर क्रिकेट का ककहरा सीखने वाली हरमनप्रीत कौर ने सपने देखना कभी नहीं छोड़ा और भारत को पहला महिला विश्व कप खिताब दिलाने के बाद वह खुद को आभारी मानती हैं। नवी मुंबई में हुए महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को 52 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली हरमनप्रीत ने युवाओं को सलाह दी, सपने देखना कभी बंद मत करो। आप नहीं जानते कि आपका भाग्य आपको कहां ले जाएगा।

हरमनप्रीत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी किए वीडियो में कहा कि मुझे आज भी याद है कि हम पिताजी के किट बैग से बल्ला लेकर खेला करते थे। वह बल्ला बहुत बड़ा था। एक दिन मेरे पिताजी ने मेरे लिए अपना पुराना बल्ला काटकर छोटा कर दिया। हम उससे खेला करते थे। जब भी हम टीवी पर मैच देखते थे, भारत को खेलते हुए देखते थे या विश्व कप देखते थे, तो मैं सोचती थी कि मुझे भी ऐसे ही मौके की ज़रूरत है। उस समय मुझे महिला क्रिकेट के बारे में पता भी नहीं था। बचपन से शुरू हुआ यह सफर विश्व कप ट्रॉफी उठाने तक पहुंचा, लेकिन इस बीच उन्हें कठिन संघर्ष और दिल तोड़ने वाली हार का सामना भी करना पड़ा।

हरमनप्रीत ने कहा कि मैं सपना देख रही थी कि मैं यह नीली जर्सी कब पहनूंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक लड़की जो महिला क्रिकेट के बारे में नहीं जानती थी, लेकिन फिर भी देश में बदलाव लाने का सपना देख रही थी। उन्होंने कहा कि इससे हमें सीख मिलती है कि आपको सपने देखना नहीं छोड़ना चाहिए। आप कभी नहीं जानते कि आपका भाग्य आपको कहां ले जाएगा। आप कभी नहीं सोचते, यह कब होगा, यह कैसे होगा। आप केवल यही सोचते हैं, यह होगा। मुझे विश्वास था कि ऐसा हो सकता है और आखिर में वैसा ही हुआ। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि बचपन का सपना पूरा होने के बाद वह राहत और खुशी महसूस कर रही हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए यह बहुत भावुक क्षण है क्योंकि बचपन से ही यह मेरा सपना था। जब से मैंने खेलना शुरू किया तो एक दिन विश्व कप जीतना मेरा सपना था। अगर मुझे अपनी टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलता है तो मैं यह मौका नहीं गंवाना चाहती। उन्होंने कहा कि मैंने ये सारी बातें अपने दिल की गहराइयों से कहीं। और भगवान ने एक-एक करके सब कुछ सुन लिया। यह जादू जैसा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि अचानक सब कुछ कैसे ठीक हो गया।

मेरा काम 'फिनिशिंग टच' देना है : रिचा घोष

मुंबई। विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने कहा कि भारत की विश्व कप विजेता टीम विश्वास और अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता की नींव पर बनी है, जिसमे कोच अमोल मजूमदार ने उन्हें 'फिनिशर' की भूमिका सौंपी है। रिचा ने कहा, मेरा मुख्य काम मैच में आखिर तक टिककर तेजी से रन बनाने का था। मुझे जब भी बल्लेबाजी का मौका मिला तो मैंने यही किया। मैंने स्ट्राइक रेट ऊंचा रखकर विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास किया। ये अतिरिक्त रन बनाने से टीम का दबाव कम हुआ और हमें जीतने का बेहतर मौका मिला। रिचा ने कहा, अमोल सर ने टीम में सभी की भूमिका स्पष्ट कर दी थी। मेरा काम बेखौफ क्रिकेट खेलना, बड़े शॉट लगाना और अंत तक डटे रहना था। मैंने विश्व कप से पहले क्रीज पर टिककर बड़ी पारी खेलने का काफी अभ्यास किया। जब भी खेलने का मौका मिला तो मैंने जमीनी शॉट लगाए और विकेट फेंकने से बचती रही। मैंने एक दो रन लेने के मौके भी नहीं गंवाए। रिचा ने आठ पारियों में 133 .52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाये। इसके साथ ही उन्होंने महिला विश्व कप में सर्वाधिक छक्कों के वेस्टइंडीज के डिएंड्रा डोटिन (12) के रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

शेफाली ने सचिन तेंदुलकर को दिया अपनी सफलता का श्रेय

नवी मुंबई। महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनीं शेफाली वर्मा भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद शब्दहीन रह गईं। उन्होंने अचानक टीम में वापसी की और अपने शानदार प्रदर्शन से जीत दिलाई। सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल के चोटिल होने के बाद सेमीफाइनल से पहले टीम में शामिल हुई वर्मा ने फ़ाइनल में 78 गेंदों में 87 रनों की पारी खेली और टीम को 298/7 का स्कोर बनाने में मदद की। शेफाली वर्मा ने कहा कि मैंने कहा था कि भगवान ने मुझे यहां अच्छा करने के लिए भेजा है और आज यह सच में हो गया। उन्होंने (सीनियर खिलाड़ियों ने) मुझे बस खेल खेलने के लिए कहा और जब आप यह जान जाए कि क्या करना है, तो बस यही काफी है। वर्मा ने बताया कि क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का समर्थन मिलना उन्हें बहुत प्रोत्साहित करता था। यह बहुत ही यादगार पल है। जब मैंने सचिन तेंदुलकर को देखा, तो मुझे हौसला मिला। मैं उनसे बात करती रहती हूं, वे मुझे हौसला देते रहते हैं।

मंधाना, जेमिमा व दीप्ति आईसीसी टीम में शामिल

दुबई, एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप में भारत को चैंपियन बनने में अहम भूमिका निभाने वाली स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को घोषित टीम में शामिल किया गया है। द. अफ्रीका की भी तीन खिलाड़ियों को टूर्नामेंट की टीम में जगह मिली है। इनमें कप्तान लॉरा वोल्वार्ट भी हैं।

आईसीसी के अनुसार सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की तीन खिलाड़ियों एनाबेल सदरलैंड, ऐश गार्डनर और लेग स्पिनर अलाना किंग को जगह मिली है। पाकिस्तान की विकेटकीपर सिदरा नवाज और इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को भी टीम में शामिल किया गया है। उनकी हमवतन नैट स्किवर-ब्रंट को 12वें खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज मंधाना ने 54.25 की औसत से एक शतक और दो अर्द्धशतक की मदद से 434 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर रही। रोड्रिग्स ने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से 292 रन बनाए।

आईसीसी महिला विश्व कप टूर्नामेंट की टीम

1. स्मृति मंधाना (भारत)
2. लॉरा वोल्वार्ट (कप्तान) (द. अफ्रीका)
3. जेमिमा रोड्रिग्स (भारत)
4. मारिज़ेन काप (द. अफ्रीका)
5. ऐश गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया)
6. दीप्ति शर्मा (भारत)
7. एनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया)
8. नादिन डी क्लार्क (द. अफ्रीका)
9. सिदरा (विकेटकीपर) (पाकिस्तान)
10. अलाना किंग (ऑस्ट्रेलिया)
11. सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड)

12वीं खिलाड़ी : नैट स्किवर-ब्रंट (इंग्लैंड)।

मंधाना की जगह वोल्वार्ट बनीं नंबर एक वनडे बल्लेबाज

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गई है, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स नौ स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट नवीनतम सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष पर पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़ने के बाद वोल्वार्ट ने मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ट ने टूर्नामेंट में 571 रन बनाए, जो किसी एक विश्व कप में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली रोड्रिग्स ने शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि फोबे लिचफील्ड ने उसी मैच में शतक की बदौलत 13 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग (637) हासिल की।

वैभव, प्रियांश राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए टीम में, जितेश करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आईपीएल में चमक बिखरने वाले प्रियांश आर्य को इस महीने दोहा में होने वाले 4 से 23 नवंबर तक राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए मंगलवार को भारत ए टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को इस टूर्नामेंट के लिए कप्तान बनाया गया है।

भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के साथ ग्रुप बी में रखा गया है, जबकि ग्रुप ए में बांग्लादेश, हांगकांग, अफगानिस्तान और श्रीलंका हैं। भारत ए टीम 14 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अभियान की शुरुआत करने के बाद 16 नवंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलेगी। जितेश अभी पांच मैचों की टी-20 शृंखला के लिए भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया में हैं। भारत ए में उन खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें 14 वर्षीय सूर्यवंशी भी हैं जिन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया था। जितेश आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम में थे। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में नाबाद 22 रन बनाए थे। भारत ने यह मैच जीतकर शृंखला 1-1 से बराबर की थी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार, सीनियर पुरुष चयन समिति ने कतर में होने वाले एशियाई क्रिकेट परिषद के राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए टीम का चयन किया है। यह टूर्नामेंट दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा। सूर्यवंशी और प्रियांश के अलावा टीम में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह को भी जगह दी गई है, जिन्होंने नगालैंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए हैट्रिक ली थी।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप

वैभव सूर्यवंशी

प्रियांश आर्य

भारत ए टीम

प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, जितेश शर्मा (कप्तान, विकेटकीपर), रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा। स्टैंड-बाय खिलाड़ी : गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिज़वी, शेख रशीद।

टीम के साथ मुख्य कोच के रूप में जाएंगे जोशी

नई दिल्ली। बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर और बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मुख्य कोच सुनील जोशी 14 नवंबर से दोहा में होने वाले राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत 'ए' टीम के मुख्य कोच होंगे। बीसीसीआई में यह चलन है कि भारत ए, इमर्जिंग (राइजिंग स्टार्स), भारत अंडर-19 के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े अलग कोच को नियुक्त किया जाए। हाल ही में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शामिल हुए जोशी ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी भारत ए टीम से जुड़े हुए थे।

अर्पित-सनत के शतक, लेकिन पुडुचेरी को मिले 3 अंक

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्पित राणा (नाबाद 170) और सनत सांगवान (नाबाद 122) के शानदार शतकों से दिल्ली ने पुडुचेरी के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में अपनी दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोये 321 रन बनाये और मैच ड्रा हो गया। हालांकि पुडुचेरी को पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक मिले जबकि दिल्ली को एक अंक से संतोष करना पड़ा। दिल्ली के पहली पारी के 294 रन के जवाब में पुडुचेरी ने 481 रन बनाकर पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। दिल्ली ने आज बिना कोई विकेट खोये 76 रन से आगे खेलना शुरू किया। नाबाद बल्लेबाजों अर्पित और सांगवान ने अपने-अपने शतक पूरे किये और टीम के स्कोर को 321 रन तक ले गए जिसके बाद मैच ड्रा घोषित किया गया। अर्पित ने 275 गेंदों पर नाबाद 170 रन में 17 चौके और दो छक्के लगाए जबकि सांगवान ने 213 गेंदों पर नाबाद 122 रन में नौ चौके लगाए। दोनों ने पहले विकेट की अविजित साझेदारी में 321 रन जोड़े और मैच ड्रा करवा दिया।

ग्रुप मैच के दौरान दिल्ली के अर्पित राणा को स्टंप आउट करने की अपील करते पुडुचेरी के खिलाड़ी।

यूपी-बड़ौदा का मैच बिना खेल रद्द, दोनों को मिला एक-एक अंक

बड़ौदा। बीसीए के कोटांबी इंटरनेशनल स्टेडियम में यूपी और बड़ौदा के बीच रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए का मुकाबला बारिश और गीली आउटफील्ड और खराब ग्राउंड मैनेजमेंट से एक भी गेंद खेल बिना रद्द हो गया। इस मैच से दोनों टीमों को एक-एक अंक ही मिले। इस मैच के बाद अंक तालिका में यूपी की टीम चौथे स्थान से फिसल कर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि आन्ध्र प्रदेश की टीम चौथे स्थान पर प्रमोट हो गई। यूपी का अगला मुकाबला अब ग्रीनपार्क स्टेडियम में आठ नवंबर से नागालैंड से होगा। वर्तमान रणजी ट्रॉफी के कम-से-कम तीन चार दिन के मुकाबले ऐसे रहे हैं जो बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गए हैं। इनमें कल्याणी में बंगाल और बिहार के बीच मैच खराब मौसम और मैदान की खराब स्थिति से रद्द हुआ था। मेघालय और मिजोरम का मैच, शिलांग के मैदान में बारिश के बाद जलभराव से बिना एक भी गेंद फेंके रद्द करना पड़ा था। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर अनुकूल रॉय के सर्वश्रेष्ठ 13 विकेट की मदद से झारखंड ने ग्रुप ए मैच में नगालैंड को पारी के अंतर से हराकर बोनस अंक समेत 7 अंक हासिल किए। रॉय के 8 विकेट की मदद से झारखंड ने नगालैंड को 154 रन पर समेट दिया।

कर्नाटक ने केरल को पारी और 164 रनों से दी मात

तिरुवनंतपुरम। मोहसिन खान के 6 विकेट से कर्नाटक ने मंगलवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच के चौथे और अंतिम दिन पिछले साल के उप विजेता केरल को पारी और 164 रन से रौंद दिया। मोहसिन ने 29 रन देकर छह विकेट लिए जिससे केरल की टीम फॉलोआन खेलते हुए दूसरी पारी में 184 रन पर ढेर हो गई। कर्नाटक को इस जीत से बोनस अंक सहित सात अंक मिले। कनार्टक ने पहली पारी पांच विकेट पर 585 रन बनाकर घोषित की थी, जिसके जवाब में केरल की टीम पहली पारी में 238 रन ही बना सकी थी।

गोवा को पारी की बढ़त से 3 अंक

चंडीगढ़ में गोवा ने पंजाब के खिलाफ पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। मेजबान टीम को एक अंक मिला। पंजाब के 325 रन के जवाब में गोवा ने छह विकेट पर 494 रन पर पारी घोषित करके 171 रन की बढ़त हासिल की थी। पंजाब ने दूसरी पारी में जब चार विकेट पर 179 रन बनाए जो मैच ड्रॉ करा दिया गया। निहाल वढेरा ने नाबाद 55 जबकि रमनदीप सिंह ने नाबाद 36 रन की पारी खेली।

महाराष्ट्र-सौराष्ट्र का मैच ड्रॉ

नासिक में महाराष्ट्र और सौराष्ट्र के बीच मैच नीरस ड्रॉ रहा। सौराष्ट्र ने पहली पारी पांच विकेट पर 394 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में मौसम से प्रभावित मैच में मेजबान टीम ने पहली पारी में एक विकेट पर 55 रन बनाए। दोनों टीम की पहली पारी भी पूरी नहीं होने के कारण दोनों को एक-एक अंक मिला।

विदित गुजराती को 12 वर्षीय ओरो फास्टिनो ने बराबरी पर रोका

पणजी, एजेंसी

भारत के ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती को मंगलवार को फिडे विश्व कप के दूसरे दौर की बाजी में अर्जेन्टीना के 12 साल के ओरो फास्टिनो ने ड्रॉ पर रोका। असाधारण प्रतिभा और खेल में तेजी से प्रगति करने के लिए 'शतरंज के मेस्सी' के नाम से मशहूर फास्टिनो ने पहले दौर में क्रोएशिया के एंटे बर्किच को हराया था और दूसरे दौर में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने गुजराती के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन किया।

दोनों खिलाड़ी 28 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। क्लासिकल टाइम प्रारूप के दूसरी बाजी में गुजराती बुधवार को काले मोहरों से खेलेंगे। गुजराती की तरह आर प्रज्ञानानंदा को भी ऑस्ट्रेलिया के तेमूर कुयबोकारोव ने ड्रॉ पर रोका। प्रज्ञानानंदा तेमूर पर दबाव नहीं बना पाए और विरोधी खिलाड़ी ने मजबूत खेल दिखाया। लेवोन अरोनियन ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर अरोनयक घोष को हराया। शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने बुल्गारिया के मार्टिन पेत्रोव को हराकर सकारात्मक शुरुआत की। पेत्रोव ने अच्छी शुरुआत की लेकिन बाद में राह से भटक गए जिससे एरिगेसी ने 37 चाल में जीत दर्ज की। अन्य भारतीयों में सूर्य शेखर गांगुली को मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के खिलाफ शिकस्त मिली, जबकि दिप्तायन घोष ने विश्व चैंपियनशिप के पूर्व चैलेंजर इयान नेपोमनियाची से ड्रॉ खेला।

फिडे विश्व कप

चानू का भार वर्ग 2028 ओलंपिक से हटाया गया

नई दिल्ली। स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का 49 किग्रा भार वर्ग 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों से हटा दिया गया है और अब उन्हें 53 किग्रा वर्ग में कड़ी चुनौती मिलेगी, लेकिन वह इसके लिए तैयार हैं। चानू ने तोक्यो ओलंपिक में 49 किग्रा वर्ग में रजत जीता था। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने ओलंपिक में भारोत्तोलन स्पर्धाओं की कुल संख्या 12 कर दी है, जिससे 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में महिलाओं के लिए न्यूनतम वर्ग अब 53 किग्रा है। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि 53 किग्रा तक वजन बढ़ाना चानू के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर की यह खिलाड़ी एशियाई खेलों तक अपने पुराने वजन वर्ग में ही खेलती रहेगी। यह (49 किग्रा वर्ग हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है।

हॉकी का स्वर्णिम इतिहास | भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने पर मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में सात नवंबर को होगी जश्न की शुरुआत

देश के 550 जिलों में 1400 से अधिक होंगे हॉकी मैच : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

खेलमंत्री म नसुख मांडविया ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए कहा, देश खेलों में आगे बढ़ रहा है। देश बदल रहा है और नये भारत का निर्माण हो रहा है, जिसमे हमारा लक्ष्य 2036 तक दुनिया के दस शीर्ष और 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल होना है।

सात नवंबर को भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे हो रहे हैं और इस अवसर पर हॉकी इंडिया के साथ मिलकर उसी दिन ध्यानचंद स्टेडियम से जश्न की शुरुआत होगी। मांडविया ने कहा कि सौ साल में हॉकी ने देश को गौरव और सम्मान दिलाया है। इस अवसर पर पूरे देश में 550 से अधिक जिलों में 1400 से अधिक हॉकी मैचों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 36000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे ताकि देश के युवा हॉकी को समझे और इसके इतिहास से परिचित हो।

उन्होंने कहा कि यह भारतीय हॉकी के सौ साल के सफर को याद करने और इससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लेने का अवसर है। अतीत के सारे महान खिलाड़ियों को याद करने और आने वाले दिनों में नयी ऊर्जा के साथ भारतीय हॉकी को और आगे ले जाना और देश में उसका इकोसिस्टम तैयार करने का संकल्प लेने का अवसर है।

कार्यक्रमों की घोषणा करते केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के साथ अन्य अधिकारी।

इस मौके पर खेलमंत्री एकादश और हॉकी इंडिया एकादश के बीच ध्यानचंद स्टेडियम पर 30 मिनट के मैच का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें शीर्ष महिला और पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे।

सौ साल का सफर जज्बात से भरा हुआ : टिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने का सफर गर्व और जज्बात से भरा है। इस अवसर पर हम अतीत के धुरंधरों को सम्मानित करके भावी पीढ़ी को प्रेरित करना चाहते हैं। भारतीय हॉकी ने हमेशा एकता, श्रेष्ठता और दृढ़ता की मिसाल दी है और हमारा फोकस जमीनी स्तर पर खेल को मजबूत बनाकर फिर विश्व हॉकी का सिरमौर बनाने पर है।

हमारा ध्यान सिस्टम को मजबूत बनाने पर

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि हॉकी इंडिया पिछले कुछ वर्षों में पारदर्शी, जवाबदेह और भविष्योन्मुखी संगठन बनकर उभरा है। हमारा ध्यान सिस्टम को मजबूत बनाने पर है और हम कोचिंग और बुनियादी ढांचे पर भी काफी निवेश कर रहे हैं।

पूर्व खिलाड़ी किए जाएंगे सम्मानित

पिछले सौ साल के सफर में आठ स्वर्ण समेत 13 ओलंपिक पदक जीतकर भारत को सबसे कामयाब बनाने वाले दिग्गज पूर्व खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। भारत हॉकी के 1928 के एम्सटर्डम से पेरिस ओलंपिक तक के सफर की दुर्लभ तस्वीरें भी स्टेडियम में एक नुमाइश में रखी जाएंगी।